जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 17 संख्याः 06 प्रभात चूरू, रविवार 4 मई, 2025 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

जातिगत जनगणनाः मण्डल-कमण्डल सोच का विलय है

पर, इस विलय का क्या अर्थ निकलेगा, यह अभी अनिश्चितता के कोहरे में छिपा है, जिसका आंकलन करना, विशेषकर भाजपा के लिये बहुत मुश्किल है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 मई। केन्द्र सरकार द्वारा जातिगत जनगणना कराये जाने का निर्णय लिये जाने के बाद, मंडल और कमंडल मुद्दों के विलय की प्रक्रिया शुरु हो गई है, और इसके साथ ही, भाजपा के अन्दर इस बात को लेकर काफी बेचैनी है, क्योंकि पार्टी नेताओं द्वारा पहले जातिगत जनगणना की कड़ी आलोचना की गई थी, इसलिए अब चिंता है कि इस पर राजनैतिक खेल क्या होगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर दूसरी-तीसरी पंक्ति के भाजपा नेता, जिनमें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल हैं, पहले जातिगत जनगणना कराने के घोर आलोचक रहे हैं।

योगी आदित्यनाथ की स्थिति खासतौर बड़ी अजीब हो गई है, क्योंकि उन्होंने अभी हाल ही में "बटेंगे तो कटेंगे" का नारा दिया था तथा उनकी मानयता थी कि जातिगत जनगणना तो विपक्षी दलों की रणनीति है, जिससे हिन्दुओं की कीमत पर, मुस्लिम समुदाय को आरक्षण दिया जा सके।

- **योगी आदित्यनाथ का नारा रहा है, "बंटेंगे तो कटेंगे", तो क्या यह नारा निरर्थक हो गया।**
- **योगी आदित्यनाथ, "जातिगत जनगणना" का विरोध इसलिए कर रहे थे, क्योंकि उनकी सोच है कि जातिगत जनगणना, विपक्ष की रणनीति है, मुसलमानों को आरक्षण देने के लिए और यह आरक्षण, उनके अनुसार, हिन्दुओं का आरक्षण घटाकर दिया जायेगा।**
- **भाजपा में यह भी सोच है कि जाति जनगणना दोधारी तलवार है। एक तरफ तो इस जनगणना ने कांग्रेस व विपक्ष का मुख्य चुनावी मुद्दा उनसे छीन लिया है दूसरी ओर इस निर्णय से भाजपा में भी अंदर ही अंदर काफी बैचेनी है तथा वैचारिक उथल-पुथल है।**

केन्द्र सरकार के इस निर्णय के बाद, योगी आदित्यनाथ ने "समग्र सामाजिक- आर्थिक विकास लाने के लिये शुरु की जाने वाली इस कार्यवाही के लिये प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त" निस्संदेह रुप से किया था, लेकिन उसके बाद उन्होंने पूरी तरह चुप्पी धारण कर ली है। दूसरी तरफ, उनके उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य इस कदम का स्वागत एवं यशोगान करने के लिये प्रैस कॉन्फ्रेंन्सेज़ आयोजित किये जा रहे हैं। भाजपा के अन्दर कुछ ग्रुपों का मानना है कि जातिगत जनगणना कराने का निर्णय एक दोधारी तलवार है, जिसमें जहाँ कांग्रेस और विपक्षी दलों के प्रचार के मुख्य आधार को तहस-नहस करने की क्षमता है, वहीं यह भाजपा के अन्दर भूचाल ला सकती है।

इन वर्गों का कहना है कि जातिगत जनगणना हो जाने के बाद, कम प्रतिनिधित्व वाली जातियों की ओर से माँगों की बाढ़ आ जायेगी।

सरकार ने पहले आरक्षण नीति की समीक्षा करने तथा विकास की दौड़ में काफी पीछे रह गई जातियों को चिन्हित करने के लिये जस्टिस रोहिणी आयोग गठित किया था। यद्यपि रोहिणी आयोग ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है, लेकिन उसे सार्वजनिक नहीं किया गया। जाहिर है, राजनेताओं को यह डर था कि इस रिपोर्ट को सार्वजनिक होने से, वह मुद्दा फिर से हावी हो जाएगा, जो अब तक शांत था। भाजपा थिंक टैंक का मानना है कि चूँकि अब जातिगत जनगणना कराने का निर्णय ले लिया गया है, इसलिये रोहिणी आयोग की सिफारिशें एक स्वाभाविक उप-परिणाम के रुप में सामने आ जायेंगी।

एक ही मुद्दे पर दुबारा याचिका दायर नहीं कर सकते

जयपुर, 3 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने ब्लॉक कोऑर्डिनेटर को हटाने से जुड़े मामले में पुनः याचिका दायर करने वाले तीन याचिकाकर्ताओं पर कार्रवाई के लिए प्रमुख शिक्षा सचिव को निर्देश दिए हैं। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता सरकारी कर्मचारी हैं और उन्हें इस तरह की हरकत नहीं करनी चाहिए थी। जस्टिस सुदेश बंसल ने यह आदेश प्रभु दयाल व तीन अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता की जानकारी में यह गडबडी आने पर उन्होंने याचिका को वापस ले लिया।

- **याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने याचिका वापस ली। हाई कोर्ट ने शिक्षा समिति सचिव को कार्यवाही के आदेश दिये।**

सुनवाई के दौरान, राज्य सरकार की ओर से एडिशनल एडवोकेट जनरल (ए.ए.जी.) बीएस छाबा ने अदालत को बताया कि याचिका में शामिल याचिकाकर्ता योगेश, भंवर और रामस्वरूप ने पहले ही इस मुद्दे पर एक याचिका पेश की थी, जिसमें अदालत ने याचिकाकर्ताओं को अपना अभ्यावेदन विभाग के समक्ष देने को कहा था। तथापि, इस याचिका में पूर्व की याचिका

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'2016 की सर्जिकल स्ट्राइक या 2019 की बालाकोट की एयर स्ट्राइक को दोहराने से लाभ नहीं'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 मई। सीमा पर चल रहे तनाव तथा लाइन ऑफ कंट्रोल (एल.ओ.सी.) पर दोनों तरफ से हो रहे मिसाइल व आर्टिलरी के बीच, भारत के सुरक्षा विशेषज्ञों और सैन्य दिग्गजों का मानना है कि भारत अब पाकिस्तान को एक मजबूत निर्णायक जवाब देने के लिए तैयार है, वह भी पारंपरिक युद्ध का सहारा लिए बिना।

- **रणनीति विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान अब इन प्रतीकात्मक एक्शन का अभ्यस्त सा हो गया है। अतः इस बार भारत को ऐसी कार्यवाही करनी चाहिए, जिससे पाकिस्तान को आर्थिक, कूटनीतिक व अन्य भारी सामरिक नुकसान हो।**
- **इन विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि पाकिस्तान को भारी नुकसान तो जरूर हो, पर, ऐसी स्थिति न बने कि पूरा खुला युद्ध आरंभ हो जाए।**

देश भर में हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले की स्मृति अभी बिल्कुल ताजा है, इस बीच रणनीतिक हल्कों में इस बात को लेकर चर्चा जोरों पर है कि भारत अगला कदम क्या उठाएगा। कई सेवानिवृत्त सैन्य जनरल तथा युद्ध के दिग्गजों के अनुसार, भारतीय सशस्त्र बलों ने पहले ही एक अत्यंत सटीक व संतुलित प्रतिक्रिया की तैयारी कर ली है, जो पूर्ण युद्ध का रूप लिए बिना पाकिस्तान को एक स्पष्ट संदेश देगा।

रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल मोहन भंडारी, जो कई आतंकवाद विरोधी अभियानों में शामिल रहे हैं, ने कहा, "इस बार माहौल अलग है। यह बालाकोट को दोहराने की बात नहीं है। इस बार जवाब अधिक अप्रत्याशित और गहराई तक मार करने वाला हो सकता है।" उन्होंने आगे कहा, "इस बार प्रतिक्रिया का स्तर और दायरा पाकिस्तान की उम्मीदों से कहीं अधिक हो सकता है।"

पहलगाम हमला, जिसमें कई भारतीय लोग शहीद हुए, की राजनीतिक और सैन्य हल्कों में व्यापक निंदा हो रही है। हालांकि, सरकार ने अभी तक किसी भी अभियान की जानकारी नहीं दी है, सूत्रों का कहना है कि थलसेना, वायुसेना और नौसेना, तीनों मिलकर समन्वित जवाब की रणनीति बना रही हैं। सूत्रों के अनुसार, पूरा जोर सही समय, सटीकता और इनोवेशन पर है।

1971 के भारत-पाक युद्ध में शामिल एक अन्य वॉर वैटरन ने भी नाम नहीं बताने की शर्त पर यही विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा, "2016 की सर्जिकल स्ट्राइक या 2019 के बालाकोट हवाई हमलों को दोहराना अब व्यर्थ है। आईएसआई और पाकिस्तानी सेना अब प्रतीकात्मक जवाबों की आदी हो गई है और इनका कोई असर नहीं होता है। भारत को इस बार पाकिस्तान की कमज़ोर नस पर वार करना होगा, जहाँ उसे सबसे ज्यादा नुकसान हो, यह आर्थिक रूप से, कूटनीतिक रूप से और गुप्त अभियानों के माध्यम से करना होगा।"

हालांकि आधिकारिक सैन्य तंत्र "वेट एण्ड वॉच" की नीति पर कायम है, लेकिन निहितार्थ यही लगता है कि रणनीतिक धैर्य रखते हुए चुपचाप तैयारी जारी रखी जाए। खुफिया सूत्रों के अनुसार, सीमा पार और जम्मू-कश्मीर के संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ा दी गई है और खुफिया गतिविधियाँ तेज़ कर दी गई है।

विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि भारत अपने जवाब में साइबर युद्ध, आर्थिक दबाव और विशिष्ट गोपनीय अभियानों के कॉम्बिनेशन पर विचार कर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अंधड़ में जोधपुर डिस्कॉम के 577 पोल गिरे

जैसलमेर के कई गाँव-ढाणियों में लाईट नहीं, डिस्कॉम को एक करोड़ रूपए का नुकसान

जैसलमेर, 3 मई (नि.सं.)। जैसलमेर जिले में गुरुवार की शाम आए अधंड़ ने तबाही मचाई। तेज आंधी से कई गांव-ढाणियों में बिजली चली गई तथा वितरण एवं प्रसारण निगमों को भी बड़ा नुकसान हुआ है।

- **जैसलमेर एसई भैंराराम चौधरी के अनुसार विभाग की टीमें टूटे पोल की जगह नये पोल खड़े करके बिजली आपूर्ति सुचारु रूप से चालू करने में जुटी हुई हैं।**

जानकारी के अनुसार, अधंड़ से जोधपुर डिस्कॉम के 33 केवी और 11 केवी के कुल 577 पोल गिर गए हैं। 10 ट्रांसफॉर्मर टावर भी धराशायी हो गए हैं। तूफान की चपेट में आने से डिस्कॉम के भोजका पॉवर हाउस में लगा एक पावर ट्रांसफॉर्मर भी गिर गया, जिसकी लागत करीब 53 लाख रुपए है। बताया जा रहा है कि अंधड़ से जोधपुर डिस्कॉम वितरण विभाग को करीब एक करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

अधंड़ से निगम के प्रसारण विभाग की अलग- अलग लाइनों के कुल 15 टावर गिर गए हैं। विभागीय अधिकारियों ने मौके पर नुकसान का आकलन किया। इसके साथ ही टूटे पोलों की जगह नए पोल खड़े करके बिजली आपूर्ति सुचारू करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

बिजली निगम के जैसलमेर एसई भैराराम चौधरी ने बताया कि तूफान की चपेट में आने से जोधपुर डिस्कॉम वितरण निगम को एक करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। डिस्कॉम के 33 केवी के 27 पोल गिरे हैं। इसके अलावा, 11 केवी के 550 पोल धराशायी हुए हैं। भोजका पावर हाउस का पावर ट्रांसफॉर्मर व अन्य छोटे बड़े 10 ट्रांसफॉर्मर भी गिरे हैं। डिस्कॉम की टीम मौके पर जुटी हुई हैं। डिस्कॉम टीमों द्वारा प्रयास किया जा रहा है कि जल्द से जल्द पोल खड़े कर बिजली आपूर्ति सुचारु की जाए।

एनआईए ने तहुव्वर राणा की आवाज़ और लिखावट के नमूने लिए

नयी दिल्ली, 03 मई। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 26/11 मुंबई आतंकवादी हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा की आवाज और लिखावट के नमूने शनिवार को लिये। राणा को 10 अप्रैल को अमेरिका से प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया था।

राणा के वकील पीयूष सचदेव ने यहां कहा कि विशेष अदालत के पहले के आदेश के अनुसार, एनआईए ने मुख्यालय में राणा की आवाज का नमूना लिया और न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएमएफसी) के समक्ष उसकी लिखावट के नमूने भी एकत्र किये।

सोमवार को अदालत ने पाकिस्तानी मूल के कनाडाई नागरिक राणा की एनआईए की हिरासत 12 दिन और बढ़ाकर 09 मई तक कर दी थी, जबकि बुधवार को अदालत ने उसकी आवाज और लिखावट के नमूने प्राप्त करने के लिए एनआईए के आवेदन को स्वीकार कर लिया था।

- **गौरतलब है कि हाल ही में विशेष अदालत ने एनआईए को राणा की आवाज़ और हस्तलिपि का सैम्पल लेने की अनुमति दी थी।**

गौरतलब है कि राणा उन आरोपियों में से एक है, जिसके खिलाफ एनआईए ने 2011 में और मुंबई पुलिस ने 2023 में आरोप पत्र दायर किया था।

एनआईए ने राणा पर 26/11 मुंबई हमलों के लिए एक बड़ी साजिश रचने का आरोप पत्र दाखिल किया था, जबकि मुंबई पुलिस ने मुंबई आतंकवादी हमले में उसकी मुख्य भूमिका के मद्देनजर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पायलट पति अपनी पायलट पत्नी व बेटी को भरण पोषण भत्ता दे

जयपुर, 3 मई। जयपुर मेट्रो-प्रथम की फैमिली कोर्ट-एक ने पारिवारिक विवाद से जुड़े एक मामले में पायलट पति को निर्देश दिया है कि वह अपनी पत्नी, जो खुद पायलट है, को 80 हजार रुपए व बेटी को 60 हजार रुपए, अर्थात कुल 1.40 लाख रुपए हर महीने भरण-पोषण की राशि दे। कोर्ट ने कहा कि अंतरिम भरण पोषण की यह राशि प्रार्थना पत्र दायर करने की तारीख 30 नवंबर 2024 से दो किस्तों में देय होगी और हर महीने की दस तारीख तक देनी होगी। कोर्ट ने यह आदेश पत्नी के अंतरिम भरण पोषण हेतु दायर प्रार्थना पत्र पर दिया।

- **फैमिली कोर्ट ने पायलट पत्नी को 80 हजार रूपए तथा बेटी को 40 हजार रूपए हर माह भरण पोषण के लिए देने के आदेश दिये।**

कोर्ट के पीठासीन अधिकारी वीरेन्द्र कुमार जसूजा ने आदेश में कहा कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तेजस्वी यादव ने प्र.मंत्री मोदी को चिट्ठी लिखी, जातिगत जनगणना के निर्णय के बाद

पत्र में तेजस्वी ने जुडीशियरी व प्राइवेट सैक्टर में भी आरक्षण की मांग की

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे एक पत्र में बिहार में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव जातिगत जनगणना से सम्बंधित आग को और भड़का दिया और न्यायपालिका व प्राइवेट सैक्टर में आरक्षण देने की मांग की है।

उन्होंने मंडल आयोग की लम्बित सिफारिशों के तुरंत क्रियान्वयन की मांग की और कहा प्राइवेट सैक्टर, ठेकों और न्यायपालिका में जातिगत जनगणना से प्राप्त आंकड़ों के आधार जाति की जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण दिया जाए। "तेजस्वी ने कहा संविधान ऐसे एक्शन का नैतिक और कानूनी आधार देता है।"

तेजस्वी ने कहा, हमारा संविधान नीति निर्देशक तत्वों के माध्यम से निर्देश देता है कि आर्थिक असमानता कम की जाए और सुनिश्चित किया जाए कि संसाधनों का समान वितरण हो। जब हम जानेंगे कि कितने नागरिक वंचित समूहों से हैं उनकी आर्थिक स्थिति क्या है तब अधिक सटीकता के साथ लक्षित हस्तक्षेप तैयार किए जाने चाहिए। निजी क्षेत्र जो सार्वजनिक संसाधनों का प्रमुख लाभार्थी रहा है, सामाजिक न्याय की आवश्यकताओं से अलग नहीं रह सकता। कार्पोरेट कम्पनियों को पर्याप्त लाभ मिलता रहा है, रियायती दरों पर जमीन, बिजली पर सब्सिडी, कर छूट, बुनियादी सुविधाएं और विभिन्न प्रकार के वित्तीय प्रोत्साहन।

- **तेजस्वी का तर्क है कि प्राइवेट कॉर्पोरेट सैक्टर, भूमि सब्सिडी, टैक्स रियायतें आदि सरकारी सहायता का लाभ उठाता है। अतः कॉर्पोरेट जगत जो भी नौकरियां देता है या पदोन्नति देता है, उसमें देश की विविधता (कमज़ोर वर्ग) को भी पूरा लाभ मिलना चाहिये।**
- **तेजस्वी ने अपने पत्र में लिखा कि बिहार में किये गये जातिगत सर्वे में उजागर हुआ कि ओबीसी व इकोनॉमिक बैकवर्ड क्लास की संख्या 63 प्रतिशत है बिहार में, इस आंकड़े ने उन कई किंवदंतियों को नेस्तनाबूद कर दिया, जो समाज में यथास्थिति बरकरार करने के लिये फैलायी गई थीं।**
- **तेजस्वी के अनुसार, संविधान में प्रावधान है कि समाज में आर्थिक विषमताएं खत्म हों तथा संसाधनों का "इक्विटेबल" वितरण हो। अतः जातिगत जनगणना के बाद, हम दलित, पिछड़े वर्ग के लोगों को चिन्हित करके उन्हें सरकारी योजनाओं, आरक्षण आदि का पूरा लाभ दे सकेंगे।**

उन्होंने परिसीमन पर भी चिंता जताई और ओबीसी व ईबीसी के राजनैतिक प्रतिनिधित्व पर जोर दिया, जिन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया से अलग रखा जाता है उन्होंने कहा विधानसभाओं व संसद में उनका प्रतिनिधित्व बढ़ाना चाहिए।

तेजस्वी ने लिखा कि "कई वर्षों तक आपकी सरकार व एनडीए के घटक दल जातिगत जनगणना को समाज को बांटने वाला बताकर नकारते रहे। जब बिहार ने कास्ट सर्वे शुरु किया तब आपकी सरकार ने, आपके अफसरों ने कई रोड़े अटकाए। आपकी पार्टी ने इसकी आवश्यकता पर सवाल किए। पर देर से ही सही आपने जो निर्णय लिया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रदेश के छोटे खान बजरी मालिकों के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट का महत्वपूर्ण ओदश!

'जिन खानों के द्वारा बजरी खनन करने के आवेदन को एस.इ.आई.ए.ए. ने स्वीकृति दे दी है, उनमें खनन गतिविधि शुरु की जा सकती है'

-यादवेन्द्र शर्मा-

नई दिल्ली, 3 मई। उच्चतम न्यायालय ने राजस्थान में सक्रिय और बजरी खनन कर रहीं करीब 5,000 छोटी खानों को राहत दी है, जिन्हें बजरी खनन करने के लिए "शॉर्ट-टर्म" परमिट मिला हुआ है और प्रदेश की इन्वायरनमैंट इम्पैक्ट एसैसमैंट अथॉरिटी द्वारा स्वीकृति भी प्राप्त है।

दरअसल इस मामले के तथ्यों के अनुसार, "नैशनल ग्रीन ट्राइब्यूनल" (एन.जी.टी.) ने आदेश दिया था कि बजरी खनन वाली खानों को राज्य के इन्वायरनमैंट इमपैक्ट एसेसमैंट अथॉरिटी (एस.इ.आई.ए.ए.) द्वारा स्वीकृति प्राप्त करने के बाद ही कार्य करने की अनुमति दी जाएगी। एन.जी.टी. के इस आदेश से पूर्व कई राज्य सरकारें, जिसमें राजस्थान भी शामिल है, जिला स्तरीय इन्वायरनमैंट इम्पैक्ट एसैसमैंट अथॉरिटी द्वारा बजरी खनन करने की स्वीकृति मुहैया कराया करती थीं। परंतु एन.जी.टी. के समक्ष जनहित में दायर याचिकाओं के माध्यम से यह सिद्ध किया गया कि जिला स्तरीय समितियां बजरी खानों को खनन की स्वीकृति देने के लिए किसी भी रूप में उपयुक्त नहीं हैं और उनके पास ऐसे कोई भी विशेषज्ञ या एक्सपर्ट उपलब्ध नहीं हैं, जो बजरी खनन के पर्यावरण पर प्रभाव को माप सकें। इसका अर्थ था कि एन.जी.टी. के समक्ष यह सिद्ध किया गया कि जिला स्तरीय अधिकारी मनमाने तरीके से बजरी खनन की छोटी-बड़ी "लीज़" जारी कर रहे थे, पर एन.जी.टी. ने अपने आदेश से इस पर रोक लगा दी।

- **सुप्रीम कोर्ट के आदेश से अदालती फैसलों और अपीलों में फंसे करीब 5,000 खान मालिकों को राहत मिली।**
- **सुप्रीम कोर्ट ने बजरी खनन गतिविधि को अनुमति देने के लिए एस.इ.आई.ए.ए. को जिम्मेदार विभाग मानते हुए एन.जी.टी. के फैसले को सही माना और राज्य सरकार को इस आदेश की पालना करने को कहा।**
- **गौरतलब है कि पिछली गहलोत सरकार में एस.इ.आई.ए.ए. ने बजरी खनन की अनुमति मांग रही 16-17 हजार खानों में से केवल 4,500-5,000 खानों को ही जाँच करके खनन की अनुमति दी और करीब 2,000 आवेदनों को अस्वीकार किया। बचे हुए आवेदनों पर कोई फैसला नहीं दिया गया, जिससे अवैध खनन को बढ़ावा मिला।**
- **उल्लेखनीय है कि वर्तमान भाजपा सरकार ने एस.इ.आई.ए.ए. के सभी सदस्यों की अभी तक नियुक्ति नहीं की है, जिस वजह से बजरी खनन के कई आवेदनों पर फैसला नहीं हो पा रहा था और इसी वजह से सुप्रीम कोर्ट ने प्रदेश की एस.इ.आई.ए.ए. और राज्य सरकार को जवाब प्रस्तुत करने और प्रस्तावों की जाँच करने के लिए दूसरी बार समय दिया।**

पाठकों को यह भी बता दें कि गहलोत सरकार के दौरान रिटायर्ड

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महिला की हत्या करने वाले युवक को उम्र कैद की सजा

जयपुर, 3 मई। सत्र न्यायालय, महानगर प्रथम ने खो-नागोरियान थाना इलाके में धारदार चाकू से कई वार कर महिला की हत्या करने वाले अभियुक्त गौतम जाटव को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, अदालत ने अभियुक्त पर 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी नंदिनी व्यास ने अपने आदेश में कहा कि अभियोजन पक्ष अभियुक्त

- **अभियुक्त ने दुकान से चाकू खरीद कर महिला के पेट पर कई गंभीर वार किये थे।**

के खिलाफ हत्या का अपराध साबित करने में सफल रहा है। अभियुक्त ने भागन्ती देवी की हत्या करने के आशय से ही दुकान से चाकू खरीदा था और उस चाकू से उसके पेट पर कई बार गंभीर वार किए, ताकि हर स्थिति में उसकी मृत्यु हो सके। ऐसे में अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से लोक अभियोजक एलए खान ने बताया कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

मनुष्य जीवन अनुभव का शास्त्र है। -विनोबा

गरीबी से बड़ा कोई अभिशाप नहीं. इससे मुक्ति दिलाने में शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण से बेहतर कोई उपाय नहीं

मेरा जीवन एक साधारण गाँव में शुरू हुआ, जहाँअकूत गरीबी थी। मेरे पिता प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक थे और मैं प्राय: उनको इस संघर्ष में देखता था कि कैसे वे एक ओर अपने विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते थे और दूसरी ओर सरकारी अफसरों और नेताओं से हाथ जोड़कर अपने पदस्थापन स्थान के विकास के लिए याचना करते थे। मैंने तब इस बात को स्वयं जिया कि कैसे गरीबी न केवल जीवन की गुणवत्ता को कम करती है, बल्कि यह व्यक्ति की आत्मा को भी छलनी कर देती है। इस अभिशाप से मुक्ति पाने की छटपटाहट में मैंने शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण के महत्व को आत्मसात और क्रियान्वित किया।

शिक्षा ने मेरे लिए विश्व के बंद दरवाजे खोले। शिक्षा मेरे लिए ज्ञान की वह रोशनी लेकर आई, जिसने मुझे अपनी स्थितियों को समझने और उन्हें बदलने की रणनीति और शक्ति दी। स्वास्थ्य ने मुझे यह सिखाया कि एक स्वस्थ शरीर में ही एक स्वस्थ और निर्मल मन निवास करता है, और यही निर्मल मन व्यक्ति के समग्र कल्याण का बीज है। शांति ने मुझे आंतरिक संतुलन और सामंजस्य के चमत्कारी प्रभाव को समझाया, जो हमारे भीतर सहयोग और सद्भावना को बढ़ाता है। हमारे आसपास का पर्यावरण और उसको बेहतर रखने के प्रति सचेत रहने से मुझे यह समझ पाना सुलभ हुआ कि प्राकृतिक संसाधन हमारे जीवन केमूल आधार हैं, और इनकी सुरक्षा करना हमारी असल में हमारी अपनी भलाई के लिए अनिवार्य है।

इस प्रकार, मेरी कहानी आपको यह सिखा सकती है कि गरीबी से लड़ने और विजय पाने हेतु शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण को साथ लेकर चलना होगा। ये चारों स्तंभ व्यक्तिगत जीवन के साथ ही समग्र समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। जब हम इन स्तंभों को सशक्त बनाते हैं, तो हम न केवल गरीबी के विरुद्ध एक प्रबल लड़ाई लड़ सकते हैं, बल्कि एक ऐसे समाज की नींव रख सकते हैं जो अधिक समृद्ध, स्वस्थ और शांतिपूर्ण हो।

अपनी जीवन यात्रा मेंमैंने यह भी सीखा कि जब समाज एक साथ मिलकर काम करता है, तो बदलाव लाना तुलनात्मक रूप से शीघ्रतापूर्वक संभव हो पाता है। शिक्षा के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाना, स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाना, शांति की दिशा में काम करना और पर्यावरण की रक्षा करना-ये सभी कार्य तब और अधिक प्रभावी होते हैं जब हम सभी इसमें साझा प्रयत्न करते हैं। मेरी कहानी यह भी दर्शाती है कि गरीबी एक बड़ी चुनौती है, लेकिन इसे पराजित करने के लिए हमारे पास शक्तिशाली रणनीतियाँ उपलब्ध हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति, और पर्यावरण के माध्यम से हम व्यक्तिगत जीवन को बेहतर बना सकते हैं, और साथ ही पूरे समाज और राष्ट्र को भी उन्नति की ओर ले जा सकते हैं। इस दिशा में मिल-जुलकर किया गया कार्य एक ऐसे भविष्य की ओर ले जा सकता है जहाँ गरीबी मात्र इतिहास का हिस्सा बन कर रह जाए।

शिक्षा का महत्व तो जगजाहिर है। यह व्यक्ति को न केवल ज्ञान प्रदान करती है, बल्कि उसे आत्मनिर्भर बनाने में भी सहायक होती है। एक अनपढ़ व्यक्ति जो अपने अधिकारों से अनभिज्ञ होता है, उसे प्राय: शोषण का सामना करना पड़ता है। जब वही व्यक्ति शिक्षित हो जाता है, तो वह न केवल अपने अधिकारों की रक्षा कर सकता है, बल्कि अपने जीवन की बेहतरी हेतु सही निर्णय ले सकता है। उदाहरण के लिए, एक छोटे गाँव की एक युवती जिसने शिक्षा प्राप्त की और अपने गाँव में एक स्कूल खोला, उसने अपना जीवन तो बदला ही साथ ही अपने गाँव के बच्चों को भी शिक्षित करने का मार्ग प्रशस्त किया।

शिक्षा के साथ ही स्वास्थ्य भी गरीबी से मुक्ति का एक अनिवार्य साधन है। बीमारियों से मुक्त एक स्वस्थ व्यक्ति अपने कार्य में अधिक सक्षम होता है और तुलनात्मक रूप से अधिक आय अर्जित कर सकता है। इसके उलट, एक बीमार व्यक्ति अपनी क्षमता का पूर्ण उपयोग नहीं कर सकता, जिससे उसकी आर्थिक स्थिति दुष्प्रभावित होती है। स्वास्थ्य सेवाओं का सुलभ होना और उनकी गुणवत्ता दोनों ही महत्वपूर्ण है। एक स्वस्थ समाज ही एक समृद्ध और सुखी समाज की नींव रख सकता है। एक छोटे गाँव में, जहाँ पहले स्वास्थ्य सेवाएं नहीं थीं, वहाँ एक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना से न केवल बीमारियों का बेहतर प्रबंधन हुआ, बल्कि लोगों की जीवन गुणवत्ता में भी सुधार हुआ।

शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ ही शांति भी गरीबी से मुक्ति का एक अनिवार्य घटक है। एक शांतिपूर्ण समाज में, व्यक्तियों, परिवारों और समाज को अपनी क्षमताओं को विकसित करने और आर्थिक अवसरों का लाभ उठाने के बेहतर अवसरप्राप्त होता है। जिस समाज में हिंसा और अशांति होती है उसमें सतत विकास की संभावनाएं घट जाती हैं और गरीबी बढ़ती जाती है। फलत:, शांति को बढ़ावा देना और आपसी संघर्षों को कम करना गरीबी से मुक्ति के लिए अनिवार्य है।

> **शिक्षा का महत्व तो जगजाहिर है। यह व्यक्ति को न केवल ज्ञान प्रदान करती है, बल्कि उसे आत्मनिर्भर बनाने में भी सहायक होती है। एक अनपढ़ व्यक्ति जो अपने अधिकारों से अनभिज्ञ होता है, उसे प्रायः शोषण का सामना करना पड़ता है। जब वही व्यक्ति शिक्षित हो जाता है, तो वह न केवल अपने अधिकारों की रक्षा कर सकता है, बल्कि अपने जीवन की बेहतरी हेतु सही निर्णय ले सकता है।**

गरीबी को मिटाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, और शांति के साथ-साथ पर्यावरण का संरक्षण भी अत्यंत आवश्यक है। पर्यावरणीय स्थिरता से हमारे संसाधन सुरक्षित रहते हैं, जो कि सतत आर्थिक, सामाजिक और पारिस्थितिकीय विकास और लोगों के कल्याण में मौलिक भूमिका निभाते हैं। जब पर्यावरण संरक्षित होता है, तो यह खाद्य सुरक्षा में योगदान देता है, प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम करता है, और स्वच्छ जल, वायु और मृदाप्रदान करता है। इस प्रकार,पर्यावरणीय स्थिरता प्राकृतिक पारिस्थितिकीय तंत्रों के साथ ही मानव समाज के स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिरता के लिए भी अनिवार्य है। इसलिए, गरीबी उन्मूलन की हमारी रणनीतियों में पर्यावरणीय संरक्षण को भी प्रमुख स्थान देना चाहिए। प्राकृतिक जलवायु समाधान जिसमें कार्बन पृथक्करण और संचय, जैव-विविधता का संरक्षण, और आजीविका में सुधार शामिल हैं, एक ऐसा रास्ता देते हैं जो गरीबी उन्मूलन के लिए आवश्यक संसाधनों का सुदृढीकरण भी करते हैं।

इन चारों स्तंभों - शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण - को सुदृढ़ करने से ही गरीबी के चक्र को तोड़ा जा सकता है और एक समृद्ध समाज की नींव रखी जा सकती है। इसके लिए आवश्यक है कि सरकारें और समाज के सभी वर्ग इन क्षेत्रों में प्राथमिकता से निवेश करें। इन मूलभूत कारकों को सम्हाली बिना गरीबी के विरुद्ध एक प्रभावी और निर्णायक लड़ाई नहीं लड़ी जा सकती।

यदि एक देश अपने बच्चों और नागरिकों को उच्चकोटि की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यावरणीय सुरक्षा, और शांतिपूर्ण जीवन नहीं दे सकता, तो वास्तव में उसके पास देने के लिए और क्या बचता है? ये सभी तत्व न केवल एक समृद्ध समाज की नींव हैं, बल्कि ये हर व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण हैं। एक व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र के रूप में हमारी प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि हम इन मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करें और अपने नागरिकों को एक सुरक्षित, स्वस्थ, और शिक्षित भविष्य प्रदान करें।

इसी विश्वास के साथ हम एक श्रृंखलाबद्ध विश्लेषण प्रारम्भ कर रहे हैं कि यह ज्ञान व्यक्तियों, परिवारों समाज और सरकारों को गरीबी उन्मूलन के लिए एक नवाचारी और प्रमाण-आधारित दिशा प्रदान करेगा। यदि हमारा देश अपने नागरिकों को उच्चकोटि की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यावरणीय सुरक्षा और शांतिपूर्ण जीवन प्रदान करने में सफल होता है, तो यह व्यक्तिगत जीवन की गुणवत्ता को तो बढ़ाएगा ही साथ ही समाज के समग्र विकास को भी सुनिश्चित करेगा। इन मूलभूत कारकों को ध्यान रखकर तय की गई प्राथमिकता ही वह आधार है जिस पर एक समृद्ध राष्ट्र का निर्माण होता है।

इस विश्लेषण में हम आने वाले समय में यह स्पष्ट करेंगे कि कैसे शिक्षा नागरिकों को नई तकनीकें और विचार सीखने में मदद कर सकती है,स्वास्थ्य सेवाएं कैसे उन्हें अधिक उत्पादक बना सकती हैं, पर्यावरणीय संरक्षण कैसे संसाधनों की रक्षा कर सकता है, और शांति कैसे हमारे समाज को अधिक सहयोगी और सद्भावपूर्ण बना सकती है। हम उम्मीद करते हैं कि इस विश्लेषण के माध्यम से प्राप्त निष्कर्ष समाज और सरकारों को इन क्षेत्रों में नीतियाँ और कार्यक्रम विकसित करने के लिए प्रेरित करेंगे, जिससे गरीबी कम होने के साथ ही देश की समग्र प्रगति भी सुनिश्चित होगी।

हम इस श्रृंखलाबद्ध विश्लेषण को इस आशा और विश्वास के साथ प्रस्तुत कर रहे हैं कि यह ज्ञान, गरीबी को मिटाने के लिए समाज और सरकारों को एक नई दिशा देगा। जब एक देश अपने बच्चों और नागरिकों को उच्चकोटि की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यावरणीय सुरक्षा, और शांतिपूर्ण जीवन प्रदान करने में सफल होता है, तो यह न केवल व्यक्तिगत जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाता है बल्कि समाज के समग्र विकास को भी सुनिश्चित करता है। ये सभी तत्व एक समृद्ध समाज की नींव हैं और हर व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण हैं। इससे न केवल हमारे देश की समग्र उन्नति सुनिश्चित होगी, बल्कि यह हमारे नागरिकों को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी और सक्षम बनाने में भी मदद करेगा। यह आवश्यक है कि हम शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, और शांति के क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा दें और इन्हें अपनी राष्ट्रीय नीतियों का केंद्र बिंदु बनाएं। इस प्रकार, हम एक ऐसे भविष्य की ओर अग्रसर होंगे जहाँ हर नागरिक के पास अपनी पूर्ण क्षमता को प्राप्त करने का अवसर होगा।

हम इस बात को समझते हैं कि गरीबी एक जटिल समस्या है जिसका समाधान एक क्षेत्र में कार्य करने से नहीं, अपितु एक समन्वित और समठा दृष्टिकोण से ही हो सकता है। इसलिएहमारी श्रृंखला विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के विचारों और अनुभवों को साझा करेगी, और शोध-आधारित विचारों को आगे लायेगी, जिससे नवाचार और सुधार के लिए प्रेरणा मिल सके। अंत में, हम आशा करते हैं कि यह श्रृंखला न केवल जागरूकता बढ़ाएगी बल्कि समाज और सरकारों को उन नीतियों और कार्यक्रमों को अपनाने के लिए प्रेरित करेगी जो वास्तव में गरीबी को कम करने और हमारे देश को एक समृद्ध भविष्य की ओर ले जाने में सहायक होंगे।

-अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंगप्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

एक राष्ट्र, एक चुनाव: नीतिगत स्थिरता और जनकल्याण की राह

डॉ. सौम्या गुर्जर

लोकतंत्र की जननी भारत को सशक्त बनाने वाले लोकमत के उत्सव यानी चुनाव की प्रक्रिया ही यह प्रश्न उठाती है कि क्या 145 करोड़ की आबादी वाला देश लगातार चुनावी मोड में रहकर विकास की स्थिर गति बनाए रख सकता है? चुनाव, निस्संदेह लोकतंत्र की आत्मा हैं, लेकिन जब वे वर्ष-दर-वर्ष किसी न किसी राज्य में दोहराए जाते रहते हैं, तो नीतियों की निरंतरता, प्रशासन की कार्यशीलता और योजनाओं के क्रियान्वयन की गति बाधित होती है। यही वह चुनौती है, जिसके समाधान के रूप में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का विचार सामने आया है।

यह अवधारणा कोई नया विचार नहीं है - स्वतंत्रता के बाद भारत में 1951-52 से लेकर 1967 तक लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ आयोजित किए जाते रहे थे। लेकिन समय के साथ राजनीतिक अस्थिरता, राज्यों में राष्ट्रपति शासन लागू करने वाले अनुच्छेद 356 के दुरुपयोग, और लोकसभा के समय से पूर्व चुनाव कराने जैसे कारणों से यह क्रम टूट गया।

आज, जब भारत वैश्विक मंच पर अपनी भूमिका को पुनर्परिभाषित करते हुए 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की ओर अग्रसर है, तब यह आवश्यक है कि राजनीतिक कैलेंडर राष्ट्रीय विकास के लक्ष्य के आड़े न आए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस विचार को पुन: राष्ट्रीय विमर्श में लाने का साहसिक कार्य किया। पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित उच्चस्तरीय समिति इस विषय के संवैधानिक, व्यवहारिक और सामाजिक पहलुओं का समग्र अध्ययन कर रही है।

यह पहल न तो किसी एक दल की है, न ही किसी तात्कालिक राजनीतिक लाभ की - यह उस लोकतांत्रिक दृष्टिकोण का विस्तार है जो भारत को अधिक उत्तरदायी और परिणामोन्मुखी बनाना चाहता है। हालांकि कुछ दलों द्वारा इसे राजनीतिक दृष्टिकोण से देखा गया है, फिर भी इसका मूल उद्देश्य शासन व्यवस्था को अधिक सक्षम, स्थिर और जनकल्याणकारी बनाना है।

एक राष्ट्र एक चुनाव की नीति से मतदाता की भागीदारी में वृद्धि होगी, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया की मजबूती और उसकी वैधता को और अधिक सुदृढ़ बनाती है। नागरिकों को अपनी लोकतांत्रिक जिम्मेदारी निभाने का एक समान अवसर मिलेगा और भारतीय लोकतंत्र का उत्सव सभी वर्गों तक पहुंचेगा। प्रवासी मतदाताओं को भी बार-बार छुट्टी लेने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, क्योंकि मतदान का समय एक ही दिन होगा। यह भारतीय लोकतंत्र को और समावेशी और सहभागी बनाएगा।

लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए जाने से आदर्श आचार संहिता की वजह से जो विकास कार्य रुकते हैं, वे बाधित नहीं होंगे। इससे शासन व्यवस्था को लगातार कार्य करने का अवसर मिलेगा और नीति-निर्माण की प्रक्रिया में कोई रुकावट नहीं आएगी।

चुनावों के दौरान अक्सर धारा 144 लागू की जाती है, ट्रैफिक प्रतिबंध होते हैं, और कुछ क्षेत्रों में दुकानें बंद रखने के निर्देश दिए जाते हैं। इससे आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होती है, सामानों की आवाजाही धीमी हो जाती है और उत्पादकता घटती है। एक राष्ट्र एक चुनाव की नीति उत्पादन और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान को घटाने के साथ-साथ आर्थिक गतिविधियों को भी स्थिर करेगी।

चुनाव आचार संहिता के लागू होते ही नीतिगत निर्णयों, विकास योजनाओं और प्रशासनिक पहलों पर रोक लग जाती है, जिससे जनकल्याण से जुड़ी गतिविधियाँ प्रभावित होती हैं। इसके अतिरिक्त, राजनीतिक दलों और सरकारी अधिकारियों को चुनावी रणनीतियों और तैयारियों में बार-बार संलग्न होना पड़ता है, जिससे शासन पर केंद्रित ध्यान विखंडित हो जाता है। एक राष्ट्र, एक चुनाव की अवधारणा इस निरंतरता को तोड़ते हुए नीति-निर्माण को अधिक स्थिर और प्रभावी बना सकती है। जब देश भर में एक निर्धारित समय पर चुनाव आयोजित होंगे, तो सरकारों को शेष अवधि में नीतियों के क्रियान्वयन और विकास योजनाओं पर सुचारू रूप से कार्य करने का अवसर मिलेगा। इससे राजनीतिक कार्यकर्ताओं और सरकारी अमले का समय भी बचेगा, जो अक्सर चुनावी तैयारियों में व्यय होता है। साथ ही चुनावों के दौरान होने वाली सामाजिक असामंजस्यता और संघर्ष में भी कमी आएगी, क्योंकि चुनाव हर पांच साल में एक बार होंगे।

वित्तीय दृष्टिकोण से देखा जाए तो वर्ष 2019 के आम चुनाव पर लगभग 55,000 करोड़ रुपये का व्यय हुआ था, और राज्यों के चुनावों को जोड़ने पर यह आंकड़ा सालाना 60,000 से 70,000 करोड़ रुपये तक पहुँचता है, जो भारत की उॠ का लगभग 0.3इ है। समवर्ती चुनावों से विशेषज्ञों का अनुमान है कि प्रत्येक चक्र में लगभग 40,000 करोड़ रुपये की बचत हो सकती है। यह केवल आर्थिक लाभ नहीं, बल्कि भारत के विकास में अभूतपूर्व गति ला सकता है।

राजनीतिक स्थिरता और वैश्विक छवि की बात करें तो, जब भारत के सभी चुनाव एक साथ होंगे, तो ग्लोबल पार्टनर्स और निवेशक भारत को एक स्थिर और परिपक्व लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में देखेंगे, जिससे अंतरराष्ट्रीय सहयोग और निवेश की संभावनाएं बढ़ेंगी।

इन सभी बदलावों के लिए संवैधानिक संशोधन, राजनीतिक सहमति और जनचर्चा की आवश्यकता होगी, लेकिन यदि इसे दलगत राजनीति से ऊपर उठकर देखा जाए, तो यह भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को अधिक मजबूत और कार्यक्षम बना सकता है।

एक राष्ट्र, एक चुनाव की अवधारणा भारतीय जनता पार्टी के दीर्घकालिक दृष्टिकोण का हिस्सा रही है, जो समय-समय पर उनके घोषणापत्रों में भी परिलक्षित होती रही है। यह केवल वर्तमान की आवश्यकता नहीं, बल्कि स्वतंत्रता के बाद से चली आ रही एक विचार प्रक्रिया का परिणाम है, जिसका उद्देश्य देश की लोकतांत्रिक और विकासात्मक प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करना है। पार्टी ने अपने 1984, 2019 और 2024 के घोषणापत्रों में इस विचार को प्रमुखता से शामिल किया है।

आज भारत एक ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है, जहाँ उसे यह निर्णय लेना है कि क्या वह केवल लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का विस्तार चाहता है - या फिर उनमें दक्षता, स्थायित्व और समृद्धि भी लाना चाहता है। एक राष्ट्र, एक चुनाव कोई तात्कालिक प्रयोग नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक संगठित, उत्तरदायी और तेज़तर विकास देने वाला यथार्थ समाधान हो सकता है।

यह विचार समय की पुकार है - और जब राष्ट्र सामूहिक विवेक से जागता है, तो केवल चुनाव नहीं, इतिहास बदला जाता है।

-डॉ. सौम्या गुर्जर,
महापौर, नगर निगम ग्रेटर जयपुर

अंधड़ से प्रभावित व्यवस्थाओं की समीक्षा

झुंझुनूं, । गुरूवार-शुक्रवार के बीच मध्यरात्रि को आए अंधड़ से झुंझुनूं जिले में काफी नुकसान हुआ है। जिसे लेकर झुंझुनूं कलेक्टर रामावतार मीणा लगातार सक्रिय नजर आए। शुक्रवार सुबह ही जिला कलेक्टर रामावतार मीणा ने बिजली, पानी और राजस्व विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को नुकसान का आंकलन और प्रभावित लोगों की समस्या समाधान के निर्देश दे दिए थे। शनिवार को इसी अंधड़ से हुए नुकसान को लेकर उन्होंने बिजली और पानी महकमों के अधिकारियों की बैठक बुलाई। शनिवार की छुट्टी होने के कारण जिला कलेक्टर रामावतार मीणा ने अपने सरकारी आवास पर ही अधिकारियों को बुलाया और सभी से एक-एक बिंदू पर जानकारी हासिल की। कलेक्टर ने कहा कि अंधड़ से अभी तक कोई जनहानि नहीं हुई है।

'मुफ्त खाद्यान्न उठाने वालों से होगी बाजार दर से वसूली'

अजमेर (कासं)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा गिव अप अभियान प्रारम्भ किया गया था। आशातीत सफलता को देखते हुए इस अभियान की अवधि को अब विभाग द्वारा 31 मई तक बढ़ा दी हैं।

इन लोगों को एक अंतिम अवसर और प्रदान किया गया था। खाद्य सुरक्षा योजना की पात्रता खो चुके 1837 परिवारों के 6967 सदस्यों ने सरकार की प्रस्तावित कार्यवाही के डर से स्वेच्छा से अपने नाम हटवा लिए है।

इसके बाद कोई परिवार पात्रता नहीं रखने के बावजूद खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ लेता है तो उस पर विभाग कार्यवाही के साथ ही 27 रूपये प्रति किलो गेंहू अथवा बाजार दर के हिसाब से वसूली की जाएगी।

- **आशातीत सफलता को देखते हुए अभियान की अवधि को अब विभाग ने 31 मई तक बढ़ा दी हैं।**

जिला रसद अधिकारी (प्रथम) रतन कौर ने बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में अवैध रूप से लाभ लेने वाले लाभार्थियों के लिए गिव अप अभियान चलाया जा रहा है।

इसके तहत ऐसे व्यक्ति जिनके पास चार पहिया वाहन है, आयकर दाता है, ग्रामीण क्षेत्रों में 1500 स्क्वायर फीट से ज्यादा जमीन पर मकान बना हो और आर्थिक रूप से सक्षम है। इसके बाद भी खाद्य सुरक्षा योजना में अवैध रूप से लाभ उठा रहे है, तो उनके नाम काटे जा रहे है।

वे उपभोक्ता एवं परिवार स्वयं अभियान के तहत योजना से नाम कटवा सकते हैं। अवैध रूप से योजना का लाभ ले रहे लोगों को पर्याप्त समय दिया गया था। विभाग के पास सभी अपात्र परिवारों की सूची तैयार है। वे स्वयं अंतिम तिथि से पूर्व नाम नहीं हटवाते हैं, तो एक जून से विभागीय कार्यवाही शुरू की जाएगी। इसमें 27 रूपये प्रति किलो के हिसाब से वसूली की जाएगी। इस संबंध में सतर्कता समिति की बैठक के दौरान समस्त सतर्कता समिति के सदस्यों को निर्देशित किया गया कि ऐसे अपात्र व्यक्तियों का चिन्हिकरण करे, जो सक्षम होते हुए भी खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ उठा रहे हैं। पात्र व्यक्तियों के नाम खाद्य सुरक्षा में जोड़ने हेतु नाम उपलब्ध कराए।

उनको खाद्य सुरक्षा में सम्मिलित किए जाने की कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके। मीटिंग के दौरान समस्त प्रर्वतन अधिकारी तथा निरीक्षकों को निर्देश प्रदान किये गये कि वे अपने अपने क्षेत्र में ऐसे व्यक्तियों को चिन्हित कर नोटिस जारी करें। अब तक गिव-अप अभियान के तहत 220 अपात्र व्यक्तियों को नोटिस जारी किये जा चुके है। आज ही बड़गांव के 20 व्यक्तियों को नोटिस जारी हुए हैं। इनमें से 16 को एक लाख रुपए से अधिक आय होने, 3 को चार पहिया वाहन होने तथा एक को आयकर दाता होने के कारण नोटिस दिए गए हैं।

भारतीय संस्कृति व सनातन के ज्ञान से होगा मनुष्य में सद्भावना का निर्माण : खर्रा

- **वर्तमान दौर की आवश्यकता है गुरुकुल की शिक्षा : तिवाड़ी**
- **राम गुरुकुलम का भव्य शिलान्यास समारोह श्यामपुरा (पालवास) में सम्पन**

सीकर । निकटवर्ती गांव श्यामपुरा (पालवास) के मुलकानी तलाई में शनिवार को श्रीरामगुरूकुलम का शिलान्यास देशभर आये संतों के सानिध्य में हुवा। शिलान्यास समारोह में मुख्य अतिथि नगरीय विकास मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने संबोधित करते हुये कहा कि भारतीय संस्कृति व नैतिक मूल्यों की समाज में स्थापना के लिये गुरूकुल शिक्षा की महती आवश्यकता है। बच्चा बचपन से ही अपने गौरवशाली इतिहास को पढ़कर गौरवान्वित महसुस करेगा तो देश व दूनिया में भारत का नाम रोशन करेगा। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने भी नई शिक्षा नीति में भारत के गौरवमयी इतिहास को शामिल किया है। जिससे हमें हमारे इतिहास के बारे में पता चल सकें। समारोह की अध्यक्षता करते हुये राज्यसभा सदस्य घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि वेदों की महत्वता व पुरातन गुरूकुल शिक्षा के बल पर ही भारत विश्वगुरू रहा है। भारतीय वेद, दर्शन व अंकशास्त्र की पूरे विश्व में पहचान रही है। श्रीराम गुरूकुलम न्यास के अध्यक्ष व पालवास के करणी गोपाल गौधाम के महंत चन्द्रमादास महाराज ने बताया कि शिलान्यास समारोह सुबह 9,15 बजे वैदिक मंत्रोंच्चार व गणेश वंदना से शुरू हुवा जो दोहपर 2 बजे तक चला। इस समारोह में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता व हनुमानगढ़ी अयोध्याधाम के महंत गौरीशंकर दास महाराज, श्री कृष्णायन गौशाला हरिद्वार के महामंडलेश्वर ईस्वर दास महाराज, श्रीधाम वृंदावन के सनतकुमार शरण महाराज, अखिल भारतीय सांगलिया धूणी सांगलिया पीठ के संत ओमदास महाराज व बावलिया बाबा आश्रम कुचामन सिटी के प्रकाश नारायण महाराज, ग्वाल सन्त गौऋषि गोपालानन्द सरस्वती महाराज, गाडोदा के संत महावीर जति, काछवा के मोतीनाथ,चूरू खासोली के नवरत्न गिरी महाराज, के उदबोधन हुये अन्य प्रदेश के कई संतो का सानिध्य मिला। कार्यक्रम में धोद विधायक गोवर्धन वर्मा, भाजपा नेता हरीराम रणवा, पूर्व विधायक रतन जलधारी, पूर्व सासंद सुमेधानन्द सरस्वती, भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज बाटड एवं आरएसएस के प्रांत प्रचारक बाबूलाल, सहप्रान्त प्रचारक , विशाल कुमार, जिला संघचालक चितरंजन सिंह, सह प्रात कार्यवाह कृष्ण अडाणीया, वरिष्ठ प्रचारक सत्यनारायण सहित सैकड़ों राजनेता व गणमान्यजन उपस्थित रहे। समारोह में मुख्य भामाशाह ने किया नींव पूजन : श्रीराम गुरूकुलम के सचिव राजेन्द्र सिंह मूंडरू ने बताया कि शिलान्यास समारोह में जमीन दान करने वाले भामाशाह अजीत सिंह नाथावत ने संतो के सानिध्य में भूमि पूजन किया। समारोह में रामेश्वर जांगिड नागवा, चतुर्भुज कुमावत , विनोद अग्रवाल, दिनेस बियाणी, मुकेश खडेलिया . गोपाल डोलिया , भोजराज,मनमोहन शर्मा, वेदप्रकाश शर्मा ,गोपाल बड़ाडर, सुशीला सर्राफ, देवीलाल कुमावत ,रघुवीर सिंह नागवा, पुरुषोत्तम पाण्डेय ,महेंद्र लोहिया ,राजवीर सिंह शेखावत , मनोज कुमार शर्मा. भाजपा नेता हनुमान सिंह पालवास, मनमोहन मिश्रा, अमित चिराणियां, विष्णुभूत, सुरेश डीडवानिया,नरेश सिंधी,राजेश दोदराजका, श्रवण सिंह तासर छोटी, सुरेश गिनौडीया आदि भामाशाहो का सम्मान किया गया। पूर्व शिक्षा मंत्री एवं राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाडी ने कहा कि सभी वक्ताओं ने गुरुकुल शिक्षा को आज के दौर में जरूरी बताया कहा की आज की युवा पीढ़ी संस्कृति व संस्कारों से दूर होती जा रही है।

राशिफल रविवार 4 मई, 2025

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, सप्तमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, पुष्य नक्षत्र दिन 12:53 तक, गंड योग रात्रि 12:41 तक, वणिज करण प्रात: 7:19 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-कर्क मंगल-कर्क, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

राजयोग सूर्योदय से प्रात: 7:19 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग और रविपुष्य योग सूर्योदय से दिन 12:53 तक है। आज भद्रा प्रात: 7:19 से सायं 7:27 तक रहेगी। आज भानु सप्तमी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:29 से 9:07 तक, लाभ अमृत 9:07 से 12:24 तक, शुभ 2:02 से 3:42 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:50, सूर्यास्त 6:57

मेष

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। आज अनावश्यक धन खर्च हो सकता है।

वृष

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज नये-पुराने मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

मिथुन

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

कर्क

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

सिंह

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

कन्या

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

वृश्चिक

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे, अटका धन प्राप्त होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आज स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मकर

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। किसी भी कारण से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

मण्डेलिया ने किया हज यात्रियों का स्वागत

- काजी अब्बास अली तथा उमराह हज कर वापस वतन लौटने वाले सिराज खां जोईया का साफा पहनाकर व मिठाई खिलाकर स्वागत किया

चूरू। शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस चूरू में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रफिक मंडेलिया के मुख्य आतिथ्य में चूरू शहर से हज यात्रा पर जाने वाले निसार खां पूर्व जिलाशिक्षा अधिकारी, आरिफ खां दौलतखानी, काजी अब्बास अली तथा उमराह हज कर वापस वतन लौटने वाले सिराज खां जोईया, इमरान खां सरकेल का रफ़ीक मंडेलिया ने शॉल, साफा पहनाकर व मिठाई खिलाकर स्वागत किया। तथा सभी हाजियों से आान किया कि हज के समय देष में अमन चैन खुशहाली व भाईचारा तथा देश की उन्नती व तरक्की की दुआएं करेंगे।

इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रफिक मंडेलिया ने कहा कि सभी हाजी उस पवित्र स्थान पर जाकर मानवता के कल्याण की प्रेरणा लेंगे तथा मानवता के कल्याण के लिए अपना जीवन समर्पित करेंगे और अपने भारत वर्ष की उन्नती व खुशहाली के लिए दुआएं करेंगे। इस अवसर पर पंचायत समिति प्रतिपक्ष नेता धर्मेन्द्र बुडानिया, चूरू शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, देहता ब्लॉक अध्यक्ष किशोर धांन्दू, गोविन्द महनसरिया, आदूराम न्यौल, मोहम्मद हुसैन निर्वाण, कमला पुनियां, रमजान खान, ओबीसी प्रकोष्ट के जिला अध्यक्ष नारायण बालाण, रामेष्वर प्रजापत, रामप्रताप कांटिवाल, लालचंद सैनी, शिवकुमार शर्मा, विद्याधर मेघवाल, विमल शर्मा, असलम खां मोयल, समीउल्लाह गौरी, सोहनलाल मेघवाल, निसार खान, विनोद खटीक, आरिफ रिसालदार, बजरंग बजाड़, प्यारेलाल दानोदिया, सद्दाम हुसैन, अजीज दिलावरखानी, चंदन मेघवाल, अनीस खां, तोफिक खान, बाबू खान, रामेष्वर नायक, जाफर खान, गोपाल शर्मा, अब्बास खां, तारीख नागौरी, अजू लुहार, मुस्लिम लुहार, आसिफ निर्माण, सहित अनेक कांठोस कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहें। कार्यक्रम का संचालन जिला कांठोस उपाध्यक्ष जमील चौहान ने किया।

लकड़ी तस्करों के खिलाफ कार्रवाई जारी

झुंझुनूं, । जिले में अवैध रूप से हरी लकड़ियों की तस्करी करने वाले तस्करों के खिलाफ वन विभाग सख्त नजर आ रहा है। वन विभाग के डीएफओ उदाराम सियोल और एसीएफ हरेंद्र भाकर के निर्देशन में टीम लगातार कार्रवाई कर हरी लकड़ियों को जब्त कर रही है। रविवार देर शाम को जिले के बाकरा गांव में वन विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित खेजड़ी की लकड़ियों से भरी एक पिकअप गाड़ी को जब्त किया। वन सुरक्षा रेंजर संदीप लोयल के नेतृत्व में कि कार्रवाई में यह लकड़ियां अवैध रूप से हरियाणा ले जाई जा रही थीं। कार्रवाई के दौरान विभाग की टीम ने एक महरमपुर निवासी सूरजभान को मौके से हिरासत में लिया है। रेंजर संदीप लोयल ने बताया कि वन विभाग को मुखबिर से सूचना मिली थी कि बाकरा गांव के रास्ते से खेजड़ी की लकड़ियां तस्करी कर दूसरे राज्य में भेजी जा रही हैं। सूचना के आधार पर टीम ने बाकरा गांव के रास्ते में नाकाबंदी कर संदिग्ध पिकअप गाड़ी को रुकवाकर तलाशी ली। तलाशी के दौरान वाहन में प्रतिबंधित खेजड़ी की लकड़ियां भरी हुई थी। जिस पर वाहन जब्त कर चालक सूरजभान को हिरासत में लिया गया। वन विभाग ने आरोपी के खिलाफ वन अधिनियम 1953 की धारा 41, 42 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कार्रवाई टीम में वनपाल सत्यवीर, जयवीर, सहायक वनपाल पिंकू कुमार, वनरक्षक भरत कुमार एवं सुनिल कुमार इत्यादि शामिल थे।

सार-समाचार

ज्ञापन सौंपा

झुंझुनूं, । एनटीटी भर्ती 2018 पूरी करवाने की मांग को एनटीटी संघर्ष समिति के जिलाध्यक्ष अनिल झाझड़िया के नेतृत्व में जिला कलेक्टर रामावतार मीणा को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में बताया कि राजस्थान सरकार द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग में एनटीटी भर्ती 2018 में 1350 पदों पर निकाली गई थी। उसमें 1040 नॉन टीएसपी 310 टीएसपी पदों पर भर्ती निकाली गई थी। जो अभी शिक्षा विभाग में भर्ती प्रक्रियाधीन है। जो सात साल से लंबित है इस भर्ती अब तक 958 अभ्यर्थियों को नियुक्ति दी जा चुकी हैं। शेष पदों को जल्द भरने की मांग की गई व न्यायालय में पीपीटीसी, रामा कॉलेज व अन्य मामले लंबित हैं। उनकी जल्द सुनवाई करवाके उनके निस्तारण की मांग की गई। जिससे भर्ती जल्द पूरी हो सके। इस दौरान विष्णु शर्मा, अशोककुमार, राजकुमारी महला अन्य अभ्यर्थी मौजूद रहे।

डेढ लाख लौटाकर दिया ईमानदारी का परिचय

झुंझुनूं, । राजस्थान रोडवेज के झुंझुनूं डिपो के परिचालक तरूण बागोरिया व ऊर्फ तनू ने ईमानदार का परिचय देते हुए एक यात्री के डेढ लाख रूपए वापिस लौटाकर ईमानदारी का परिचय दिया है। दरअसल ये पैसे यात्री बस में भूल गया था। ईमानदारी का परिचय देते हुए तरूण ने यात्री को ढूंढकर उनको कार्यालय में मुख्य प्रबंधक गणेश शर्मा, प्रबंधक यातायात महेश, सहायक यातायात निरीक्षक भावी व प्रभारी विजेंद्र चौधरी की उपस्थिति में लौटाए।

रस्साकसी व खो-खो प्रतियोगिता हुई

झुंझुनूं, । वर्षा टीटी कॉलेज में चल रहे खेलकूद प्रतियोगिता के दौरान शनिवार को रस्साकसी व खो-खो प्रतियोगिता हुई। रस्साकसी प्रतियोगिता में बीएड द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षु विजेता रहे। तो वहीं खो-खो प्रतियोगिता में प्रथम वर्ष के प्रशिक्षुओं की टीम विजयी रही। इस दौरान महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार शर्मा व प्रवक्ता सुमन झाझड़िया समेत अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

कल्याण अस्पताल का निरीक्षण किया

सीकर ।अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (शहर) सीकर भावना शर्मा द्वारा शनिवार को श्री कल्याण राजकीय चिकित्सालय सीकर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण केदौरान हीटवेव के प्रबंधन के संबंध में दवाईयों और आवश्यक सेवाओ की उपलब्धता की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान हीटवेव स्ट्रोक के संबंध में सभी व्यवस्थाएं सही पाई गई गई। उन्होंने हीटवेव को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

सम्मान समारोह आयोजित

लक्ष्मणगढ़ शेखावाटी । स्व.श्रीमती विमला देवी खींची की तृतीय पुण्यतिथि पर समाज की 41 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।
यह जानकारी देते हुए सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक शंकर लाल खींची ने बताया कि इस अवसर पर 10वीं, 12वीं, स्नातक एवं सरकारी सेवा में चयनित खटीक समाज की प्रतिभाओं का माल्यार्पण ,प्रतिक चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता मख्खन लाल खींची ने की जबकि नागरमल चोहला, शंकरलाल चोहला मंचस्थ अतिथि थे। कार्यक्रम का संचालन द्वारका प्रसाद खींची ने किया।

महंत ओमदास महाराज से लिया आशीर्वाद

लक्ष्मणगढ़ शेखावाटी । भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयनित नवलगढ़ निवासी टीना कल्याण ने शनिवार को सांगलिया धूणी पहुंचकर समाधि पर धोक लगाकर मंगल कामना की तथा पीठाधीश्वर ओमदास महाराज का आशीर्वाद लिया । इस अवसर पर बाबा खींवादास पीजी कॉलेज के समस्त स्टाफ ने गुरु महाराज व बाबा साहेब की प्रतिमा भेंट कर स्वागत किया।

परिसिमीन को लेकर आमरण अनशन तीसरे दिन भी जारी

तारानगर (निसं)। ठााम पंचायत व पंचायत समिति परिसीमन विरोध में तारानगर क्षेत्र के गाँव गाजुवास गड़ाना में ठाामीणों का शनिवार को आमरण अनशन तीसरे दिन भी जारी रहा। अनशनकारी उमरावसिंह ने कहा कि सरकार ने तारानगर की जनता के साथ घोर अन्याय किया है तथा नई पंचायत समिति भालेरी को, सरकार की इस हटधर्मिता को तारानगर की जनता कभी बर्दाश्त नहीं करेगी केवल भाजपा एक नेता अपने पुत्र मोह के कारण पुत्र को राजनीति में स्थापित करने के लिए तारानगर की जनता को बांटने का काम कर रहे हैं। इस अवसर पर पूर्व सरपंच सुरेंद्र सहारण ने कहा की आने वाली 4 मई रविवार को तारानगर विधायक नरेन्द्र बुडानिया व चूरू सासंद राहुल कस्वां आंदोलन के समर्थन में पहुंचकर आंदोलन को और मजबूत करेंगे। इस अवसर पर रामनिवास तिवाड़ी, सुरेंद्रसिंह राठौड़, रूपाराम सहारण, भानीराम सहारण, मदनलाल पांडिया, मुकेश पांडिया, रामजस सहारण, प्रताप नाई, मगनगिर गोस्वामी, रामावतार पांडिया, सोहनलाल प्रजापत, मुखराम सहारण, इमलाल, रामकरण, हेमगर गोस्वामी, मुरलीधर पांडिया, च्यानन, जीवनराम सोनी, रामस्वरूप, गोरुराम, हरजी, नेमजी गडाना , नरेश खारड़िया, बलवान सहित गाँव के काफी लोग मौजूद रहे।

पक्षियों के लिए लगाए परिंडे

झुंझुनूं, । महावीर इंटरनेशनल सनराइज द्वारा वीरा प्रमिला शर्मा एवं वीर रंजन शर्मा के सौजन्य से नंदी गौशाला परिसर झुंझुनूं में भीषण गर्मी को देखते हुए पानी के 25 परिंडे लगाए एवं गौमाताओं को हरी सब्जियां खिलाई गई।

अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्यामसुंदर जालान ने बताया कि परिंडे लगाने के साथ साथ पानी डालने की भी समुचित व्यवस्था की जाती है।

ताकि बेजुबान पक्षी पानी नियमित पी सके। कार्यक्रम में संस्था संरक्षक डॉ. एसएन शुक्ला, डॉ. नरेंद्रसिंह नरूका, जयप्रकाश शर्मा, देवेंद्र कुमार गौड़, प्रदीप कुमार शुक्ला, लाला टेलर एवं काफी संख्या में गणमान्य जन उपस्थित रहे।

जन्मदिन पर गायों को खिलाया गुड़ और चारा

झुंझुनूं, । महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय संस्थान ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का 74वां जन्मदिन श्री गोपाल गौशाला में मनाया। जहां संस्थान के पूर्व जिलाध्यक्ष छगनलाल धूपिया के सानिध्य में अशोक गहलोत के समर्थकों ने अपने हाथों से गायों को गुड़ व हरि सब्जियां खिलाई।

प्रदेश कांठोस सचिव ताराचंद सैनी ने गायों की सेवा करते हुए कहा कि अशोक गहलोत द्वारा चलाई गई योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के व्यक्ति तक पंहुचा है। प्रत्येक व्यक्ति को मिले स्वास्थ्य लाभ योजना को राजस्थान में लागू करके दुनिया में नया अध्याय जोड़ा।

कांठोस के कार्यकारी जिलाध्यक्ष खलील बुडाना ने बताया कि राज्य के विकास में अहम भूमिका कांठोस सरकार की रही हैं। झुंझुनूं जिले को कुम्भाराम लिफ्ट कैनाल जैसी योजना में शामिल करके पीने के पानी से निजात दिलवाई।

पेंशनर समाज के जिला महामंत्री चंद्रप्रकाश धूपिया ने बताया कि अशोक गहलोत शासक नहीं जननायक हैं। गौशाला में ख्वाजा आरिफ, सुभाष सिंगोदिया, द्वारकाप्रसाद सैनी, मदनलाल सैनी, राधेश्याम धूपिया, विनोद धूपिया, कर सलाहकार किशन सैनी, बृजलाल सैनी, मास्टर सुरेश सैनी, लक्षण धूपिया, दीनदयाल सैनी, रामलाल सैनी, देवीसिंह धूपिया, जागिराम सैनी, संजय सैनी सहित काफी लोग उपस्थित रहे।

26 पर्यटकों को एलआईसी दी श्रद्धांजलि

झुंझुनूं, । एलआईसी टीम अप्रतिम द्वारा विकास अधिकारी दीक्षांत झाझड़िया के प्रेरणा से जीवन रक्षा ब्लड सेंटर पर स्वैच्छिक रक्तदान का आयोजन कर पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए पर्यटकों को श्रद्धांजलि दी गई।

उन्होंने बताया कि रक्तदान करके आप मरीजों के ईलाज में सहयोग कर सकते है। क्योंकि इससे बड़ा पुण्य का कोई कार्य नहीं है। इस स्वैच्छिक रक्तदान में विकास अधिकारी दीक्षांत झाझड़िया, संदीप कौशिक, शाखा प्रबंधक ललित मीणा, राजेश पूनियां, मोहित कुमार, कृष्ण मुरारी, लोकेंद्र पिलानिया, करीना चौधरी, अनिल नेहरा, सोनू कुमारी एवं समस्त एलआईसी टीम अप्रतिम ने भाग लिया।

डॉ. कविता नूनियां की हिंदी साहित्य पुस्तक का विमोचन

- जेबी शाह कॉलेज की पूर्व छात्रा और वर्तमान में नोयडा में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यरत है

झुंझुनूं, । जेबी शाह कॉलेज की पूर्व छात्रा और वर्तमान में नोयडा में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यरत डॉ. कविता नूनियां की हिंदी साहित्य की प्रतियोगी पुस्तक का विमोचन झुंझुनूं की जेबी शाह गर्ल्स पीजी कॉलेज के सभागार में किया गया। महिला अधिकारिता विभाग के उप निदेशक विपल्व न्यौला, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक डॉ. पवन पूनियां, विज्डम सिटी के प्राचार्य रवि शर्मा, घनश्याम पारीक, एसकेडी विश्वविद्यालय के चांसलर दिनेश जुनेजा और पूनम शर्मा की उपस्थित रहे। डॉ. शशि मोरोलिया ने लेखिका के व्यक्तित्व और कृतत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय के विशेषाधिकारी एवं पूर्व निदेशक प्रो. डॉ. वेदप्रकाश शर्मा ने की। उन्होंने अपने उद्बोधन में बताया कि यह पुस्तक गांव, ढाणी और कस्बों में रहने वाले हिंदी के विद्यार्थियों के सपनों को उपलब्धि शिखर तक पहुंचाने और उनके शैक्षिक मार्ग को सरल और प्रभावी बनाएगी। डॉ. कविता नूनियां की इस पुस्तक की महत्ता सभी विद्वतजनों अपने विचार व्यक्त किए और बताया कि यह पुस्तक नेट, जेआरएफ व सहायक प्रोफेसर की परीक्षा के लिए एक व्यापक और प्रभावी मार्गदर्शन प्रदान करेगी।

इस अवसर पर प्राचार्या डॉ. योगिता शर्मा ने सभी का स्वागत किया और महाविद्यालय के सचिव राजकुमार मोरवाल ने सभी को स्मृति चिह्न भेंट किए। डॉ. सुलेखा शर्मा ने मंच संचालन करते हुए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर समस्त स्टाफ एवं छात्राएं मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को करवाया भोजन

झुंझुनूं, । जिले के पिलानी ब्लॉक के झेरली स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को श्रीकृष्ण भोग के तहत स्कूल के सभी 125 विद्यार्थियों को विशेष भोजन करवाया गया। संस्था प्रधान सुशीला शर्मा ने बताया कि गांव के ही सामाजिक कार्यकर्ता राहुल गुप्ता ने अपनी मां स्व. कमलेश पत्नी अशोक गुप्ता की चौथी पुण्यतिथि पर स्कूल में पढने वाले सभी विद्यार्थियों को श्रीकृष्ण भोग के तहत भोजन करवाया। इसमें विशेष तौर पर खीर, जलेबी, सब्जी और रोटी थी। जिसे बच्चों ने चाव से खाया। इस मौके पर संस्था प्रधान सुशीला शर्मा ने बताया कि ठाामीणों को स्कूल से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। इसी के तहत राहुल गुप्ता जैसे अब तक कई लोगों ने स्कूल के बच्चों के साथ अपने सुख-दुख के पलों को बांटा है। स्कूल की तरफ से संस्था प्रधान ने राहुल गुप्ता का आभार जताया। इस मौके पर संजीव कुमार, प्रदीप सैनी, कविता, करणीसिंह व रवि शर्मा आदि मौजूद थे।

दादाबाड़ी के जीर्णोद्धार का मुर्हूत आज

अजमेर, (कासं)। 870 वर्ष पुरानी खरतरगच्छाचार्य श्री जिनदत्तसूरि दादाबाड़ी के जीर्णोद्धार का संकल्प-जीर्णोद्धार मुर्हूत 04 मई को दादाबाड़ी में प्रारम्भ होगा। श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ के प्रवक्ता रिखब सुराना ने बताया कि जीर्णोद्धार का संकल्प मुहूर्त खरतरगच्छ आचार्य संयम शारर्थी श्री जिनपीयूष सागर सूरिश्वर महाराज ठाणा-14 और शासन ज्योति संगठन प्रेरिका शतावधानी मनोहर श्रीजी महाराज ठाणा-6 के साथ ही प्रज्ञानिधि प्रियंकरा श्रीजी व अभ्युदया श्रीजी महारासा के सानिध्य में रविवार 04 मई को प्रातः 09.16 बजे दादाबाड़ी में ही आयोजित होगा जिसमें सम्पूर्ण भारत से दादा के अनुयायी भाग लेंगे। संघ मंत्री अनिल कुमार गोलेच्छा ने बताया कि महामंगलमय अनुष्ठान का प्रारम्भ 04 मई को प्रातः 08 बजे श्री शक्रस्तव अभिषेक सह पाटला पूजन, क्षेत्रपाल पूजन से प्रारम्भ होगा।

गुढ़ागौड़जी में पेयजल की समस्या को लेकर महिलाओं ने जताया आक्रोश

- महिलाएं सड़कों पर उतरीं और सुबह सुबह पंप हाउस पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया
- टैंकर मंगवा कर पुरे गांव में पानी की कमी को पुरा किया जा रहा हैं

गुढ़ागौड़जी, । कस्बे में पेयजल संकट के खिलाफ ऋषिपूरा मोहल्ले की महिलाएं सड़कों पर उतरीं और सुबह सुबह पंप हाउस पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया। महिलाओं ने बताया कि पिछले दो महीने से पानी की एक बूंद तक उनके घर तक नहीं पहुंची है ।

और लगातार बाहर से टैंकर मंगवा कर पानी की पूर्ति की जा रही है। किशन गोरसिया ने बताया कि जल की पूर्ति पूरे गांव में भी हो रही हैं। कई बार शिकायत करने पर कोई सुनवाई नहीं हो रही। जलदाय विभाग इतना सुस्त है।

कि शिकायत लेकर जाते हैं तो मौके पर कोई अधिकारी नहीं मिलता और शिकायत दर्ज नहीं होती। महिलाओं ने सुबह-सुबह पंप हाउस पहुंचकर पानी को खोलने से रोका।

उसी वक्त वहां तैनात कर्मचारियों ने जलदाय विभाग के उच्च अधिकारियों से फोन पर बात की और यह आश्वासन दिया कि एक-दो दिन में इस समस्या से निपटारा कर लिया जाएगा।

नौतपा की तपन में श्रद्धालुओं को मिला छाछ का शीतल प्रसाद

नसीराबाद (निसं)। नौतपा की तीव्र गर्मी को देखते हुए शुक्रवार को श्री वीर तेजाजी महाराज एवं बासक बाबा धाम (ग्राम देराठू, नसीराबाद) की ओर से श्रद्धालुओं के लिए निशुल्क गौ-छाछ वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह सेवा कार्यक्रम 5 बत्ती चौराहा, नसीराबाद पर आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 11:15 बजे किया गया, जो लगातार शाम 5:00 बजे तक चला। इस दौरान श्रद्धालुओं, राहगीरों एवं स्थानीय नागरिकों को लगभग 2500 लीटर छाछ का वितरण किया गया। इस पुण्य कार्य का उद्देश्य तपती धूप में लोगों को शीतलता प्रदान करना और धर्म सेवा को आगे बढ़ाना रहा। कार्यक्रम में स्थानीय युवा, श्रद्धालु एवं भक्तगण पूरे उत्साह के साथ उपस्थित रहे और छाछ वितरण में सहयोग प्रदान किया।

बांग्लादेशियों को भेजा जाएगा वापिस बांग्लादेश

- धरपकड के लिए टीमें लगाई
- हमले के बाद देश में अवैध रूप से रह बंगलादेशियों को पकड़ा जायेगा

झुंझुनूं, । पहलगाम आतंकी हमले के बाद देश में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों को उनके देश वापिस भेजने के लिए झुंझुनूं पुलिस सक्रिय हो गई है। जी, हां झुंझुनूं एसपी शरद चौधरी ने सभी वृत्ताधिकारियों और थानाधिकारियों को निर्देश दिए है कि वे रोजाना बांग्लादेशियों की धरपकड के लिए अभियान चलाएंगे। इसके लिए टीमों का गठन किया गया है।

जो संभावित जगहों, जैसे कच्ची बस्ती, झुग्गी बस्ती आदि में जाकर सर्च करेंगे। इन बस्तियों में रहने वाले एक-एक व्यक्ति के दस्तावेजों की जांच होगी। कोई अवैध रूप से बांग्लादेशी मिलेगा तो उसे नियमानुसार वापिस उसके देश भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि ज्वैलरी कारीगारी भी बड़ी संख्या में बांग्लादेश से आते है। इनके लिए भी जांच की जाएगी। वेस्ट बंगाल के कारीगरों के अलावा कोई बांग्लादेशी कारीगर होगा तो उसे वापिस उसके देश भेजा जाएगा। इस अभियान की रोजाना समीक्षा की जाएगी। एसपी ने बताया कि पहलगाम मामले के बाद केंद्र और राज्य सरकार के निर्देशों के बाद जिले में यह अभियान शुरू किया गया है। उन्होंने आमजन से भी अपील की है कि उनके आस-पास कोई संदिग्ध या फिर बांग्लादेशी हो तो उसकी सूचना पुलिस को बेझिझक दें। वे अपने निकटवर्ती थाने या फिर पुलिस कंट्रोल रूम झुंझुनूं में यह सूचना दे सकते है।

खोया-पाया

मेरा भूखण्ड मूल पट्टाधारक मोहनलाल पुत्र मानमल मुसरफ निवासी राजगढ से जरीए बैनामा रामबिलास, बनारसीलाल पुत्र गजानंद ब्राह्मण निवासी राजगढ़ के वारिसान से जरिये बैनामा मंगलचंद पुत्र शंकरलाल अग्रवाल निवासी राजगढ़ से जरिये बैनामा मुझ प्रार्थी की खरीदशुदा है, जो वार्ड नं. 10 रानीसती मंदिर के पासे तादादी 29.58 वर्गमीटर है। जिसका मूल पट्टाधारक से खरीद के बैनामा की फोटोकॉपी गुम हो गयी है। शपथग्रहिता-राजसिंह पुत्र सुखदेवाराम जाति जाट निवासी लाखलाण बड़ी तह. राजगढ़, चूरू (राज.)

मेरा भूखण्ड मूल खातेदार भंवरलाल, बाबूलाल श्रीराम पुत्र बाघाराम खटीक निवासी राजगढ से जरीए बैनामा सुखदेवाराम पुत्र अमरूराम मेघवाल से जरिये इकारनामा दिनांक 16/01/2017 को तादादी 500 दरगज मुझ प्रार्थीन की खरीदशुदा है, जो ख.नं. 525 रोही कस्बा राजगढ में है। जिसका मूल खातेदार से खरीद का बैनामा की फोटोकॉपी गुम हो गयी है।
शपथग्रहिता- किरण देवी पत्नी ओमप्रकाश जाति नाई निवासी वार्ड नं. 26, राजगढ़ तह. राजगढ़ चूरू (राज.)

विवाधकों के स्थिरीकरण के लिये समन
(आदेश 5 के नियम और 5)

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी महोदय स्थान मलसीसर।
वादी श्रवण कुमार विरुद्ध कुम्भाराम वगैरह
दावा बाबत विभाजन एंव स्थाई निषेधाज्ञा
सिविल वाद संख्या 28 सन् 2023
प्रेषित :- 1. जितेश कुमार पुत्र इन्द्राज, 2. परमेश्वर पुत्र दुर्गाराम, 3. भवंरलाल पुत्र महावीर प्रसाद 4. संजय पुत्र महावीर प्रसाद समस्त जाति खाती निवासी कालियासर तहसील मलसीसर जिला झुझुनूं
वादी श्रवण कुमार ने आपके विरुद्ध दावा बाबत खाता विभाजन एंव स्थाई निषेधाज्ञा के लिये वाद के लिये संस्थित किया है आपको इस न्यायालय में तारीख 07.05.2025 को दिन के 10.00 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो वाद से सम्बन्धित सभी सारवाना प्रश्नों का उतर दे सके। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतीक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है, पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हों, अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसे दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाब्रद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टी करें। आपको सुचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होगें तो वाद कीसुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह आज तारीख 02.05.2025 को मेरे हस्ताक्षर से न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया।
मोहर अदालत
आज्ञा से
उपखण्ड अधिकारी
मलसीसर (झुंझुनूं)

विवाधकों के स्थिरीकरण के लिये समन
(आदेश 5 के नियम और 5)

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी महोदय स्थान मलसीसर।
वादी दीनदयाल विरुद्ध कन्हैयालाल वगैरह
दावा बाबत खाता विभाजन एवं स्थाई निषेधाज्ञा
सिविल वाद संख्या 53 सन् 2023
प्रेषित :- 1. परमेश्वर , 2. सीताराम, 3. भागीरथ उर्फ भगवती , 4. हणमान समस्त पुत्रगण रामगोपाल उर्फ रामेश्वर जाति महाजन निवासी गांगियासर तहसील बिसाऊ जिला झुझुंनू ।
5. बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ठाामीण बैंक शाखा गांगियासर जरिये शाखा प्रबन्धक।
6. राजस्थान सरकार जरिये लेण्ड होल्डर तहसीलदार बिसाऊ जिला झुझुंनू ।
वादी दीनदयाल ने आपके विरुद्ध दाया बाबत खाता विभाजन एंव स्थाई निषेधाज्ञा के लिये वाद के लिये संस्थित किया है आपको इस न्यायालय में तारीख 14-05-2025 को दिन के 10.30 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो वाद से सम्बन्धित सभी सारवाना प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतीक्षा या लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है, पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हो, अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसे दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टी करें। आपको सुचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह आज तारीख 02.05.2025 को मेरे हस्ताक्षर से न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
मोहर अदालत
आज्ञा से
उपखण्ड अधिकारी मलसीसर (झुंझुनूं)

पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढा की अमर्यादित टिप्पणी से झुंझुनूं डीटीओ आहत

भावुक हुए डीटीओ, बोले- एक शब्द बोलने की स्थिति में नहीं, मेरी पत्नी, बेटी, मां और परिवार के लिए कर रहे है अमर्यादित टिप्पणी

झुंझुनूं, । झुंझुनूं डीटीओ मक्खनलाल जांगिड़, उनकी पत्नी, बेटी, मां और परिवार को लेकर की गई टिप्पणी से काफी आहत हो गए है।

उन्होंने अपनी पीड़ा परिवहन आयुक्त को भेजी है। दरअसल ई रवन्ना के आधार पर काटे गए चालानों की राशि जमा ना करवाने पर डीटीओ झुंझुनूं में 229 वाहनों की आरसी निलंबित कर दी थी। इनमें से 34 वाहनों की चालान राशि जमा होने के बाद उनकी आरसी बहाल भी कर दी गई है। बावजूद इसके डंपर यूनियन द्वारा पिछले छह दिनों से डीटीओ कार्यालय के बाहर धरना दिया जा रहा है। गत दिनों धरना स्थल पर पहुंचे पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने अपने भाषण में डीटीओ कार्यालय और डीटीओ डॉ. मक्खनलाल जांगिड के साथ-साथ उनकी मां, पत्नी, बेटी व परिवार को लेकर अमर्यादित टिप्पणियां की। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो पर अपने और परिवार के सदस्यों पर अमर्यादित टिप्पणी सुनकर डीटीओ डॉ. मक्खनलाल जांगिड़ व उनका पूरा परिवार तनाव में है। जिस पर डीटीओ ने परिवहन आयुक्त को पत्र लिखकर न्याय मांगा और उचित कानूनी संरक्षण की मांग की है।

इस मामले में जब हमने डीटीओ डॉ. मक्खनलाल जांगिड़ से बातचीत की तो वे ठीक ढंग से बता भी नहीं पाए और बताते-बताते इतने भावुक हो गए कि इस बारे में एक भी शब्द बोलने की स्थिति में नहीं हुई है। इसके बाद भी उन्होंने सवालों का जवाब देते हुए कहा कि लोकतंत्र में धरना-प्रदर्शन और अपनी मांगों को रखने का सबको हक है। लेकिन मैंने जो काम किया है। वो राजहित में किया है और नियमों में किया है। यदि मैंने कुछ गलत किया है तो उसकी जांच हो जाएगी और कानून मुझे सजा दे देगा। डीटीओ ने कहा कि धरना प्रदर्शन करने वालों को मेरे परिवार, खासकर बेटी, पत्नी और मां को लेकर अमर्यादित टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा का आदर करता हूँ। उनके द्वारा ऐसे शब्दों ने मुझे और मेरे परिवार को ठेस पहुंचाई है। जिसके लिए मैं अपील ही कर सकता हूं कि मुझसे शिकायत है तो मेरी जांच करवा ली जाए। लेकिन मेरे परिवार को लेकर अनर्गल टिप्पणी ना करें। आपको बता दें कि इससे पहले पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा की अमर्यादित टिप्पिणयों की शिकायत अजमेर डिस्कॉम के अधिकारी और कर्मचारी भी कर चुके है।

इसी धरने में भाषण के दौरान लाल डायरी के बाद सुर्खियों में आए पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने एक बार फिर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर बडा हमला बोला। राजेंद्र सिंह गुढा ने कहा है कि भ्रष्ट और बेईमान लोगों पर कार्रवाई होती है। इसमें देर हो सकती है। पर अंधेर नहीं होती। उन्होंने पूर्व मंत्री महेश जोशी का नाम लेते हुए कहा कि महेश जोशी उनके साथ मंत्री रहे है। वे रिमांड पर चल रहे थे और उनकी पत्नी का निधन हो गया। जो खाए है।

वो तो निकलेंगे ही। उन्होंने कहा कि 960-90 करोड़ रूपए अकेले महेश जोशी ने नहीं खाए। इसमें अशोक गहलोत का भी हिस्सा था। उन्होंने कहा कि वे अशोक गहलोत के साथ दो बार 10 सालों तक सरकार में रहे है। भ्रष्टाचार के पैसों का ढेर लगता था। जिसका बंटवारा होता था तो सबसे बड़ा हिस्सा अशोक गहलोत लेकर जाते थे।

बुहाना में पांच साल की बालिका से दुष्कर्म, आरोपी को जेल भेजा

- बुहाना में एक साढे पांच साल की बालिका से दुष्कर्म, आरोपी को जेल भेजा
- दुष्कर्म किए जाने का सनीसनीखेज मामला सामने आया

झुंझुनूं, । जिले के बुहाना थाना इलाके के एक गांव में साढ़े पांच साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म किए जाने का सनीसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं बच्ची की हालत गंभीर होने पर उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। एसपी शरद चौधरी ने बताया कि पुलिस के पास सूचना आई थी कि एक साढे पांच साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म कर आरोपी उसे घर के पास ही एक चौक में छोड़कर चला गया। जिस पर पुलिस ने बच्ची को पहले अस्पताल में भर्ती करवाया। इसके बाद आरोपी को डिटेन किया। इधर, जानकारी करने पर सामने आया कि आरोपी घसेड़ा गांव का रवि कुमार उर्फ कालिया अहीर है।

जिसकी उम्र लगभग 35-37 साल है। आरोपी का बच्ची के घर पर आना-जाना था। साढ़े पांच साल की बच्ची आरोपी को कालिया बाबा कहकर पुकारती थी। अकसर वह बच्ची को खिलाने के लिए उसके घर भी आता था और अपने घर पर भी ले जाता था। वारदात की शाम भी करीब चार बजे आरोपी रवि कुमार उर्फ कालिया बाबा बच्ची को अपने घर ले गया। जहां उससे दुष्कर्म किया और 40 मिनट बाद, शाम चार बजकर 40 मिनट पर वापिस घर से 100 मीटर दूरी पर चौक पर छोड़ चला गया। बच्ची जब घर पहुंची।

तो उसने आप बीती बताई और वह लहुलूहान हालत में थी। जिस पर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी और बच्ची को अस्पताल में एडमिट करवाया। जब बच्ची को अस्पताल में एडमिट करवाया गया। तब भी बच्ची सहमी हुई थी और धूज रही थी। इस मामले में पुलिस ने आरोपी रवि कुमार उर्फ कालिया को गिरफ्तार कर लिया है। रवि कुमार उर्फ कालिया के खुद के भी 13 साल की बेटी है।

जो पीड़िता से दोगुनी से ज्यादा उम्र की है। बावजूद रवि कुमार उर्फ कालिया ने हैवानियत की सारी हदें पार करते हुए साढ़े पांच साल की बच्ची को अपनी हवस का शिकार बना लिया। रवि कुमार उर्फ कालिया नशे का आदि है। यही कारण है कि करीब 10 साल पहले ही उसकी पत्नी और बेटी उसे छोड़कर चली गई थी। पुलिस पूरे मामले का अनुसंधान कर रही है।

घटना स्थल का मौका मुआयना कर साक्ष्य जुटाए गए है। बच्ची का भी मेडिकल करवाकर कोर्ट में बयान करवा दिए गए है। इस मामले में आरोपी को जल्द से जल्द सजा हो। इसके लिए एसपी शरद चौधरी ने इस मामले को केस आफिसर स्कीम में लिया है। ताकि आरोपी के खिलाफ चालान जल्द कोर्ट में पेश किया जा सके। इस बीच, शनिवार को आरोपी को पोक्सो कोर्ट में पेश किया गया। जहां से न्यायालय ने आरोपी को जेल भेज दिया है।

अजमेर में आग का तांडव जारी

अब सोफा फैक्ट्री में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जल कर स्वाह

सोफा फैक्ट्री में लगी आग को बुझाते दमकल कर्मी तथा मौके पर लोगों की भीड़।

अजमेर, (कासं)। अजमेर शहर में इन दिनों भीषण गर्मी के चलते आग का तांडव जारी है। गत दिनों एक होटल में लगी आग की आंच अभी ठंडी भी नहीं हुई कि शनिवार को पाल बिछला रेलवे स्टेशन के सैकंड एंट्री गेट के सामने स्थित एक सोफा फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगने से क्षेत्र में अफरा-तफरी माहौल हो गया। फैक्ट्री में लकड़ी का फर्नीचर होने से आग तेजी से फैली और धुएं का गुबार उठा। घटना के समय फैक्ट्री में कोई नहीं था अन्यथा बड़ी जनहानि हो सकती थी। लेकिन आग से फैक्ट्री मालिक को लाखों रुपए के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है।

स्थानीय पार्षद रंजीत सिंह ने बताया कि फैक्ट्री में सोफा बनाने के लिए भारी मात्रा में रेग्जीन, लकड़ी और सोल्यूशन जैसे ज्वलनशील सामान भरा हुआ था। आशंका जताई जा रही है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में पूरी फैक्ट्री धुएं से घिर गई। इससे आसपास के लोगों में दहशत फैल गई और लोग अपने घरों से बाहर निकलने लगे। घटना की सूचना मिलते ही पार्षद ने तत्काल अग्निशमन विभाग को सूचित किया। कुछ ही देर में दमकल वाहन मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि तब तक फैक्ट्री का अधिकांश सामान जलकर राख हो चुका था। दमकल अधिकारियों ने बताया कि आग पर समय रहते नियंत्रण पा लिया गयाए जिससे आसपास की इमारतों को नुकसान नहीं पहुंचा। वहीं पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

पेट्रोल चोरी का आरोपी पकड़ा

छबड़ा। कस्बे में चोरी का अजीबोगरीब मामला सामने आया है। चोर ने यहाँ से बाइक या अन्य सामान नहीं चुराए बल्कि उसने घर के बाहर खड़ी बाइक से पेट्रोल चुराया है। मोहल्लेवासियों की सूझबूझ से पुलिस ने पेट्रोल चोर को डिटेन कर लिया है।

यादव मोहल्ला निवासी बलवीर यादव ने पुलिस को दिए परिवाद में बताया की उसके मकान के बाहर बाइक खड़ी रहती है। पिछले कुछ दिनों से बाइक में से पेट्रोल चोरी हो रहा था। जब मुझे उक्त घटना के बारे में पता चला तो मैंने इसके बारे में तलाश की तो घटना में शानू उर्फ भूपेन्द्र मीणा शामिल होना पाया। जिसने समीप में उनके चाचा प्रेमनारायण यादव के मकान के बाहर खड़ी बाइक से भी पेट्रोल चुराया है। इसकी वीडियो उसके पास मौजूद है। जिसमे शानू बाइक में से पेट्रोल चोरी करता दिखाई दे रहा है।

मोहल्लेवासियों की जागरूकता व पुलिस की तत्परता से आरोपी को डिटेन कर लिया हैं। डिटेन आरोपी की अन्य चोरियों में संलिप्तता की संभावना है। पुलिस ने बताया कि डिटेन आरोपी से पूछताछ की जा रही है। उल्लेखनीय है कि शादी समारोह के चलते ऐसे अपराधिक प्रवृत्ति से जुड़े लोग सक्रिय हो जाते है। जो छोटी बड़ी चोरी घटनाओं को अंजाम देते है।

कटार से झालरा सड़क मार्ग का विधायक ने किया शिलान्यास

- कटार से झालरा वाया सिरौली घाटी 5.6 किलोमीटर सड़क मार्ग बनेगा

आसींद, (निसं)। राजस्थान सरकार की डीएमएफटी योजना के वर्ष 2024-25 के अंतर्गत कटार से झालरा वाया सिरौली घाटी 5.6 किलोमीटर सड़क मार्ग का शिलान्यास आसींद हुरडा क्षेत्रिय विधायक जबर सिंह सांखला के मुख्य आतिथ्य एवं महंत श्री 108 रामेश्वर दास त्यागी जोगी भाटा आश्रम की अध्यक्षता में शिलान्यास कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित करके हुई। आए हुए अतिथियों का ग्राम पंचायत रघुनाथपुरा सरपंच प्रतिनिधि रणजीत सिंह झालरा के सानिध्य में ग्रामीणों ने स्वागत अभिनंदन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक जबर सिंह सांखला ने बताया कि जनहित की समस्याओं के समाधन हेतु एवं विभिन्न सड़कों की मांग कि गई थी जिसके तहत डिएमएफटी फंड से चार करोड़ अस्सी लाख रुपए की लागत से 5.600 किलोमीटर की दूरी पर कटार से झालरा वाया सिरौली घाटी सड़क का शिलान्यास किया गया। विधायक जबर सिंह सांखला ने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए कि उक्त सड़क के कार्य को गुणवत्ता पूर्ण करें। समाजसेवी मेवाराम गुर्जर ने उक्त सड़क मार्ग के लिए विधायक सांखला का आभार व्यक्त किया। वंही विधायक कोष से निर्मित बराणा ग्राम में हजूरनाथ की जीवित समाधि पर छाया घर का शिलान्यास किया।उपप्रधान श्रवणदास वैष्णव ने सम्बोधित करते हुए बताया कि विधायक जबर सिंह सांखला के द्वारा क्षैत्र में लगातार विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। वहीं शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान विधायक जब्बर सिंह सांखला, जोगी भाटा महंत रामेश्वर दास त्यागी, उप प्रधान श्रवण दास वैष्णव, रिछपाल सिंहचुंडावत, नगर पालिका उपाध्यक्ष विक्रम सिंह चुंडावत, सरपंच प्रतिनिधि रणजीत सिंह झालरा, समाजसेवी मेवाराम गुर्जर, शिवपाल सिंह चुंडावत, गोपाल सिंह चुंडावत मौजूद रहे।

मंडी में भीगे गेहूं

मांगरोल (नि सं) अचानक मौसम परिवर्तन होने के कारण दिन के 4:00 बजे तेज आंधी तूफान के साथ जोरदार बारिश हुई। कई जगह-जगह पेड़ टूट गए लाईट के पोल टूट के नीचे गिर गए, यहां तक की कृषि उपज मंडी मांगरोल में किसानों का गेहूं खुले जगह पड़ होने के कारण तेज बारिश में बीग गए।

महात्मा गांधी स्कूलों में एडमिशन का शेड्यूल जारी

- 7 मई से 15 जून तक कर सकेंगे आवेदन, 17 जून को निकलेगी लॉटरी

बीकानेर। प्रदेश के महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में एडमिशन के लिए शिक्षा विभाग ने शेड्यूल जारी कर दिया है। इन स्कूलों में एडमिशन के लिए सात मई से आवेदन शुरू होंगे और 17 जून को लॉटरी निकाली जाएगी। सभी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों का सेशन एक जुलाई से ही शुरू होगा।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने बताया कि 6 मई को सभी स्कूल अपने स्तर पर एडमिशन के लिए विज्ञप्ति जारी करेंगे। इसके बाद 7 मई से 15 जून तक आवेदन किया जा सकता है। इन आवेदनों के आधार पर राज्य के सभी स्कूल अपने नोटिस बोर्ड पर ये सूची जारी करेंगे कि किस क्लास में कितने आवेदन प्राप्त हुए हैं और कितनी सीट रिक्त है। 17 जून को लॉटरी के माध्यम से चयनित स्टूडेंट्स की लिस्ट तैयार होगी। वहीं 18 जून को इस लिस्ट को स्कूल के आगे चस्पा किया जाएगा। चयनित स्टूडेंट्स के एडमिशन का काम 19 जून से शुरू हो जाएगा। एक जुलाई से स्कूल में पढ़ाई होगी। हर बार की तरह इस बार भी स्कूल की प्रथम क्लास में सभी सीट पर एडमिशन होंगे, जबकि शेष क्लासेज में रिक्त सीटों पर ही एडमिशन होगा। प्री प्राइमरी स्कूल में नर्सरी से ही एडमिशन शुरू होंगे। जो स्कूल पहली क्लास से शुरू हैं, वहां पहली क्लास की सभी सीटों पर एडमिशन होगा। एडमिशन की सारी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। शाला दर्पण पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन किया जाएगा। वहीं क्यूआर कोड से भी आवेदन हो सकेगा। लॉटरी भी ऑनलाइन ही निकाली जाएगी। नव क्रमोन्नत स्कूलों की नई क्लास में भी पीछे की क्लास के स्टूडेंट्स को एडमिशन देने के बाद ही रिक्त सीट पर नए एडमिशन दिए जाएंगे।

ओगणा क्षेत्र में 3 बाल विवाह रूकवाए

- नाबालिग बालक और दो बालिका की शादी 6 मई 2025 को होने जा रही थी

उदयपुर, (कासं)। जिले में बाल विवाह की रोकथाम के लिए जिला कलक्टर नमित मेहता के निर्देशन में प्रशासन पूर्ण मुस्तैदी से जुटा हुआ है। इसी क्रम में टीम ने ओगणा क्षेत्र में तीन बाल विवाह रूकवाए।

बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक के.के.चंद्रवंशी ने बताया कि ओगणा थाना क्षेत्र से चाइल्ड हेल्पलाइन पर सूचना मिली। इसमें बताया कि ओगणा थाना क्षेत्र में एक परिवार अपने नाबालिग बालक और दो बालिका की शादी 6 मई 2025 को करने जा रहे है।

सूचना पर त्वरित रूप से टीम गठित कर प्रशासन एवं पुलिस टीम के साथ मौके पर भेजा गया। मौके पर प्रथम दृष्ट्या लगा कि शादी की पूरी तेयारी थी, टेंट लगे हुए थे। विवाह के बारे में पूछने पर आनाकानी करने लगे। दस्तावेज देखने पर बालक की उम्र 14 वर्ष पाई गई।

दो बालिका बालिग़ थी और बारात गाँव भूरा से आ रही थी वो दोनों वर नाबालिग थे जिनकी उम्र 18 और 20 वर्ष होना पाया गया। टीम ने परिवार को बच्चों के बालिग होने तक विवाह नहीं कराने के लिए पाबंद किया। कार्यवाही में ओगना थाना प्रभारी राम अवतार, पटवारी नाहर सिंह, तहसीलदार रणछोड लाल और चाइल्ड हेल्पलाइन टीम से शंकर लाल भोई मौजूद रहे।

चलती कार में हार्ट अटैक से मौत

भीलवाड़ा। शादी समारोह में चाय-कॉफी की स्टॉल लगाने वाले 54 वर्षीय रमेश असनानी की चलती कार में हार्ट अटैक से मौत हो गई। हादसा हरणी महादेव-भीलवाड़ा बाईपास पर हुआरमेश श्रीलोक होटल में शादी समारोह में स्टॉल लगाकर लौट रहे थे। वैन में सामान लादकर बापूनगर स्थित अपने घर जा रहे थे। रास्ते में अचानक उन्हें साइलेंट हार्ट अटैक आया। कार सड़क से करीब 100 फीट नीचे उतर गई। राहगीरों ने दौड़कर देखा तो रमेश की मौत हो चुकी थी।

मंगरोप निवासी लोकेश खटीक ने कार में पड़ा मोबाइल देखा और उसमें रमेश ने आखिरी कॉल छोटे भाई को की थी। लोकेश ने उसी नंबर पर कॉल कर परिजनों को सूचना दी। परिजनों के साथ रमेश का बेटा मौके पर पहुंचा। उन्होंने कोतवाली पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की। प्रथम दृष्टया हार्ट अटैक से मौत की पुष्टि हुई है। रमेश पिछले 28 सालों से शादी समारोह में चाय-कॉफी की स्टॉल लगाने का काम कर रहे थे। परिजनों ने पुलिस कार्रवाई से इनकार कर दिया है, जिसके चलते बिना पीएम उनका शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

54 वर्षीय रमेश असनानी की चलती कार में हार्ट अटैक से मौत हो गई।

पहलगाम के दिवंगतों को दी श्रद्धांजलि

अजमेर (कासं)। अखिल भारतीय विजयवर्गीय महिला संगठन की अजयमेरु प्रदेश इकाई द्वारा जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हिंदू पर्यटकों के साथ हुए निर्मम नरसंहार में मारे गए 28 व्यक्तियों के लिए दो मिनिट का मौन रखकर श्रंद्धाजलि अर्पित की गई।

जल चोरी करने वालों से तीन दिन में 7 लाख 18 हजार 900 रुपए वसूले

बालोतरा, (नि.सं.)। परियोजना पोकरण-फलसूण्ड-बालोतरा सिवाना की मुख्य पाइप लाइनों से अवैध रूप से पानी चोरी कर व्यापार करने वालो के विरूद्ध जलदाय विभाग ने कार्यवाही कर तीन दिन में 7 लाख 18 हजार 900 रुपए वसूल किए।

जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अधिशाषी अभियंता बाबूलाल मीणा ने बताया कि 30 अप्रैल से 2 मई तक परियोजना खण्ड बालोतरा के अधिकारियों की अवैध रूप से पाइप लाइनों से पानी चोरी करने वालों के विरूद्ध अभियान के तहत बालोतरा, गिडा क्षेत्र के गांवों में सहायक अभियंता राकेश शर्मा एवं मोहन राम के नेतृत्व में कार्यवाही की गई। जिसमें 08 व्यक्तियों के 12 अवैध जल संबंध चिन्हित किए गए एवं इन अवैध जल संबंधकर्ता 08 व्यक्तियों के विरूद्ध कार्यवाही में राशि 7 लाख 18 हजार 9 सौ रुपए जुर्माना पेनल्टी राशि की वसूली की गई। साथ ही एक ट्रैक्टर ट्रैकर को जब्त किया गया। इनके विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराने की कार्यवाही की जा रही है।

उन्होंने बताया कि 02 मई को गांव केरालियां ग्राम पंचायत खारापार में विभागीय पाइप लाइन से अवैध कनेक्शन लेकर टैंकरों से पानी का बेचान करते हुए बाबुराम प्रजापत पुत्र लालुराम प्रजापत को पकड़ा गया। इनका ट्रैक्टर टैंकर भी जब्त किया गया। बाबूराम प्रजापत से हाथों हाथ 1 लाख 50 हजार रुपए जुर्माना पेनल्टी वसूल की गई। केरालियां गांव में अन्य व्यक्ति पुरखाराम हुड्डा के अवैध कनेक्शन हटाकर 1,02,800 रुपए वसुल किए गए। बाबुराम प्रजापत का ट्रैक्टर टैंकर जब्त किया गया। बालोतरा के आस पास के गांवों में कार्यवाही करते हुए तीन व्यक्तियों से 4,66,100 रुपए की पेनल्टी/जुर्माना राशि वसूली कर राजकोष में जमा कराए गए। इन सभी के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराने की कार्यवाही की जा रही है।

उन्होंने बताया कि शनिवार को राकेश शर्मा सहायक अभियंता, बाबुलाल कनिष्ठ सहायक द्वारा सवाऊ पदमसिंह, खारड़ा भारत सिंह गांव में अवैध कनेक्शन कर पानी बेचान करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही की गई। सवाऊ पदमसिंह गांव मे हनुमान पुत्र गोरधन राम पानी चोरी कर सीमेंट की ईंटे एवं सीमेन्ट के अन्य सामान बनाने के उपयोग में लेते हुए पकड़ा गया। सवाउ पदमसिंह गांव के ही राजू राम मेघवाल द्वारा अवैध कनेक्शन कर खेत मे बने टांके मे पानी इकट्ठा कर टैंकर वालो को पानी बेचान करता था। कई दिनों की रेकी एवं सूचना इकट्ठी होने के बाद आज दोनों जगह दबिश दी गई। दोनों के विरूद्ध जुर्माना पेनल्टी राशि वसूली के साथ साथ मुकदमे की कार्यवाही की जा रही हैं। खारडा भारत सिंह गांव में 10-12 ट्रैक्टर, टैंकर वाले पांच गांव के हिस्से का पानी लम्बे समय से बेच रहे थे। कई बार दबिश दी गई परन्तु गांवो के चौराहो पर बैठे मुकबिरों द्वारा दबिस की सूचना देने के कारण नहीं पकड़े जा रहे थे। आज सुबह ही लीक होने के कारण दबिश दी गई, परन्तु ट्रैक्टर, टैंकर वाले नहीं पकड़े जा सके। फिर शाम 4 बजे अचानक विभागीय टीम की दबिश मे खारड़ा भारत सिंह से अवैध रूप से पानी भरते समय मोहन लाल पुत्र सोनाराम मूंड निवासी खारड़ा भारत सिंह को ट्रैक्टर, टैंकर के साथ पकड़ा गया। ड्राइवर सहित टैक्टर, टैंकर को पुलिस थाना गिड़ा को सुपूर्द मुकदमे की कार्यवाही की जा रही हैं। कई व्यक्तियों को जुर्माना/पेनल्टी राशि जमा कराने हेतु पूर्व मे नोटिस दिए गए थे, उनके द्वारा जुर्माना, पेनल्टी राशि जमा नहीं कराई गई है, उनके विरूद्ध पीडीआर एक्ट के तहत परिसम्पति की निलामी की कार्यवाही की कार्यवाही की जा रही हैं। अभी भी समय हैं जिन व्यक्तियों को नोटिस दिए गए हैं, जुर्माना, पेनल्टी राशि करावें।

घायल की इलाज के दौरान मौत

मांगरोल (नि सं)। मांगरोल थाना क्षेत्र में मारपीट में घायल हुए व्यक्ति की मौत हो गई। बारां रोड पर शनिवार को दिन के 1:00 बजे कृषि उप मंडी के बाहर चाय की बॉडी पर एक व्यक्ति बैठा हुआ था। उसके साथ आज्ञात जनो ने मोटर साइकिल पर आकर लोह के सरिया से सिर पर मारा।

इससे शरीर पर गंभीर चोट के निशान हो गये। आरोपी मोटरसाइकिल पर बैठकर फरार हो गये। घायल को मांगरोल उप जिला चिकित्सालय लाया गया जहां से प्राथमिक उपचार कर बारॉं जिला रैपर किया गया।

इलाज के दौरान रामदयाल पुत्र राम रतन गुर्जर जाति निवासी रुडी उम्र 45 वर्ष की मौत हो गई। मृतक के भाई ने चार जनो के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है।

मांगरोल थाना अधिकारी मंहेंद मीणा ने बताया फरियादी ने महावीर सुरेश, राकिशन, रामाअवतार गुर्जर इनके खिलाफ मामला दर्ज करा हत्या का पुलिस ने भी शव का पंचनामा करवाया लेकिन समय अधिक होने से शव को मोचरी में रखवाया है।

'सम्पर्क पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का करें त्वरित निस्तारण'

झालावाड़। संभागीय आयुक्त कोटा संभाग श्री राजेन्द्र सिंह शेखावत की अध्यक्षता में शनिवार को सर्किट हाउस झालावाड़ में जनसुनवाई एवं समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

जनसुनवाई में संभागीय आयुक्त द्वारा परिवादियों की समस्याओं को सुन संबंधित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के संबंध में आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए। इस दौरान बिजली, पानी सहित अन्य समस्याएं प्राप्त हुई। संभागीय आयुक्त ने कहा कि आगामी माह में सम्पर्क पोर्टल पर अधिकांश शिकायतें बिजली व पानी से संबंधित आएंगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को परिवादियों से दूरभाष पर संवाद करने तथा समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित कर संभागीय आयुक्त विभागवार योजनाओं की क्रियान्विति एवं आगामी कार्ययोजनाओं के संबंध में चर्चा की। संभागीय आयुक्त ने जिला परिषद् एवं शिक्षा विभाग सहित अन्य विभागों को जिले में कार्ययोजना बनाकर एक दिन सर्वाधिक वृक्षारोपण करने का लक्ष्य दिया। उन्होंने कहा इस कार्य में सभी विभागों सहित स्वयं सेवी संस्थाओं व समाज सेवियों का सहयोग लिया जाए। अत्याधिक गर्मी एवं लू-तापघात के मद्देनजर आगामी दिनों में जिले में आमजन को सभी चिकित्सा संस्थाओं में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने एवं कोई कमी नहीं रखने के निर्देश चिकित्सा अधिकारी को दिए। इस दौरान चिकित्सा संस्थाओं पर चिकित्सा संसाधानों एवं दवाईयों की उपलब्धता की समीक्षा की। साथ ही स्वास्थ्य परीक्षण हेतु नियमित रूप से स्वास्थ्य कैम्प आयोजित करने एवं इनका व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी दिए। बैठक के दौरान संभागीय आयुक्त ने गर्मी के मौसम में बिजली व पानी की निर्बाध जलापूर्ति के निर्देश संबंधित अधिकारियो को दिए। उन्होंने कहा कि बिजली विभाग विद्युत लाईनों की मरम्मत एवं ढीले तारों को सही करवाने का कार्य सुनिश्चित करें। वहीं जलदाय विभाग को आवश्यक स्थानों पर टैंकर से जलापूर्ति करने तथा जल जीवन मिशन तथा सड़क निर्माण कार्यों के तहत क्षतिग्रस्त पेजयल लाईनों को आगामी 15 दिन में दुरूस्त करने के निर्देश दिए। संभागीय आयुक्त ने मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी को राजकीय विद्यालयों में नामांकन में वृद्धि करने, बेहतर व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने, शाला दर्पण पर रैंकिंग में सुधार लाने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, पशुपालन विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, कृषि विभाग सहित अन्य विभागों की योजनाओं की प्रगति व प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए। इस दौरान जिला कलक्टर अजय सिंह राठौड़, अतिरिक्त जिला कलक्टर सत्यनारायण आमेटा, जिला परिषद् के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शम्भूदयाल मीणा, उपखण्ड अधिकारी अभिषेक चारण, तहसीलदार झालरापाटन नरेन्द्र मीणा सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

रिक्त पदों के उपचुनाव के लिए कार्यक्रम घोषित

- निर्वाचन की अधिसूचना शुक्रवार, 9 मई को जारी की जाएगी

झालावाड़। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा राज्य की पंचायती राज संस्थाओं में 01 जून 2024 से 31 दिसम्बर 2024 तक विभिन्न कारणों से रिक्त हुए पदों के लिए उप चुनाव कराने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत झालावाड़ जिले में जिला परिषद् सदस्य वार्ड संख्या 5 के लिए उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित किया गया है।

कार्यक्रमानुसार जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा नियम 58 के अन्तर्गत निर्वाचन की अधिसूचना शुक्रवार, 9 मई को जारी की जाएगी, वहीं बुधवार, 14 मई तक प्रात: 11 से दोपहर 3 बजे तक नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत किए जा सकेंगे। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 15 मई को प्रात: 11 बजे से की जाएगी। नाम वापसी की तिथि व समय 16 मई को दोपहर 3 बजे तक का रहेगा। इसी दिन नाम वापसी के तुरन्त पश्चात् चुनाव प्रतीकों का आवंटन एवं चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची का प्रकाशन होगा। मतदान सोमवार, 26 मई को प्रात: 7 से सायं 5 तक होगा तथा मतगणना जिला मुख्यालय पर 27 मई को प्रात: 9 बजे से होगी। इसी प्रकार राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा राज्य के नगरीय निकायों में 31 जनवरी 2025 तक विभिन्न कारणों से रिक्त हुए पदों के लिए उपचुनाव कराने का निर्णय लिया गया है जिसके तहत झालावाड़ जिले की नगर पालिका झालरापाटन में वार्ड संख्या 13 के सदस्य पद तथा नगर पालिका अकलेरा के वार्ड संख्या 5 के लिए सदस्य पद व अध्यक्ष पद के लिए उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित किया गया है। घोषित कार्यक्रमानुसार उक्त नगरीय निकायों में संबंधित वार्ड संख्या में सदस्य पद के लिए सोमवार, 12 मई को लोक सूचना जारी की जाएगी। वहीं नामांकन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि व समय 16 मई प्रात: 10.30 से दोपहर 3 बजे तक रहेगा। नामांकन पत्रों की संवीक्षा 17 मई को प्रात: 10.30 बजे से होगी तथा 19 मई को दोपहर 3 बजे तक अभ्यर्थी नाम वापस ले सकेंगे। चुनाव चिन्हों का आवंटन 20 मई को किया जाएगा। मतदान 26 मई को प्रात: 7 से सायं 5 बजे तक होगा तथा मतगणना 27 मई को प्रात: 9 बजे से होगी। नगर पालिका अकलेरा के अध्यक्ष पद के लिए उप चुनाव हेतु मतदान 5 जून को प्रात: 10 से दोपहर 2 बजे तक होगा तथा मतगणना मतदान समाप्ति के तुरन्त पश्चात् होगी।

पुश्तैनी जमीन को बचाने की जद्दोजहद में मजबूर सेवानिवृत्त चिकित्सक

दबंग भूमाफियाओं के आगे नतमस्तक दिखा शासन प्रशासन !

बूंदी। अपनी पूरी जिंदगी ईमानदारी और सत्यनिष्ठा के साथ सरकार को समर्पित करने वाला एक सेवानिवृत चिकित्सक अपनी ही पुश्तैनी जमीन को बचाने के लिए दर दर की ठोकरें खाने को मजबूर है।

सेवानिवृत चिकित्सक डॉ. जानकी लाल खत्री के जीवन पर प्रख्यात पत्रकार एन. रघुरामन द्वारा लिखा गया लेख युवा वर्ग को प्रेरित करता हैं। ऐसे वरिष्ठ नागरिक ने थक हार कर प्रेस स्वतंत्रता दिवस के मौके पर प्रेस प्रतिनिधियों के सामने अपनी जमीन बचाने की गुहार लगाई। डॉ. खत्री ने तालेड़ा थाने गादेगाल गांव में स्थित अपनी पैतृक जमीन को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत है, लेकिन शासन प्रशासन दबंग भू माफियाओं के आगे नतमस्तक दिखाई दे रहा है। वृंदावन के विधवा आश्रम में निशुल्क सेवाएं देने वाला यह चिकित्सक एक ओर शासन प्रशासन के चक्कर काट रहा हैं, वहीं दबंगों ओर भू माफियाओं की दबंगई का सामना भी कर रहा हैं।

पीड़ित जानकी लाल ने बताया कि बूंदी जिले के ग्राम मांगली पटवार हल्का गादेगाल में उनकी पुश्तैनी जमीन स्थित है।जिसमें मेरे 1/5 हिस्से पर अनाधिकृत रूप से दबंगों द्वारा बेचकर कब्जा कर लिया है।जिसको छुड़ाने के लिए 18 साल से न्यायालयों,पुलिस थानों, जिला कलेक्टर व जनप्रतिनिधियों के चक्कर काटने को मजबूर हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनके पैतृक जमीन को किशनलाल, देवकरण द्वारा जालसाजी पूर्वक अनाधिकृत रूप से एक करोड़ 6 लाख रुपए देकर बाहर के बाहर ही बेच दिया तथा मेरा हिस्सा बिरखा सिंह को बेचकर कब्जा करवा दिया। उन्होंने बताया कि जमीन पर भू माफियाओं द्वारा कब्जा करने के कारण परिवार को बदहाली की जिंदगी जीने एवं भीख मांगकर चंदा एकत्रित करके पढाई करनी पड़ी उन्होंने बताया कि 2001 में मेरे पिता द्वारा कब्जे का दावा पेश किया गया जिसको पिता की मृत्यु के बाद बड़े भाई रमेश चंद्र खत्री ने आगे बढाया 2018 में उनकी मृत्यु के बाद एसडीएम ने पटवारी की छद्म रिपोर्ट पर मुकदमा खारिज कर दिया। इसके बाद मेरे द्वारा हाई कोर्ट जयपुर से आदेश के बाद भी कोई फैसला नहीं दिया जा रहा है। दबंगों द्वारा मेरे ऊपर एससी एसटी का मुकदमा भी किया। जिसका निर्णय न्यायालय बूंदी ने मेरे पक्ष में किया। लगातार दबंगों से तंग आकर मेरे अन्य भाइयों द्वारा रजिस्ट्री करवा दी गई। लेकिन मेरा हिस्सा आज तक उनके कब्जे में है जिसको मैं बेचना नहीं चाहता यह मेरी पुरखों की निशानी है। उन्होंने बताया कि कई बार जिला पुलिस अधीक्षक, जिला कलेक्टर व जनप्रतिनिधियों से न्याय दिलाने की गवार लगाने के बावजूद मेरे साथ न्याय नहीं हो रहा है उल्टा मुझे न्याय के लिए चक्कर काटने पड़ रहे हैं। उन्होंने पुलिस पर कब्जेदारी दबंग भूमाफियाओं को संरक्षण देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कब्जा पुलिस के संरक्षण में हुआ है तथा पुलिस द्वारा उल्टा मुझे परेशान किया जा रहा है जो कि न्याय संगत नहीं है। जानकी लाल ने पुलिस पर आरोप लगाया कि कब्जा दिलाने के नाम पर उनसे दो करोड़ रुपए की रिश्वत भी मांगी गई जिसको देने में असक्षम होने के चलते उन्हें न्याय नहीं मिल पाया। जिसके कारण दबंगों द्वारा तालेड़ा थाने के बाहर बुलाकर धमकाया तथा इंदौर में जानलेवा हमला भी किया। जिसकी भी रिपोर्ट इंदौर थाने में दर्ज कराई हुई है वहीं 420 कर जमीन बेचने का मुकदमा तालेड़ा एसीएम कोर्ट में वाद दायर किया हुआ है। कहीं सुनवाई नहीं होने पर प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अपनी पीड़ा बताकर न्याय की गुहार लगाई है।

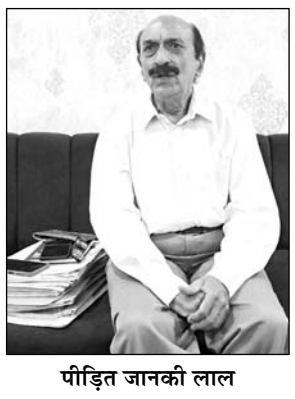

पीड़ित जानकी लाल

पक्षियों के लिए परिण्डे बांधे

झालावाड़। पुरस्कृत शिक्षक फोरम राजस्थान, शाखा झालावाड़ के द्वारा भीषण गर्मी को देखते हुए बेजुबान पक्षियों के लिए राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खानपुरिया में एक दर्जन परिण्डे बांधे गये। इस मौके पर शाला विकास समिति के अध्यक्ष कैलाश पाटीदार ने सम्पूर्ण ग्रीष्मावकाश में परिण्डों में रोजना पानी भरने की शपथ ली तथा विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भी रोजना पानी डालने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अध्यक्ष सुभाष श्रोत्रिय, शुभा गौतम आदि उपस्थित रही।

Mahila Engineering College, Ajmer
(A constituent college of Bikaner Technical University, Bikaner)
Nasirabad Road, Makhupura, Ajmer-305002
Website : www.gweca.ac.in Ph. No. :0145-2695534-35
Email : principal@gweca.ac.in Fax No. : 0145-2695102

No. MECA/DST/PHY/GS/2025/466 Date: 03/05/2025

Hiring of JRF in DST-Rajasthan Funded Research Project

Applications are invited for the purely temporary position of Junior Research Fellow (JRF) to work in the DST-Rajasthan Research project entitled "A Theoretical Investigation of the Exotic Features of Nuclei with Astrophysical Significance" in Department of Physics (H&S). For more details about qualifications, eligibility and to download application form visit www.gweca.ac.in. Send the filled application form in hard copy with required certificates/documents (self-attested) by speed post to Principal, Mahila Engineering College, Makhupura, Nasirabad Road, Ajmer-305002 on or before 19 May 2025, 3:00 PM. (Principal)

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, PHED, DISTRICT RURAL-II, UDAIPUR
Tel. : 0294-2944770, E-mail : eedrd2phedudr@rajasthan.gov.in
No. : EE UDR/Cashier/NIT/2025-26/335 Dated : 24/4/2025

Corrigendum Tender No. 01-05/2025-26

इस कार्यालय के पत्रांक 128 दिनांक 10.04.2025 से निविदा संख्या 01 से 05 जारी की गई थी लेकिन समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं होने के कारण निम्नानुसार दिनांक में परिवर्तन किया जाता है। अन्य शर्तें यथावत रहेगी।

S.No.	Events	Date & Time	Revised Date & Time
1.	Document Download / Sale start date and time	11.04.2025 to 09.30 Hrs. to 24.04.2025 up to 18.00 Hrs.	11.04.2025 09.30 Hrs. to 03.05.2025 upto 18.00 Hrs.
2.	Date & Time for Online Submission of Bid Document	11.04.2025 09.30 Hrs. to 24.04.2025 up to 18.00 Hrs.	11.04.2025 09.30 Hrs. to 03.05.2025 upto 18.00 Hrs.
3.	Last Date and Time of Bid Submission	11.04.2025 09.30 Hrs. to 24.04.2025 up to 18.00 Hrs.	11.04.2025 09.30 Hrs. to 03.05.2025 upto 18.00 Hrs.
4.	Submission of Document in this office before opening of PQ Bid (Challan copy of Egrass/Orginal Bank Guarantee of EMD if any / Orignal affidavit and any other documents as per TD.	25.04.2025 at 11.00 Hrs.	05.05.2025 at 11.00 Hrs.
5.	Online Opening of Prequalification BID	25.04.2025 at 13.00 Hrs.	05.05.2025 at 13.00 Hrs

Executive Engineer PHED, District Rural Divison II, Udaipur

ईसरदा बांध का 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण, इस मानसून में होगा जल संग्रहण : भास्कर ए सावंत

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रदेश के हर छोर तक सुचारू पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित कर रहे है। मुख्यमंत्री के निर्देशन में सवाई माधोपुर और दौसा जिले में पेयजल आपूर्ति की दृष्टि से महत्वपूर्ण ईसरदा बांध का निर्माण कार्य मिशन मोड़ पर किया जा रहा है। बांध के निर्माण का 90 फीसदी कार्य पूर्ण हो चुका है। बांध के पियर्स एवं गेटों का कार्य पूरा हो चुका है। डैम एवं कॉक्रीट स्पिलवे का कार्य 15 जून तक पूर्ण किये जाने का प्रयास है।

इसी के तहत शनिवार को जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भूजल विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए सावंत ने ईसरदा बांध परियोजना के निर्माण कार्य, फिल्टर प्लांट साइट के कार्यों का निरीक्षण किया। साथ ही, विभागीय अभियंताओं को कार्य प्रगति को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने प्रभावित परिवारों को भूमि आवंटन, पुनर्वास अवार्ड कार्य की पूर्णता को समयबद्ध सीमा में पूर्ण करने पर जोर दिया। भूमि अधिग्रहण से संबंधित प्रकरण, रेलवे एवं वन विभाग से संबंधित मुद्दों पर चर्चा कर इनका शीघ्र समाधान किये जाने की बात कही।

इस दौरान उपखंड अधिकारी उनियारा शत्रुघन गुर्जर, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अतिरिक्त मुख्य अभियंता राजसिंह, अधीक्षण अभियंता टोंक राजेश गोयल, बीसलपुर परियोजना के अधीक्षण अभियंता मनोज सिंह, ईसरदा बांध के अधीक्षण अभियंता विजय शर्मा, अधिशाषी अभियंता विकास गर्ग, सहायक अभियंता अभिषेक लसाड़िया समेत अन्य मौजूद रहे।

जलदाय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए सावंत ने ईसरदा डैम का निरीक्षण किया।

ईसरदा बांध बीसलपुर बांध के डाउन स्ट्रीम में ग्राम बनेठा (तहसील उनियारा) टोंक के पास बनास नदी पर बनाया जा रहा है। इसका निर्माण दो चरणों में किया जाना है। प्रथम चरण में डैम का निर्माण पूर्ण भराव स्तर 262 आरएल मीटर (भराव क्षमता 10.77 टीएमसी) तक पूर्ण किया जाएगा। इसमें पानी का भंडारण 256 आरएल मीटर भराव क्षमता 3.24 टीएमसी है। दूसरे चरण में बांध में पूर्ण भराव क्षमता 262 आरएल मीटर तक पानी संग्रहित हो सकेगा।

आगामी मानसून के दौरान बांध में जल संग्रहित किया जा सकेगा। इसके बाद दौसा के 1 हजार 79 ग्राम और 5 शहरों तथा सवाई माधोपुर के 1 शहर तथा 177 गांवों में पेयजल की सुचारू आपूर्ति हो सकेगी। यह परियोजना जल संकट समाधान के साथ बीसलपुर बांध के अधिशेष पानी और बनास नदी के बारिश के जल का कुशल प्रबंधन भी

- अभियंताओं को समयबद्ध सीमा में कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

सुनिश्चित करेगी। साथ ही, ईसरदा बांध से रामजल सेतु लिंक परियोजना (संशोधित पीकेसी-ईआरसीपी लिंक परियोजना) के तहत अन्य बांधों को पेयजल के लिए आपूर्ति हो सकेगी।

बांध निर्माण में ओवरफ्लों वाले भाग में स्पिलवेय ब्रिज में स्लैब निर्माण का कार्य प्रगतिरत है। अभी तक 28 के विरुद्ध 28 स्लैब डाली जा चुकी है। साथ ही, 28 पीयर्स के विरुद्ध 28 पियर्स वांछित ऊंचाई तक पूर्ण किए जा चुके है। बांध में 84 गर्डर के विरुद्ध 84 गर्डर लॉन्च किए गए है। बांध में 28 ब्लॉक एप्रेन के विरुद्ध 23 ब्लॉक एप्रेन का निर्माण किया जा चुका है। बांध में 28 पावर पैक रूम के विरुद्ध 28 पावर पैक रूम और 28 रेडियल गेट के विरुद्ध 28 रेडियल गेट का निर्माण हो गया है। बांध में 56 हाइड्रोलिक सिलेंडर के विरुद्ध 56 हाइड्रोलिक सिलेंडर भी लगाए जा चुके हैं। मिट्टी के बांध का कार्य लगभग 82 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। मुख्य बांध का कार्य लगभग 90 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है।

मुख्यमंत्री भगवान परशुराम की महाआरती में शामिल हुए

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को राजस्थान ब्राह्मण महासभा जयपुर महानगर की ओर से आयोजित भगवान परशुराम की शोभायात्रा और महाआरती कार्यक्रम में शामिल हुए। शर्मा ने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर विधायक कालीचरण सराफ एवं बालमुकुंदाचार्य सहित ब्राह्मण समाज के गणमान्य लोग तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

साइबर सिक्योरिटी में भी सर्वश्रेष्ठ बनेगा राजस्थान : राज्यवर्धन राठौड़

जयपुर। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ की अध्यक्षता में योजना भवन में शनिवार को आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में साइबर सिक्योरिटी को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए व्यापक रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक में तकनीकी उन्नित, मानव संसाधन और प्रक्रियाओं के विकास पर चर्चा की गई।

आईटी मंत्री कर्नल राठौड़ ने बैठक में साइबर सिक्योरिटी के लिए समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि साइबर सिक्योरिटी केवल सॉफ्टवेयर या हार्डवेयर तैयार करने तक सीमित नहीं है। इसके लिए तीन प्रमुख तत्वों-पीपल (लोग), प्रोसेस (प्रक्रियाएं) और टेक्नोलॉजी (प्रौद्योगिकी) का समन्वय जरूरी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि केवल तकनीक पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। इसके लिए स्वदेशी तकनीक को बढ़ावा देना होगा ताकि विदेशी निर्भरता कम हो।

कर्नल राठौड़ ने बैठक में मानव संसाधन के विकास पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि साइबर सिक्योरिटी से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों की दक्षता बढ़ाने के लिए संरचित और असंरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हर दिन प्रशिक्षण, जागरूकता का विस्तार और ग्रूमिंग होनी चाहिए। इसके लिए पर्याप्त बजट प्रावधान भी किए जाएंगे, जिससे सर्टिफाइड ट्रेनिंग प्रोग्राम्स के माध्यम से कर्मचारियों की क्षमता को और निखारा जा सके। इससे न केवल कर्मचारियों की तकनीकी दक्षता बढ़ेगी, बल्कि उनकी पेशेवर मूल्यवृद्धि भी होगी। साथ ही कार्य संस्कृति में सुधार होगा, जो दीर्घकालिक रूप से विभाग की कार्यक्षमता को बढ़ाएगा।

सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने योजना भवन में शनिवार को उच्चस्तरीय बैठक ली।

राठौड़ ने राजस्थान के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग को देश का सर्वश्रेष्ठ बनाने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत, मजबूत भारत है। हम नई सोच और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ आगे बढ़ रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि राजस्थान का आईटी विभाग राष्ट्रीय स्तर पर एक मिसाल बने। इस दिशा में विभाग ने एक निश्चित समयावधि में अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की योजना बनाई है। कर्नल राठौड़ ने भामाशाह डेटा सेंटर का उदाहरण देते हुए कहा कि यह वर्तमान में देश के अन्य राज्यों की तुलना में कहीं अधिक सुरक्षित और उन्नत है। यह डेटा सेंटर न केवल तकनीकी रूप से सक्षम है, बल्कि साइबर खतरों से डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

बैठक में प्रतिष्ठित साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ और पूर्व सैन्य अधिकारी कर्नल निधीश भटनागर ने साइबर सिक्योरिटी के संबंध में प्रजेंटेशन के माध्यम से अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में साइबर अपराधी हर दिन चालाक बनते जा रहे हैं। ऐसे में आईटी प्रोफेशन से जुड़े हर व्यक्ति को भी हर दिन अपडेट और सतर्क रहने की आवश्यकता है।

बैठक में सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ ही, ऊर्जा, जयपुर विकास प्राधिकरण, सहकारिता, भूजल संसाधन, परिवहन, आबकारी विभागों के अलावा आरजीएचएस और आईएफएमएस परियोजना आदि से जुड़े विभिन्न अधिकारीगण उपस्थित थे।

आरएमएससीएल को एलीट्स स्मार्ट गवर्नमेंट एक्सीलेंस अवार्ड

जयपुर। राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आरएमएससी) को वर्ष 2025 के प्रतिष्ठित एलीट्स स्मार्ट गवर्नमेंट एक्सीलेंस अवार्ड-2025 से सम्मानित किया गया है। एलिट्स टेक्नोमीडिया एण्ड एडिटर इन चीफ, ई-गवर्नमेंट मैगजीन, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग तथा कार्मिक विभाग, राजस्थान सरकार के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित समारोह में आरएमएससीएल को यह पुरस्कार दिया गया। आरएमएससीएल को यह पुरस्कार स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में ई-औषधि एवं ई-उपकरण सॉफ्टवेयर सहित अन्य तकनीकी नवाचारों के लिए प्रदान किया गया है।

हनुमान बेनीवाल का बिगड़ा मानसिक संतुलन : कन्हैया लाल चौधरी

जयपुर। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने कहा कि नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल खींवसर में चुनाव हारे हैं, तब से मीडिया का ध्यान आकर्षित करने के लिए बचकानी हरकतें कर रहे हैं। चौधरी ने कहा कि हमारी पार्टी ने मजबूती से मिलकर खींवसर विधानसभा का उपचुनाव लड़ा और जीते तथा खींवसर में हनुमान बेनीवाल एवं उनके पार्टी कार्यकर्ता जिस तरह से गुंडागर्दी करते थे, ब्लैकमेलिंग करते थे, उसका खात्मा किया।

उन्होंने कहा कि बेनीवाल ओछी लोकप्रियता पाने के चक्कर में मीडिया में लगातार अनर्गल बयान देते रहते हैं।

छात्रवृत्ति आवेदनों में रेड फ्लैग 15 मई तक हटा सकेंगे

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग जयपुर ग्रामीण में लगभग साढ़े चार हजार से ज्यादा छात्रवृत्ति आवेदनों में लगाए गए रैड फ्लैग को हटाने के लिए विभाग की ओर से एक अंतिम मौका दिया गया है, जिसके बाद यदि आवेदकों ने इन आवेदनों में संशोधन नहीं कराया तो इन आवेदनों को विभाग की ओर से निरस्त कर दिया जाएगा।

- सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने जयपुर ग्रामीण में चार हजार से अधिक आवेदकों को दिया अवसर

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक जितेन्द्र कुमार सेठी ने बताया कि शैक्षिणक सत्र 2022-23, 2023-24 एवं 2024-25 में छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने वाले छात्रों को अभी तक छात्रवृत्ति नहीं मिली तो वह एक बार पोर्टल पर एप पर लॉगिन कर आवेदन को चैक कर लें, क्योंकि विभाग की ओर से बड़ी संख्या में छात्रवृत्ति चाहने वालों को 'रैड फ्लैग' से मार्क कर दिया था।

जितेन्द्र कुमार सेठी ने बताया कि एक बार छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने के बाद जन आधार से डाटा फैच करने पर एवं आवेदन में किसी प्रकार का बदलाव किया जाता है तो उसे 'लाल निशान' लगा दिया जाता है। जैसे किसी छात्र ने नाम, जन्म तिथि, आधार संख्या, जन आधार संख्या या फिर अन्य कोई बदलाव किया तो उसे संदिग्ध मान लिया गया। इस कारण सत्र 2022-23 और 2023-24 के रैड फ्लैग वाले छात्रों को छात्रवृत्ति नहीं मिली थी।

इन छात्रों को ऑनलाइन ही नोटिस भी दिया गया है। एवं एसएमएस व दूरभाष के माध्यम से भी सूचना करी गई लेकिन अभी तक बड़ी संख्या में छात्र ऐसे हैं, जिन्होंने कोई रिप्लाई नहीं दिया है। ऐसे में इन छात्रों को 15 मई तक का समय दिया है।

उन्होंने बताया कि ऐसे छात्रों को जयपुर ग्रामीण के विभागीय कार्यालय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग जयपुर ग्रामीण जिला परिषद जयपुर बनी पार्क एरिया में संपर्क कर अपने दस्तावेज जमा कराने होंगे। दस्तावेजों की जांच के बाद सही पाने पर रैड फ्लैग हटाने की प्रक्रिया की जाएगी। अन्यथा 15 मई के बाद इन आवेदनों को निरस्त कर दिया जाएगा।

ग्रीष्मकालीन मिलावट विरोधी अभियान में एक मई तक लिए 6280 नमूने

जयपुर। निरामय राजस्थान के उद्देश्य के साथ चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से चलाया जा रहा ग्रीष्मकालीन मिलावट विरोधी अभियान प्रदेशभर में सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है। अभियान के तहत निर्धारित लक्ष्यों से अधिक प्रगति दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में 19 मई से 5 मई तक चलाए जा रहे इस अभियान के प्रथम चरण में 6 हजार नमूने लिए जाने का लक्ष्य रखा गया था, जिसके विरूद्ध 1 मई तक 6280 नमूने लिए जा चुके हैं।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि गर्मी के मौसम में मिलावट एवं खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के प्रभावित होने के मामले अधिक सामने आते हैं। इसे देखते हुए विभाग ने मिलावट विरोधी विशेष अभियान संचालित किया है। अभियान के तहत 1 मई तक 2575 निरीक्षण कर 6280 नमूने लिए गए हैं। इनमें 2545 एन्फोर्समेंट एवं 3735 सर्विलेंस सैम्पल शामिल हैं। ये नमूने प्रमुखत: डेयरी उत्पाद, बर्फ, पेय पदार्थ, मिठाइयों, फल व सब्जियों के हैं।

राठौड़ ने बताया कि निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों की निर्माण इकाइयों पर विशेष फोकस किया गया है। एक मई तक 1140 निर्माण इकाइयों पर निरीक्षण किया गया है। अनियमितता पाई जाने पर करीब 42 निर्माताओं के यहां जब्ती एवं 64 निर्माताओं के यहां नष्टीकरण की कार्रवाई की गई है। इसी रपकार 374 खुदरा विक्रेताओं के यहां निरीक्षण किया गया है।

प्रमुख शासन सचिव ने बताया कि निरीक्षण की कार्यवाही सर्वाधिक मिलावट वाले संभावित स्थानों पर केंद्रित रही है। इसके तहत 1 मई तक बस स्टैण्ड पर 333, रेलवे स्टेशन पर 185, हाईवे फूड प्वाइंटस पर 441 एवं मॉल स्थित फूड प्लाजा आदि पर 103 नमनूे लिए गए हैं। अभियान के तहत की जा रही कार्रवाई की नियमित रूप से राज्य स्तर से मॉनिटरिंग की जा रही है।

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना का दायरा बढ़ने से आमजन को मिलेगा उच्च स्तरीय उपचार : खींवसर

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना का नवीन चरण स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक उन्नत एवं बेहतर बनाएगा। योजना का दायरा बढ़ने और इंटर स्टेट पोर्टेबिलिटी लागू होने से आमजन को अत्याधुनिक एवं उच्च स्तरीय उपचार मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे राज्य सरकार की इस योजना का बेहतरीन ढंग से संचालन सुनिश्चित करें और रोगियों को निर्बाध रूप से इसका लाभ दिलाएं।

खींवसर शनिवार को स्वास्थ्य भवन में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के नए चरण के बेहतर एवं सुगम क्रियान्वयन को लेकर आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गरीब एवं जरूरतमंद सहित अन्य वर्गों के लिए मा योजना जीवनदायी पहल है। राज्य सरकार ने इस वित्तीय वर्ष के बजट में इस योजना का दायरा इतना विस्तृत कर दिया है कि अब सामान्य बीमारी से लेकर रोबोटिक सर्जरी तक का उपचार इस योजना में मिल रहा है। अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि योजना के क्रियान्वयन में किसी तरह की लापरवाही नहीं हो और सूचीबद्ध चिकित्सा संस्थानों में इस योजना का गुणवत्ता के साथ पूरा लाभ मिले।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि योजना के तहत क्लेम के त्वरित एवं सरल निपटान की प्रक्रिया अपनाई जाए। चिकित्सा संस्थानों में उपचार की प्रक्रिया को भी अधिक सुगम बनाया जाए, ताकि लोगों को उपचार आसानी से और समय पर मिले। उन्होंने कहा कि यह राजस्थान के लिए एक बड़ी उपलब्धि है कि अब अन्य राज्यों के लोग भी यहां उपचार के लिए आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस योजना के माध्यम से आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं और निजी अस्पतालों की उपलब्धता का लाभ आमजन को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि विभिन्न हितधारकों के सहयोग से इस योजना की दक्षता में वृद्धि होगी।

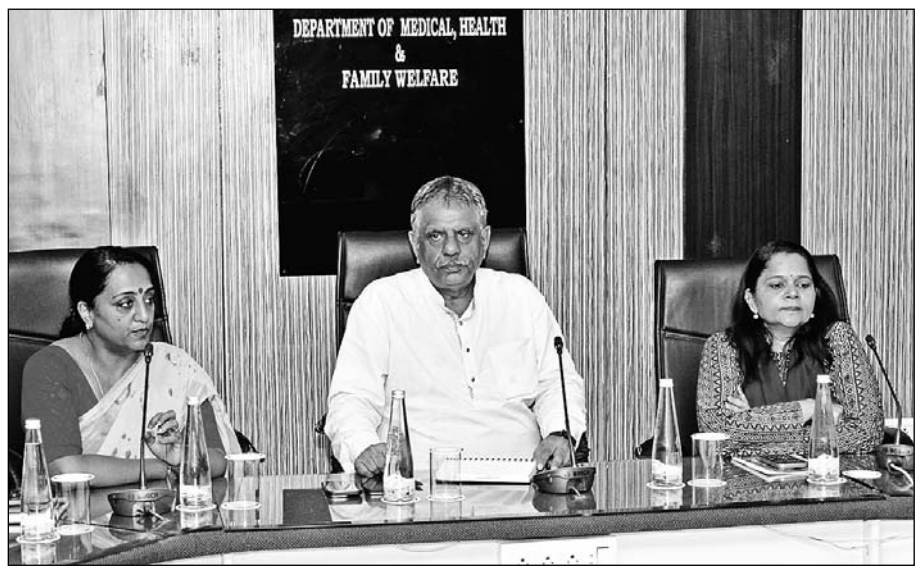

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने स्वास्थ्य भवन में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के नए चरण के बेहतर एवं सुगम क्रियान्वयन को लेकर आयोजित बैठक को संबोधित किया।

खींवसर ने विभिन्न बीमा सेवा प्रदाताओं से संवाद किया और प्रतिस्पर्धी कंपनियों का गहन विश्लेषण भी किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान स्वास्थ्य बीमा की दृष्टि से देश का अव्वल राज्य है। हमारा फोकस है कि स्वास्थ्य बीमा के माध्यम से प्रदेश के हर नागरिक की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित हो। लोग इलाज के खर्च चिंता मुक्त हों और उन्हें विश्व स्तरीय उपचार की सुविधाएं नि:शुल्क मिलें।

खींवसर ने कहा कि मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना राज्य की स्वास्थ्य प्रणाली की रीढ़ है और इसका भविष्य उज्ज्वल है। यह योजना ना केवल लोगों को गुणवत्ता युक्त स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवा रही है, बल्कि राज्य की चिकित्सा व्यवस्था को भी एक नई दिशा दे रही है। योजना से निजी एवं राजकीय क्षेत्र के अस्पतालों की आय में वृद्धि होने के साथ ही उनमें उच्च स्तरीय सुविधाओं का विकास भी संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि योजना से संबद्ध निजी अस्पताल पूरी पारदर्शिता

- स्वास्थ्य बीमा से हर नागरिक की स्वास्थ्य सुरक्षा पर फोकस होगा

और जीवन रक्षा की भावना के साथ इस योजना का लाभ आमजन को दें। किसी भी स्तर पर कोई अनियमितता नहीं हो। अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि सभी अस्पतालों को क्लेम का भुगतान समयबद्ध रूप से हो।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि प्रदेशभर में योजना का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। पैकेज की संख्या बढ़ने, अस्पतालों के एम्पेनलमेंट के नियमों को सरल करने तथा इंटर स्टेट पोर्टेबिलिटी जैसे प्रावधान लागू होने से अब योजना का संचालन और बेहतर हुआ है। हमारा प्रयास है कि योजना के संचालन की प्रक्रियाएं अधिक जनोन्मुखी हों ताकि राजधानी से लेकर गांव-कस्बों तक इसका ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभ मिले।

राजस्थान स्टेट हैल्थ एश्योरेंस एजेंसी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रियंका गोस्वामी ने योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि योजना में करीब 1 करोड़ 34 लाख परिवार पंजीकृत हैं। प्रतिदिन औसतन 8 हजार लोगों को इस योजना से लाभ मिल रहा है। अब योजना में पैकेज की संख्या 1800 से बढ़कर करीब 2300 हो गई है।

एनसीआर में बीएस-4 वाहनों का संचालन रोकने के आदेश पर रोक

जयपुर। राजस्थान हाई कोर्ट ने एनसीआर में दस साल तक के डीजल वाहनों को चलाने की अनुमति होने के बावजूद एनसीआर के भरतपुर क्षेत्र में सात साल पुराने बीएस-4 और यूरो-2 वाहनों का संचालन रोकने और केवल बीएस-6 व यूरो-4 वाहनों का ही संचालन करने की अनुमति देने के परिवहन विभाग के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में परिवहन आयुक्त, कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट, एनसीआर सचिव और क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण, भरतपुर को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस अनिल उपमन की एकलपीठ ने यह आदेश मॉर्डन स्कूल व अन्य की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता संस्थानों ने स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों के आवागमन के लिए साल 2019 में बस खरीद कर उसका भरतपुर आरटीओ से रूट परमिट लिया था। वहीं रूट परमिट की अवधि पूरी होने पर आरटीओ ने उनका नवीनीकरण प्रार्थना पत्र खारिज कर याचिकाकर्ताओं को बीएस-6 व यूरो-4 वाहन ही संचालित करने को कहा। याचिका में कहा गया कि एनजीटी ने 7 अप्रैल, 2015 को दिल्ली और एनसीआर में दस साल पुराने डीजल वाहनों का संचालन नहीं करने को कहा था।

देवनानी पहुंचे शिव महापुराण कथा में

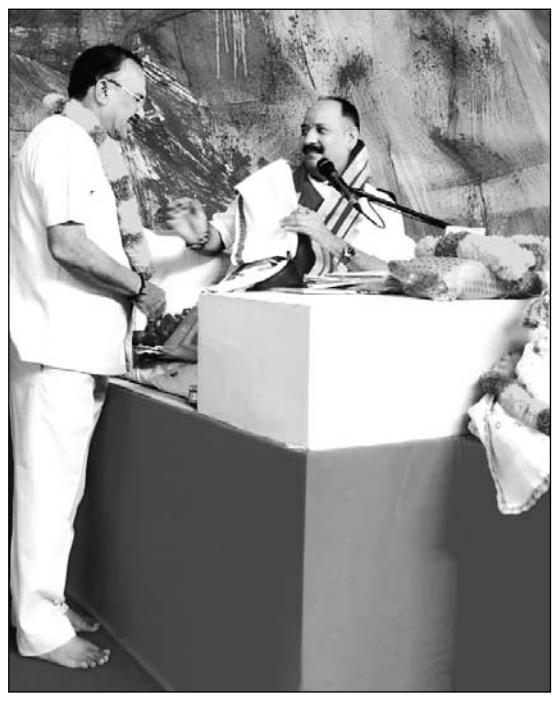

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी शनिवार को विद्याधर नगर स्टेडियम में आयोजित सात दिवसीय शिव महापुराण कथा में पहुंचकर पंडित प्रदीप मिश्रा को दुपट्टा व शॉल ओढाकर कर और माला पहनाकर उनका आशीर्वाद और कथा का प्रसाद प्राप्त किया।

देवनानी ने कहां कि अंतरराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता, भागवत भूषण पं. प्रदीप मिश्रा (सीहोर वाले) के श्री मुख से पावन कथा का वाचन हो रहा है। श्री शिव महापुराण कथा में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालुओं की उपस्थिति और श्रद्धा भाव अद्भुत है। पं. प्रदीप मिश्रा भगवान शिव और माता पार्वती से जुड़े प्रसंगों में अमर कथा के रहस्य रोचकता के साथ उजागर कर रहे हैं।

आज नीट यूजी का एग्जाम

तीन घंटे पहले से शुरू होगी एंट्री, आधे घंटे पहले बंद हो जाएंगे सेंटर के गेट

झुंझुनूं। रविवार को एनटीए की ओर से होने वाले नीट यूजी के एग्जाम की तैयारियां पूरी कर ली गई है। झुंझुनूं जिले में परीक्षा को लेकर 18 परीक्षा केंद्र बनाए गए है।

पहले प्राइवेट स्कूलों में भी परीक्षा केंद्र बनाए जाते थे। लेकिन इस बार एनटीए से मिली गाइडलाइन के अनुसार सिर्फ सरकारी स्कूल और कॉलेजों में ही सेंटर बनाए गए है। जिसके चलते ना केवल झुंझुनूं जिला मुख्यालय, बल्कि आबूसर, आबूसर का बास, इंडाली, उदावास, हेतमसर, चिड़ावा, मुकुंदगढ़ और नवलगढ़ में भी सेंटर बनाए गए है। इन सेंटरों पर कुल 5736 परीक्षार्थी परीक्षा दे सकेंगे। हर 12 परीक्षार्थियों पर एक वीक्षक लगाया गया है। लगभग हर सेंटर में एक कक्ष में 24 परीक्षार्थियों की बैठने की व्यवस्था की गई है। जिसके लिहाज से हर कक्ष में दो वीक्षक होंगे। वहीं परीक्षार्थी किसी भी इलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइस, खासकर ब्लूटूथ और मोबाइल आदि से नकल ना कर सके। इसके लिए सभी परीक्षा केंद्रों में दो कक्षों के बीच एक जैमर लगाया गया। साथ ही परीक्षा केंद्रों के कक्षों को सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में रखा गया। सीसीटीवी कैमरों के अलावा वीडियोग्राफी भी होगी। जिसमें हर परीक्षार्थी का चेहरा रिकॉर्ड किया जाएगा। एडीएम डॉ. अजर्य आर्य तथा परीक्षा समन्वयक महेंद्र सिंह ने बताया कि परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश परीक्षा शुरू होने से तीन घंटे पहले, यानि कि 11 बजे शुरू कर दिया जाएगा। यह प्रवेश दोपहर डेढ बजे तक दिया जाएगा। इसके बाद परीक्ष केंद्र के दरवाजे बंद कर दिए जाएंगे। परीक्षा केंद्र में प्रवेश के वक्त परीक्षार्थियों की बायोमेट्रिक मशीनों से पहचान और उपस्थिति होगी। दोपहर दो से शाम पांच बजे तक परीक्षा होगी। सभी परीक्षा केंद्रों के लिए एक-एक ड्यूटी मजिस्ट्रेट लगाया गया है। जो आएएस या फिर तहसीलदार स्तर का अधिकारी है। उड़न दस्ते आदि भी तय कर दिए गए है। परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से और पारदर्शिता के साथ निपटे इसके लिए ट्रेनिंग के जरिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए है। केंद्रों पर बिजली व पानी की समुचित व्यवस्था की गई है। वहीं मेडिकल टीमें भी अलर्ट मोड पर रहेगी।

सभी परीक्षा केंद्र सरकारी स्कूल और कॉलेजों में, जिले के 18 परीक्ष केंद्रों पर बैठ सकेंगे 5736 विद्यार्थी।

डीआईजी द्वारा परीक्षा में नियोजित जाब्ते को किया गया ब्रीफ: इसी क्रम में रिजर्व पुलिस लाइन में डीआईजी शरद चौधरी द्वारा राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा नीट यूजी- 2025 के दौरान जिले में सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए नियोजित किए जाने वाले अधिकारियों व कार्मिकों को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से ब्रीफ किया गया। इस दौरान एएसपी मुख्यालय देवेंद्रसिंह राजावत भी मौजूद रहे। डीआईजी चौधरी ने बताया कि परीक्षा के सुचारू एवं निष्पक्ष संचालन को सुनिश्चित करने के लिए रिजर्व पुलिस लाइन में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जिले के थाना व कार्यालय के लगे जाब्ते को ब्रीफ किया गया। उन्होंने कहा कि परीक्षा के लिए जिले में व्यापक सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था के इंतजाम किए गए हैं। जिले के कुल 18 परीक्षा केंद्रों पर प्रत्येक पर एक उप निरीक्षक, सहायक उप निरीक्षक स्तर के अधिकारी को नियोजित किया जाकर परीक्षा केंद्र का नोडल अधिकारी व पुलिस टीम लीडर नियुक्त किया गया है। परीक्षा केंद्रों के आस-पास, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन व भीड़ भाड़ वाले स्थानों पर फिक्स पिकेट्स लगाए गए है। जिला मुख्यालय पर व पड़ौस के स्थित कुल 12 परीक्षा केंद्रों पर पुलिस मोबाइल पार्टियां लगाई गई हैं। परीक्षा के दौरान सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए संबंधित को आवश्यक निर्देश दिए गए। सभी पुलिसकर्मियों को परीक्षा केंद्रों पर शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने, किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकने तथा परीक्षा की गोपनीयता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। ब्रीफिंग के दौरान सभी पुलिसकर्मियों को परीक्षा केंद्रों पर सतर्कता बरतने, अनुशासन बनाए रखने तथा किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा। संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाएगी तथा नकल करवाने या कराने के प्रयासों पर सख्त कार्रवाई होगी। अफवाह फैलाने या भ्रामक सूचनाएं प्रसारित करने वालों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। आमजन से भी अपील की जाती है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देंवे।

- परीक्षार्थी किसी भी इलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइस, खासकर ब्लूटूथ और मोबाइल आदि से नकल ना कर सके। इसके लिए सभी परीक्षा केंद्रों में दो कक्षों के बीच एक जैमर लगाया गया।

अजमेर में छह बांग्लादेशी नागरिक पकड़े

पुलिस ने अजमेर में सघन तलाशी अभियान में 6 बांग्लादेशी लोगों को पकड़ा।

अजमेर, (कासं)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद देश भर में सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं। इसी कड़ी में अजमेर जिले में भी पुलिस ने संदिग्ध विदेशी नागरिकों और अवैध रूप से रह रहे लोगों के खिलाफ सघन तलाशी अभियान चलाया। पुलिस ने इस विशेष अभियान में 2,151 संदिग्धों से पूछताछ की, जिनमें से 6 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को डिटेन किया गया है।

अजमेर रेंज डीआईजी ओमप्रकाश और पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के निर्देश पर जिले भर में सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। एएसपी हिमांशु जांगिड़, एएसपी ग्रामीण दीपक कुमार शर्मा और केकड़ी के शेराजमल मीणा की निगरानी में थाना क्षेत्रों में विशेष पुलिस टीमें गठित की गईं। पूछताछ और दस्तावेज़ों की जांच के बाद 6 बांग्लादेशी नागरिकों को अवैध रूप से रहने के आरोप में डिटेन किया है। सभी बिना वैध दस्तावेजों के भारत में रह रहे थे।

पुलिस टीमों ने रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, होटलों, धर्मशालाओं, ईंट भट्टों, दरगाह क्षेत्र, तारागढ़ की पहाड़ी, जालियान कब्रिस्तान, लोगियां मोहल्ला और अन्य संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान गुप्त सूचना, तकनीकी संसाधनों और स्थानीय इंटेलिजेंस के आधार पर सघन पूछताछ की गई। पुलिस ने जमीर शाह, मीर झरना बेगम, मोहम्मद रफीकुल इस्लाम उर्फ बाबू चिश्ती, मंजारूल इस्लाम, अब्दुल कादिर और खाईकल इस्लाम को हिरासत में लिया है। ये सभी बांग्लादेश के अलग-अलग इलाकों से हैं। इसके अलावा सरवाड़ पुलिस ने चलाये सादिग्धों के खिलाफ धर पकड़ अभियान में दो बांग्लादेशी को पकडा है। सरवाड़ केकड़ी उप-अधीक्षक हर्षित शर्मा के निर्देशन में व सरवाड़ थाना अधिकारी जगदीश प्रसाद चौधरी की अगुवाई में संदिग्ध लोगों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है वहीं शहर में लंबे समय से दरगाह क्षेत्र अन्य स्थानों पर रह रहे खानाबदोश व संदिग्ध लोगों की पहचान को लेकर पुलिस प्रशासन ने 80 से अधिक लोगों को डिटेन किया और थाने लाकर पूछताछ की पुलिस की इस कार्यवाही से दरगाह क्षेत्र सहित अन्य स्थानों पर हड़कंप मच गया। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमलें के बाद से ही यहां दरगाह क्षेत्र समेत अन्य स्थानों पर रह रहे खानाबदोश के दस्तावेजों की जांचक पड़ताल की जा रही है वहीं सरवाड़ थाना पुलिस ने जब थाने लेकर आई लोगों से पूछताछ की तो कार्रवाई में बांग्लादेश हबीबगंज सिलहज चबरा निवासी अब्दुल कादिर उम्र 63 पुत्र मोहम्मद नोसाई मियां और पुटवाकली मीरजागंज बासुन्दा खाइकल इस्लाम उम्र 35 पुत्र कबीर आला दास को सरवाड़ से पकड़ा गया वहीं थाना प्रभारी जगदीश प्रसाद चौधरी ने बताया कि सभी संदिग्ध लोगों की जांच पड़ताल की जाएगी।

एटीएम मशीन काट 8 लाख रुपए ले उड़े बदमाश

उदयपुर, (कासं)। सलूंबर में शनिवार को एटीएम को काटकर उसमें रखे लाखों रुपए चोरी करने की घटना के बाद हडकंप मच गया। घटना शनिवार तडके की बताई जा रही है। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई लेकिन चोरों ने एटीएम के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे पर स्प्रे कर दिया।

शनिवार सुबह एटीएम के बाहर से गुजर रहे लोगों ने जब एटीएम टूटा देखा तो पुलिस और बैंककर्मियों को इसकी सूचना दी। इस पर पुलिस और बैंककर्मी तुंरत मौके पर पहुंचे। चोरी हुआ एटीएम सलूंबर में पंचायत समिति कार्यालय के सामने आबादी क्षेत्र में बैंक ऑफ इंडिया का एटीएम के लगा हुआ था। इसके बाद बावजूद चोर चुराकर ले गए। चोरों ने एटीएम को गैस कटर से काटा। सुबह.सुबह जब लोगों की आवाजाही शुरू हुई तब पता चला कि एटीएम पर चोरी की घटना हुई।

सूचना पर बैंककर्मी और पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद पुलिस ने एटीएम में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला तो पता चला कि चोर करीब साढे तीन बजे सफेद स्कॉपियो कार से आए जिसमें करीब 3 से 4 लोग सवार थे वहीं बैंककर्मिचों के पहुचंने के बाद पता चला कि चोर एटीएम से करीब आठ लाख 35 हजार रुपए लेकर फरार हो गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बनवारीलाल, पुलिस डिप्टी हेरम्भ जोशी, थानाधिकारी मनीष खोईवाल सहित पुलिस के आला अधिकारियों ने मौका मुआयना किया। सलूंबर थानाधिकारी मनीष खोईवाल ने बताया कि इस मामले में जांच शुरू कर दी है।

उन्होंने बताया कि बाहर की तरफ और आसपास लगे सीसी टीवी भी खंगाल रहे है। एटीएम के बाहर लगे सीसीटीवी में चार नकाबपोश दिखे थे जो सुबह तड़के करीब साढ़े तीन बजे अंदर जाते दिखे। अंदर जाते ही इन्होंने नकाबपोश में अंदर के सीसी टीवी पर स्प्रे किया और उसके बाद एटीएम को काटने का काम शुरू किया और बाद में नकदी बॉक्स लेकर चले गए।उन्होंने बताया कि बारदात की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। सीसीटीवी फुटेज सहित अन्य बिंदुओं पर पड़ताल की जा रही है। नकाबपोश बदमाशों ने बारदात को अंजाम दिया है। संदिग्धों की तलाश की जा रही है।

- सुबह एटीएम के बाहर से गुजर रहे लोगों ने जब एटीएम टूटा देखा तो पुलिस और बैंककर्मियों को सूचना दी

लाठियां डंडों से जमकर हमला

भीलवाड़ा । जिले के बनेड़ा थाना क्षेत्र स्थित सुल्तानगढ़ गांव में शादी समारोह के दौरान दो पक्षों में हुआ विवाद मारपीट में बदल गया और एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर लाठियां डंडों से जमकर हमला कर दिया, जिसमें आधा दर्शन लोग घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार सुल्तानगढ़ निवासी घीसी देवी पत्नी देवीलाल नायक और प्यारा पिता मांगू लाल नायक को मारपीट में गंभीर घायल होने पर जिला मुख्यालय स्थित महात्मा गांधी चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया है, उनका आरोप है कि उनके परिवार में शादी समारोह के दौरान देर रात को डीजे बज रहा था परिवार के लोग डांस कर रहे थे। इस दौरान पड़ोसी देवीलाल, लादू, नारायण सहित आधा दर्जन से ज्यादा लोगों ने उन पर शराब के नशे में धुत्त होकर जानलेवा हमला कर दिया।

लाठियां डंडों और कुल्हाड़ी से किए गए हमले का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वहीं दूसरी ओर दोनों घायलों को महात्मा गांधी चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया है जबकि कुछ अन्य घायलों का स्थानीय हॉस्पिटल में प्राथमिक उपचार करने के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। बनेठा थाना पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

सबसे तेज पगड़ी बांधने वाले दुनिया के पहले व्यक्ति बने पवन व्यास

बीकानेर । राजस्थान की पारंपरिक शान 'पगड़ी' को वैश्विक पहचान दिलाने वाले पवन व्यास ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने सिर्फ 10.56 सेकंड में पगड़ी बाँधकर दुनिया के सबसे तेज़ पगड़ी बांधने वाले व्यक्ति का खिताब अपने नाम कर लिया। यह रिकॉर्ड 2 दिसंबर 2023 को बीकानेर में बनाया गया, जिसे गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा 2 मई 2024 को आधिकारिक मान्यता दी गई।

इससे पूर्व यह रिकॉर्ड आदित्य पंचोली के नाम था, जिन्होंने 14.12 सैकंड में पगड़ी बाँधकर यह उपलब्धि हासिल की थी। पवन व्यास ने यह रिकॉर्ड तोड़कर नया इतिहास रच दिया। पवन ने दसों उंगलियों पर दस अलग-अलग प्रकार के राजस्थानी साफे बाँधकर यह अद्वितीय रिकॉर्ड बनाया, जिसे इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया। उन्होंने पहले 1569 फीट लंबा साफा बनाया, फिर इस रिकॉर्ड को तोड़ते हुए 2025 फीट लंबी पगड़ी बाँधकर वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नया रिकॉर्ड स्थापित किया। यह उपलब्धि 2025 में आयोजित अंतरराष्ट्रीय ऊँट उत्सव के दौरान दर्ज हुई और प्रमाण पत्र प्रतिनिधि प्रथम भल्ला द्वारा सौंपा गया।

- गिनीज बुक में दर्ज हुआ रिकॉर्ड

बीकानेर के बाफ़ना स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में पवन ने सिर्फ 1 घंटे में 205 लोगों को पगड़ी बाँधी, जो एक अविश्वसनीय उपलब्धि है।पवन व्यास ने कहा:'मेरा उद्देश्य राजस्थानी पगड़ी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा दिलाना है। मैं सरकार से अपील करता हूँ कि एक दिन 'पगड़ी दिवस' घोषित किया जाए, जिस दिन सभी अधिकारी, नेता, शिक्षक आदि पारंपरिक पगड़ी पहनकर अपने दायित्वों का निर्वहन करें। इससे यह अद्भुत कला आने वाली पीढ ियों तक सुरक्षित रह सकेगी। पवन व्यास अब तक 150000 से अधिक पारंपरिक पगडि़याँ बाँध चुके हैं। उन्होंने कई फिल्मी कलाकारों और यहां तक कि प्रधानमंत्रा नरेंद्र मोदी जी के लिए भी पगड़ी डिज़ाइन की है। उनका यह प्रयास ना केवल सांस्कृतिक संवर्धन है बल्कि राजस्थान की परंपराओं को विश्व मंच पर स्थापित करने की दिशा में एक प्रेरणास्पद कदम है।

प्रेमिका की हत्या के बाद प्रेमी फंदे से लटका

हनुमानगढ़ । प्रेमी ने अपनी प्रेग्नेंट प्रेमिका की गला दबाकर हत्या कर दी। उसके बाद प्रेमी ने खुद भी फंदे से लटककर सुसाइड कर लिया। मामला संगरिया थाना इलाके के ढाबां गांव का है। संगरिया सीओ करण सिंह ने बताया कि राजू सिंह (50) अपने घर में सुमन (25) के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा था। सुबह 8 बजे तक दोनों जब घर से बाहर नहीं निकले तो पड़ोसी ने उसके घर पर जाकर देखा। जहां फर्श पर सुमन का शव पड़ा था और राजू सिंह फंदे से लटका पड़ा था। सीओ करण सिंह ने बताया कि राजू सिंह की 15 साल पहले शादी हुई थी। बाद में पत्नी से मनमुटाव होने के बाद तलाक दे दिया था। राजू सिंह का पहली पत्नी से एक लड़का है, जो पत्नी से तलाक के बाद से ननिहाल में ही रहता था। सीओ करण सिंह ने बताया कि सुमन की 10 साल पहले भगतपुरा निवासी कर्मजीत सिंह से शादी हुई थी। उसके दो लड़के भी हैं। उसके बाद सुमन अपने पति का साथ छोड़कर राजू सिंह के पास रहने के लिए आ गई। सुमन गर्भवती भी थी। सीओ करण सिंह ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (एफएसएल) और मोबाइल फॉरेंसिक यूनिट की टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं।

नाकाबांदी में कार से सवा करोड़ के पुराने नोट मिले, तीन हिरासत में

उदयपुर, (का.स.)। सलूंबर पुलिस ने शनिवार को नाकाबंदी के दौरान हाइवे पर एक कार से करीब सवा करोड़ रुपए के पुराने नोट जब्त किए है। इसमें सवार तीन जनों को पुलिस ने हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि ये नोट बदलावाने आए थे।

सलूंबर एसपी राजेश यादव ने बताया कि सलूंबर थानाधिकारी मनीष खोईवाल को मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने उदयपुर-सलूम्बर मेगा हाइवे पर नाकाबंदी की। इस दौरान एक कार को रुकवाया और चेक किया तो अंदर नोटों की गड्डियां पड़ी मिली थी।पुलिस ने मामले तीन आरोपियों को पकड़ा जो गाड़ी में सवार थे। पुलिस ने नोटों की गिनती की तो सामने आया कि कार में 1000 रुपए की 98 गड्डियां तो 73 गड्डियां 500 रुपए की थी। कुल मिलाकर यह राशि करीब एक करोड़ 34 लाख 50 हजार रुपए थी।एसपी ने बताया कि गाड़ी में ही कुछ कागजों के साथ केमिकल मिला था। उन्होंने बताया कि इस मामले में पुलिस ने नांदेड के रहने वाले पदमावत कुलकर्णी, कन्हैयालाल मेहता और कयूम को पकड़ा है।

एसपी ने बताया कि कन्हैयालाल सलूंबर के बस्सी का ही रहने वाला है और मुंबई में व्यापार करता है। एसपी ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में लोगों ने बातया कि हम नोट बदलवाने आए है और इसके बदले हमे 12 प्रतिशत वेल्यू मिल रहा था।थानाधिकारी मनीष खोईवाल ने बताया कि पुराने नोटो का अवैध परिवहन करते हुए पकड़े आरोपियों से पूछताछ जारी है।

युवती ने की आत्महत्या

कोटा, (निसं)। रानपुर थाना इलाके में एक युवती ने घर के बाहर पेड़ पर फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। शनिवार सुबह परिजन जब उठे और पेड़ पर युवती को लटका देखा तो उसे नीचे उतार कर उपचार के लिये एमबीएस अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सक ने जांच के बाद युवती को मृत घोषित कर दिया। रानपुर थानाधिकारी रामविलास मीणा ने बताया कि बाबड़ी खेड़ा की झोपडियां निवासी प्रिया (19) ने घर परिसर में लगे नीम के पेड़ पर फांसी का फन्दा लगा कर सुसाईड कर लिया। थानाधिकारी ने बताया कि प्रिया फर्स्ट ईयर की स्टूडेन्ट थी, मामले में परिजनों से जानकारी मिली है कि शुक्रवार शाम को किसी समारोह में बाहर गये थे और रात्रि को वापस घर आकर सभी सोने चले गये। शनिवार सुबह परिजन उठे तो प्रिया घर के बाहर नीम के पेड़ पर फंदे पर लटकी हुई मिली। थानाधिकारी ने बताया कि मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

बारात पहुंचने से पहले दूल्हे पर किया चाकू से हमला

कोटा, (निसं)। देवली मांझी थाना इलाके में शुक्रवार रात्रि को लड़की वालों के घर बारात पहुंचने से पहले घोड़ी पर बैठे दूल्हे पर अचानक से चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया। हमले में घायल दूल्हे को उपचार के लिये कोटा के एमबीएस अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद अज्ञात हमलावर मौके से फरार हो गया, वहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात हमलावर की तलाश करते हुए घटना के कुछ घंटो बाद ही हमलावर को डिटेन कर गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार बूंदी जिले के इंद्रपुरिया गांव निवासी लक्ष्मीनारायण बैरवा की बारात देवली मांझी थाना इलाके के सातलखेड़ी गांव में आई थी, सातलखेड़ी निवासी मीनाक्षी के साथ उसका विवाह होना था। सातलखेड़ी गांव में शुक्रवार रात्रि को बारात निकल रही थी दूल्हा लक्ष्मीनारायण सबसे पीछे घोड़ी पर बैठा हुआ था और उसके दोस्त व परिजन आगे डांस कर रहे थे तभी बारात पहुंचने से पहले अज्ञात हमलावर ने लक्ष्मीनाराण के ऊपर चाकू से हमला कर दिया जिससे वह घोड़ी से नीचे गिर गया और मौके पर एकदम भगदड़ मच गई और हमलावर मौका पाकर मौके से फरार हो गया। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि बूंदी जिले से बारात देवली मांझी इलाके के सातलखेड़ी गांव आई थी। बारात में दूल्हे पर चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया। परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि हमलावर उसी गांव का रहने वाला है जिसे पुलिस टीम ने घटना के कुछ घंटो में डिटेन कर गिरफ्तार कर लिया। डिटेन किये गये आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

- हमलावर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बॉर्डर पर मिली 3 किलो 32 ग्राम हेरोइन की खेप

श्रीगंगानगर । भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर रावला क्षेत्र में 3 किलो 32 ग्राम हेरोइन मिलने के मामले में पुलिस ने तीसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। अब तक इस केस में तीन आरोपी पकड़े जा चुके हैं।

पुलिस अधीक्षक गौरव यादव ने बताया कि 21 मार्च 2025 को बीएसएफ पोस्ट खानूवाली के कंपनी कमांडर दीपक कुमार ने रावला थानाधिकारी नवनीत सिंह को सूचना दी थी कि रोही चक 03 केएनएम में एक संदिग्ध पैकेट पड़ा है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जांच में दो पारदर्शी पॉलिथीन की थैलियों में कुल 3 किलो 32 ग्राम हेरोइन मिली। आसपास के खेतों और बॉर्डर इलाके में तलाशी ली गई, लेकिन कोई व्यक्ति नहीं मिला। पुलिस ने हेरोइन जब्त कर रावला थाने में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहतऊ मुकदमा दर्ज किया।

केस की जांच घड़साना थानाधिकारी महावीर प्रसाद को सौंपी गई। तकनीकी जांच और मुखबिर की सूचना पर पहले ही अमनदीप सिंह और सोनू उर्फ गोरा को गिरफ्तार किया जा चुका है। अब तीसरे आरोपी सुखदेव सिंह उर्फ रमनदीप उर्फ दीप उर्फ बंटी को फरीदकोट के केंद्रीय कारागृह से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया गया है। वह मूल रूप से बोराके, थाना सदर फिरोजपुर, पंजाब का रहने वाला है। फिलहाल वह मोहन के उत्ताड़, थाना गुरसहाय, जिला फिरोजपुर में रह रहा था। पूरे मामले में पूछताछ और जांच जारी है।

कोटा में नीट परीक्षा के आयोजन को लेकर ऑटो चालकों की मनमानी

नीट-यूजी परीक्षार्थियों से किराया वसूली की शिकायतों पर परिवहन विभाग का एक्शन

कोटा, (निसं)। मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी रविवार को दोपहर 2 से 5 बजे तक होगी। कोटा में 73 परीक्षा केन्द्रों पर 32 हजार 424 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। शहर के 32 राजकीय और 41 निजी विद्यालयों में परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। ये परीक्षा केन्द्र स्टेशन से लेकर शहर के लगभग सभी क्षेत्रों में स्थित हैं। परीक्षा केन्द्रों तक आने-जाने के लिए परीक्षार्थी और अभिभावक एक दिन पहले ही ऑटो और यातायात के साधन बुक करने लगे हैं। ऐसे में कई शिकायतें भी जिला प्रशासन के पास पहुंच रही है। कुछ रिकॉर्डिंग्स आ रही है, जिसमें ज्यादा किराया चार्ज करने की बातें आ रही है। इन्हीं शिकायतों के चलते परिवहन विभाग एक्शन मोड में है। ऑटो चालकों से समझाईश के साथ उन्हें चेताया जा रहा है। इसके साथ ही जिला प्रशासन और परिवहन विभाग द्वारा परीक्षार्थियों को सुविधा देने का प्रयास किया जा रहा हैं। जिला परिवहन अधिकारी (आरटीओ) मनीष शर्मा ने बताया कि इस संबंध में शहर के ऑटो यूनियन के पदाधिकारियों की बैठक ली गई। इसमें सभी को स्टूडेंट्स की मदद करने और जिम्मेदारी से परीक्षा केन्द्र छोड़ने के लिए पाबंद किया गया। ज्यादा किराया चार्ज नहीं करने को लेकर निर्देश दिए गए हैं। यदि शिकायत आती है और सही पाई जाती है तो ऑटो चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही शहर के रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड पर संचालित किए जाने वाले ऑटो स्टैंड पर भी ऑटो संचालकों को एकत्रित करके उनसे समझाईश की गई है। इंस्पेक्टर अवधेश डांगी द्वारा ऑटो चालकों को निर्धारित किराया लेने तथा परीक्षार्थियों को केयर करते हुए परीक्षा केन्द्र तक पहुंचाने के लिए कहा गया है।

- रेलवे स्टेशन व बस स्टैंड पर संचालित ऑटो चालकों से की गई समझाईश
- लैंडमार्क सिटी, जवाहर नगर और बारां रोड कोरल पार्क से सुबह सिटी बसों का संचालन होगा

आरटीओ मनीष शर्मा ने कहा कि इसके साथ ही परीक्षार्थियों को एडिशनल सपोर्ट देने के लिए विभाग की ओर से रविवार को विशेष रूप से शहर के लैंडमार्क सिटी, जवाहर नगर और बारां रोड नया नोहरा क्षेत्र से सुबह सिटी बसों का संचालन किया जाएगा। इन इलाकों में सिटी बसें भी परीक्षार्थियों के लिए विकल्प होगा, जहां से वे परीक्षा केन्द्र तक जा सकेंगे। ऑटो चालकों को बताया गया है कि कोटा में स्टूडेंट्स अपना कॅरियर बनाने आते हैं। कई सालों की मेहनत के बाद ये परीक्षा के क्षण उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। इस समय यदि कुछ भी होता है तो उनकी मेहनत पर पानी फिरने जैसा होगा। ऐसे समय में उन्हें बेस्ट केयरिंग देने की कोशिश करें। कहीं कोई परीक्षार्थी परेशानी में दिखे तो उसकी मदद करें।

संयुक्त बैठक आयोजित : लोकसभा अध्यक्ष द्वारा प्राप्त निर्देशो की पालना में शुक्रवार को नगर निगम कोटा दक्षिण के आयुक्त अनुराग भार्गव ने शहर के विकास को लेकर नगर निगम उत्तर व दक्षिण की संयुक्त बैठक आयोजित कर अधिकारियों/अभियंताओं/ कर्मचारियों को निम्न आवश्यक निर्देश प्रदान किये-शहर में लग रहे अवैध होर्डिंग्स/पोस्टर/ बैनर हटाने एवं जुर्माना लगाकर आवश्यकता होने पर एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिये। वहीं शहर की सड़कों एवं डिवाइडरों पर हो रहे अतिक्रमण/अवैध निर्माण को फोटो-वीडियोंग्राफी के माध्यम से चिन्हित कर आवश्यक कार्यवाही करने, फुटपाथ पर स्थापित अवैध ठेलों व वाहनों को व्यवस्थित करने के निर्देश दिये साथ ही निगम की सरकारी भूमियों को चिन्हित कर अन्य एजेन्सीयों के सहयोग से नीलाम करने की कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। नगर निगम के अन्तर्गत आने वाले सामुदायिक भवनों, शमशानों, श्री अन्नपूर्णा रसोईयों की कार्ययोजना तैयार करने, वार्डों में चिन्हित कचरा पोईन्टों पर कचरा समयबद्ध तरीके से उठवाने एवं कचरा पोइन्टों को सुव्यवस्थित करवाने, नालों का पानी चंबल नदी में नहीं गिरे इसके लिए प्रोजेक्ट तैयार कर उनको टेपिंग कर एस.टी.पी. से जोड़ने, लोगों को नालों में कचरा फेकने से रोकने के लिए नालों की दीवारों को ऊचां करने व समस्त नाला क्रॉसिंग को सही करवाने, सीवरेज मैन हॉल्स को सड़क के लेवल में करने और टेण्डर व वर्क ऑर्डर पश्चात कार्यो को समयसीमा के अन्दर पूर्ण करवाने से संबंधित निर्देश प्रदान किये गये।

छात्र-छात्रा व बुजुर्ग में हुई कहासुनी

कोटा, (निसं)। दादाबाड़ी थाना इलाके में एक गार्डन में बैठे छात्र-छात्रा व स्थानीय एक बुजुर्ग के बीच हुई कहासुनी के बाद झगड़े का मामला सामने आया है दोनों पक्षों ने दादाबाड़ी थाने में एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दी है।

पुलिस ने दोनों पक्षों की तरफ से शिकायत लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। दादाबाड़ी थानाधिकारी मागेलाल यादव ने बताया कि दादाबाड़ी स्थित सद्भावना पार्क में छात्र-छात्रा बैठे थे। गार्डन की समिति के एक बुजुर्ग ने उन्हे गार्डन से बाहर जाने को कहा जिस पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई और उसी समय समिति के अन्य सदस्य भी मौके पर पहुंच गये। मामले में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दी है, मामले की जांच की जा रही है। मामले में सामने आया कि दोनों पार्क में बैठकर नीट के पेपर एवं एडमिट कार्ड को लेकर आपस में बात कर रहे थे। उसी दौरान एक व्यक्ति आया और दोनों को पार्क से बाहर निकल जाने को लेकर चिल्लाने लगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मुझे लगता है कि ये दोनों प्लेयर्स तीनों फॉर्मेट के लिए बेस्ट हैं। शास्त्री ने सीरीज को लेकर कहा कि अगर मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी फिट रहें तो इंग्लैंड को टेस्ट सीरीज में बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। - रवि शास्त्री

टीम इंडिया के पूर्व कोच, टीम इंडिया के बारे में बात करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

कैगिसो रबाड़ा

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा ने कहा कि वह ड्रग टेस्ट में विफल होने के कारण अनंतिम निलंबन की सजा काट रहे हैं। उन्होने कहा मैं एक अनंतिम निलंबन की सजा काट रहा हूं और मैं उस खेल में वापसी करने के लिए उत्सुक हूं जिसे खेलना मुझे पसंद है। रबाडा अच्छी फॉर्म में थे और अक्टूबर में 300 विकेट लेने वाले छठे दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर बने। वह 11,817 गेंदें खेलकर इस मील के पत्थर तक पहुँचने वाले सबसे तेज़ गेंदबाज़ थे। उन्होंने इस सीज़न में टाइटन्स के पहले दो आईपीएल मैच खेले, जिसमें उन्होंने दो विकेट लिए और फिर घर वापस आ गए।

क्या आप जानते हैं ?... लीग में सर्वाधिक सफल रन चेज का रिकॉर्ड पंजाब किंग्सके नाम है, जिसने 2024 सीजन के दौरान कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 262 रनों का पीछा किया था।

सांस रोक देने वाले मुकाबले में बेंगलुरु ने जीत के साथ प्लेऑफ की ओर कदम बढ़ाया

बेंगलुरु, 3 मई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के सांस रोक देने वाले मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने शनिवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को दो रन से हरा कर 16 अंकों के साथ प्लेऑफ में जगह लगभग पक्की कर ली है।

चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी ने पहले खेलते हुये पांच विकेट पर 213 रन बनाये जिसके जवाब में चेन्नई निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट पर 211 रन ही बना सकी। बेंगलुरु की ओर से जेकब बेथेल (55) और विराट कोहली (62) के बाद रोमारियो शेफ़र्ड (53 रन नाबाद, 14 गेंद चार चौके और छह छक्के) ने धमाकेदार बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुये चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के सामने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य निर्धारित करने में अहम किरदार निभाया।

जवाब में आयुष म्हात्रे (94) और रविंद्र जडेजा (77 नाबाद) ने शानदार बल्लेबाजी करते हुये जरुरी रन रेट के आसपास बने रहने का सफल प्रयास किया। उनके इस काज में भाग्य का भी साथ मिला जब बेंगलुरु के क्षेत्ररक्षकों ने चार आसान कैच टपकाये। आखिरी ओवर में चेन्नई को जीत के लिये 15 रन की जरुरत थी मगर यश दयाल ने अनुशासित गेंदबाजी कर चेन्नई को एक और हार झेलने पर विवश कर दिया। अंतिम ओवर में यश द्वारा फेंकी गयी नो बॉल पर शिवम दुबे (8) ने छक्का

जड़ कर अपनी टीम की वापसी करा दी थी मगर दयाल ने आखिरी दो गेंदो पर सिर्फ सिंगल लेने की छूट दी और मैच चेन्नई के जबड़े से छीन लिया।

17 साल के म्हात्रे आईपीएल के जरिये भारत की एक और सफल खोज साबित हुये। मात्र छह रन से चूके म्हात्रे ने 48 गेंदों में नौ चौके और पांच छक्के लगाये। दूसरे छोर पर जडेजा ने भी आज अपने हाथ खोले मगर चेन्नई को हार से नहीं बचा सके।

इससे पहले बेंगलुरु के लिये बेथेल और कोहली ने धमाकेदार शुरुआत की थी जबकि आखिरी के ओवरों में दर्शकों की सारी वाहवाही शेफर्ड लूट ले गये जब उन्होने 19वें और 20वें ओवर में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुये न सिर्फ अपना अर्धशतक पूरा कर लिया बल्कि चेन्नई के सामने एक चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखने में अहम भूमिका अदा की।

कोहली और बेथेल के आउट होने के बाद चेन्नई के गेंदबाजों के सामने बेंगलुरु का मध्यक्रम दवाब में बिखरता नजर आया। इन नाजुक क्षणों पर शेफर्ड तूफान बन कर सामने आये। पारी के 19वें ओवर में उन्होने खलील अहमद की गेंदों पर शेफ़र्ड ने चार छक्के और दो छक्के ठोक कर मैदान पर उबाल ला दिया जबकि आखिरी ओवर में पथिराना की अनुशासित गेंदबाजी की बखिया उधेड़ कर रख दी।

इससे पहले चेन्नई ने टॉस जीत कर बेंगलुरु को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। सलामी बल्लेबाज बेथेल और कोहली की जोड़ी ने मैच के पहले ही ओवर से आक्रामक रुख अख्तियार किया और चेन्नई के गेंदबाजों की धुनायी करते हुये स्कोरबोर्ड को तेजी से चलाया।

संजू सैमसन चेन्नई के खिलाफ आरआर टीम की कप्तानी कर सकते है

नई दिल्ली, 3 मई। संजू सैमसन के लिए आईपीएल 2025 का सफर अभी तक अच्छा नहीं रहा। सीजन की शुरुआत में ही उन्हें तीन मैच इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में खेलने पड़े थे क्योंकि वह इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज के आखिरी मैच में चोटिल हो गए थे और फिर उन्हें सर्जरी भी करानी पड़ी थी। इसी कारण से उन्हें बीसीसीआई की तरफ से सिर्फ बल्लेबाजी की इजाजत मिली थी। हालांकि, इसके बाद वह फिट घोषित कर दिए गए और दोबारा रॉयल्स की कमान संभाली। लेकिन 16 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में एक बार फिर इंजरी का शिकार हो गए और तब से वह बाहर हैं।वहीं अब संजू सैमसन की वापसी पर बड़ा अपडेट आया है। दरअसल, राजस्थान रॉयल्स को अपना अगला मैच 4 मई को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ खेलना है। इसमें संजू सैमसन नजर नहीं आएंगे लेकिन इसके बाद 12 मई को चेन्नई के खिलाफ मुकाबले में उनकी वापसी हो सकती है। सैमसन की रिकवरी उम्मीद से ज्यादा अच्छी हो रही है। इसी कारण से ये खिलाड़ी एमएस धोनी की टीम के खिलाफ होने वाले मैच को वापसी के लिए टारगेट कर रहा है। माना ये भी जा रहा था कि संजू शायद शेष सीजन में खेलते नजर ना आएं लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सैमसन अपेक्षा से बेहतर तरीके से ठीक हो रहे हैं। वह एक्शन में लौटने के लिए बेहद उत्सुक हैं और सोमवार को चेपॉक में चेन्नई के खिलाफ आरआर टीम की कप्तानी कर सकते हैं।

विराट कोहली ने रचा इतिहास

बेंगलुरू, 3 मई। आरसीबी के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली इन दिनों आईपीएल 2025 में बेहतरीन फॉर्म में नजर आ रहे हैं। इस सीजन में कोहली कई रिकॉर्ड बना चुके हैं और तोड़ भी चुके हैं। इस कड़ी में शनिवार को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुकाबले में धमाकेदार अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए कोहली ने इतिहास रच दिया। इस दौरान पारी का दूसरा छक्का लगाते हुए कोहली ने एक खास उपलब्धि हासिल की। वह टी20 क्रिकेट में एक टीम के लिए 300 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं एक वेन्यू पर सबसे ज्यादा छक्के लगाने का क्रिस गेल का रिकॉर्ड भी तोड़ा।टी20 क्रिकेट में किसी एक टीम के लिए सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम है। कोहली ने आरसीबी के लिए 300 से ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी बनाया। वह किसी एक टीम के लिए 300 या उससे ज्यादा छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। क्रिस गेल इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने भी आरसीबी के लिए खेलते हुए 263 छक्के लगाए थे।

विस्फोटक बल्लेबाज रोहित शर्मा लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। रोहित ने मुंबई इंडियंस के लिए 262 छक्के जड़े हैं। कीरोन पोलार्ड ने भी मुंबई की ओर से खेलते हुए 258 छक्के लगाए थे। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान एमएस धोनी ने टीम के लिए 257 छक्के लगाए हैं। फिलहाल, एक वेन्यू पर सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में विराट कोहली ने क्रिस गेल को पछाड़ दिया है। विराट कोहली ने बेंगलुरु में 154 छक्के लगाए हैं, जबकि क्रिस गेल ने एम चिन्नास्वामी में 151 छक्के लगाए हैं। क्रिस गेल ने टी20 क्रिकेट में मीरपुर में भी 138 छक्के ठोके हैं। एलेक्स हेल्स ने नॉटिंघम में 135 छक्के मारे हैं। रोहित शर्मा ने वानखेड़े में 122 छक्के जड़े हैं।

पंजाब किंग्स के खिलाफ लखनऊ लड़ेगी अस्तित्व की लड़ाई

धर्मशाला, 3 मई। प्लेऑफ की दहलीज पर खड़ी पंजाब किंग्स के खिलाफ लखनऊ सुपर किंग्स रविवार को हिमालय की सुरम्य वादियों से घिरे धर्मशाला के खूबसूरत मैदान में अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ेगी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) पर चार विकेट की जीत से उत्साहित पंजाब इस मुकाबले में लय और फॉर्म के साथ मजबूती से उतरेगा। पंजाब की जान उसकी विस्फोटक सलामी जोड़ी प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य में है, जिन्होंने इस सीजन में मिलकर करीब 700 रन बनाए हैं। कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली पंजाब की टीम में अय्यर, नेहल वढेरा, शशांक सिंह और कीपर जोश इंगलिस बल्लेबाजी की गहराई को मजबूत बनाते है जबकि गेंदबाजी के मोर्चे पर अर्शदीप सिंह और मार्को जेनसन ने लगातार शुरुआती झटके दिए हैं, जबकि बीच के ओवरों में युजवेंद्र चहल की चतुराई से परिपूर्ण गेंदबाजी ने गेंदबाजी आक्रमण को धार प्रदान की है। सीएसके के खिलाफ उनके चार विकेट ने मुकाबले को एकतरफा कर दिया था। ऑलराउंडर अजमतुल्लाह उमरजई, हरप्रीत बरार और सूर्यांश शेडगे ने पंजाब के पक्ष को और मजबूत किया। इसके विपरीत, ऋषभ पंत की अगुवाई वाली लखनऊ की टीम फॉर्म और दबाव दोनों से जूझ रही है, अपने पिछले चार मैचों में से तीन हारने के बाद अंक तालिका में छठे स्थान पर है। मुंबई इंडियंस के हाथों 54 रनों की हार ने उन्हें कगार पर ला खड़ा किया है। रविवार का मैच प्रभावी रूप से उनकी प्लेऑफ की उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए जीतना जरूरी है। लखनऊ की बल्लेबाजी में सामंजस्य की कमी है, एडेन मार्करम और मिशेल मार्श स्थिर शुरुआत देने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

शमी की फॉर्म भारत के लिए चिंता का विषय

मुंबई, 3 मई। इंग्लैंड के खिलाफ अगले महीने शुरु होने वाले हाई-प्रोफाइल दौरे से पहले अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की फॉर्म भारतीय टीम के लिये चिंता का विषय बनी हुयी है। घुटने की चोट के कारण 2023 पुरुष क्रिकेट विश्व कप के बाद एक साल से अधिक समय तक खेल से बाहर रहने वाले शमी ने आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम में वापसी की थी। भारत के अजेय खिताबी अभियान में शमी ने नौ विकेट चटका कर अहम भूमिका अदा की थी।

वाटसन ने पुरुषों की स्पीड क्लाइम्बिंग का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा

बाली, 3 मई। अमेरिकी पर्वतारोही सैमुअल वाटसन ने शनिवार को आईएफएससी विश्व कप बाली में पुरुषों की स्पीड क्लाइम्बिंग में 4.64 सेकंड के विश्व रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। इस स्पर्धा में उनका पांचवां रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन था। हाल ही में शीतकालीन प्रशिक्षण के दौरान, वाटसन और चीन के 15 वर्षीय उभरते सितारे झाओ यिचेंग ने लगातार 4.70 सेकंड से कम समय में प्रदर्शन किया। पिछले सप्ताह पूर्वी चीन के जियांग्सू प्रांत के वुजियांग में विश्व कप सत्र के उद्घाटन से पहले अंतरराष्ट्रीय पर्वतारोहण समुदाय को एक नए रिकॉर्ड की बहुत उम्मीद थी, लेकिन सेमीफाइनल में पिछड़ने के बाद वाटसन चौथे स्थान पर रहे।

वाटसन ने दुनिया को लंबे समय तक इंतजार नहीं कराया और बाली में इंडोनेशिया के राहरजाती नूरसामसा के खिलाफ सेमीफाइनल में 4.67 सेकंड का नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। 10 मिनट से भी कम समय बाद, उन्होंने जापान के रियो ओमासा के खिलाफ फाइनल में अपने ही रिकॉर्ड में 0.03 सेकंड का सुधार किया। वाटसन ने कहा ईमानदारी से कहूं तो, मुझे विश्व रिकॉर्ड तोड़ने की उम्मीद नहीं थी।क्वालीफ़ाई और अभ्यास के दौरान मौसम बहुत गर्म था, मुझे अपने सिर पर बर्फ़ की बाल्टी रखनी पड़ी। लेकिन मैं एक प्रतियोगी हूँ, मैं चाहे जो भी हो, प्रतिस्पर्धा करना चाहता हूँ। परिस्थितियाँ सभी को प्रभावित करती हैं।

19 वर्षीय वॉटसन पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक विजेता हैं, जहाँ उन्होंने कांस्य पदक मैच में 4.74 सेकंड का पिछला विश्व रिकॉर्ड बनाया था। महिलाओं की स्पीड का स्वर्ण पोलैंड की विश्व रिकॉर्ड धारक एलेक्जेंड्रा मिकजेलोवा के नाम रहा, जिन्होंने बाली में फ़ाइनल में चीन की झोउ याफ़ेई को हराया। इंडोनेशिया के पर्वतारोही किरोमल कैटिबिन और आदि असिह काडेक ने क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग का कांस्य पदक जीता।

रोहित शर्मा ने हेरिटेज म्यूजियम का भ्रमण किया

जयपुर, 3 मई। प्रसिद्ध भारतीय क्रिकेटर और कप्तान रोहित शर्मा ने अपनी पत्नी रितिका और बेटी समायरा के साथ, जयपुर स्थित प्रतिष्ठित मीनाकारी हेरिटेज म्यूजियम का भ्रमण किया। यह म्यूजियम हाउस ऑफ सुनीता शेखावत की एक पहल है। म्यूजियम का दौरा करते हुए रोहित और उनके परिवार ने भारत की समृद्ध कला विरासत की प्रशंसा की। उन्होंने विशेष रूप से मीनाकारी की जटिल और जीवंत परंपरा को सराहा, जो मैटल पर होने वाले एनामेल कार्य के लिए मशहूर एक सदियों पुरानी कला है।

भ्रमण के दौरान शर्मा और उनके परिवार का शेखावत परिवार द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उन्होंने म्यूजियम में प्रदर्शित क्यूरेटेड कलाकृतियों का अवलोकन किया, जिनमें मीनाकारी कला की पारंपरिक और समकालीन दोनों अभिव्यक्तियां प्रदर्शित की गई हैं। परिवार ने आर्टिजंस और क्यूरेटर्स के साथ भी संवाद किया, जिससे उन्हें इस सदियों पुरानी कला में निहित बारीकी से किए गए शिल्प और इसके सांस्कृतिक महत्व की गहरी जानकारी प्राप्त हुई। रोहित शर्मा और उनकी पत्नी ने इस कला और उससे जुड़ी विरासत की सराहना की। उन्होंने न केवल इसकी सुंदरता की प्रशंसा की, बल्कि उस सांस्कृतिक विरासत को भी सराहा। जिसका यह प्रतीक है। द म्यूजियम ऑफ मीनाकारी हेरिटेज ने शर्मा परिवार को उनकी यात्रा के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया और यह उल्लेख किया कि उनकी उपस्थिति भारत की पारंपरिक शिल्प पर महत्वपूर्ण ध्यान आकर्षित करती है।

2026 विश्व कप तक नेमार को अपने साथ रखना चाहता है सैंटोस

रियो डी जेनेरियो, 3 मई। सैंटोस के अध्यक्ष मार्सेलो टेक्सेरा ने शुक्रवार को कहा कि क्लब चोट की चिंता को दरकिनार कर नेमार के अनुबंध को अगले साल होने वाले फीफा विश्व कप तक बढ़ाने के लिए काम कर रहा है। नेमार यूरोप में एक दशक से अधिक समय और सऊदी अरब में रहने के बाद जनवरी में छह महीने के अनुबंध पर अपने बचपन के क्लब सैंटोस में शामिल हो गए थे। टेक्सेरा ने कहा, हमें एक तकनीकी तरीका तलाशना होगा ताकि हम नेमार की चोट की रिकवरी और मैदान पर उनकी मौजूदगी की निगरानी को इस तरह बदल सकें कि उनके अनुबंध को नवीनीकृत करने और अगले साल होने वाले विश्व कप तक बने रहने की संभावना बढ़ जाए। पिछले साल अक्टूबर में घुटने की चोट के बाद वापसी करने के बाद से नेमार पैर की मांसपेशियों की समस्याओं से जूझ रहे हैं, जिसके कारण वे एक साल से अधिक समय तक मैदान से बाहर रहे। 33 वर्षीय ने सैंटोस के साथ अपने हालिया कार्यकाल में केवल नौ मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने तीन गोल किए हैं और तीन असिस्ट दिए हैं। टेक्सेरा ने कहा, जब हम नेमार को वापस लाए, तो हमें पता था कि उसे बहुत गंभीर चोट लगी है। यह जानते हुए, हमने अपने सभी स्टाफ को नेमार के लिए उपलब्ध कराया और प्रयास किया वह पूरी तरह से ठीक हो सके। वह यहाँ खुश है। यह उसका घर है। सैंटोस वर्तमान में 20 टीमों की ब्राज़ीलियाई सीरी ए स्टैंडिंग में छह मैचों में चार अंकों के साथ 19वें स्थान पर है। पेड्रो कैक्सिन्हा के जाने के बाद इस सप्ताह क्लब ने ब्राज़ील के पूर्व सहायक कोच क्लेबर ज़ेवियर को अपना नया मैनेजर नियुक्त किया है।

कैस्पर रुड मैड्रिड ओपन के फाइनल में

मैड्रिड, 3 मई। पसलियों की चोट से जूझने के बावजूद नॉर्वे के कैस्पर रूड ने फ्रांसिस्को सेरुंडोलो पर 6-4, 7-5 से जीत के साथ रविवार के मैड्रिड ओपन के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। दुनिया के 15वें नंबर के खिलाड़ी को शुरुआती सेट में तीन गेम में उपचार की आवश्यकता थी।

वैभव सूर्यवंशी के खिलाफ कार्रवाई न करे बीसीसीआई : आईएसी

पुणे, 3 मई। इंडिया अगेंस्ट करप्शन (आईएसी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष हेमंत पाटिल ने शनिवार को बीसीसीआई से क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी के खिलाफ निराधार शिकायत के आधार पर कोई कार्रवाई न करने का अनुरोध किया। यहां एक प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने कहा कि महज 14 साल की उम्र में आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए रिकॉर्ड बनाने वाले वैभव सूर्यवंशी को विवाद में घसीटने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि वैभव ने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ खेलते हुए 35 गेंदों में शतक बनाया था। बाद में दावा किया गया कि इतनी कम उम्र का क्रिकेटर 90-90 मीटर का छक्का नहीं मार सकता। उन्होंने कहा कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के आयु वर्ग क्रिकेट में आयु परीक्षण में वैभव को अनुपयुक्त नहीं पाया गया। पाटिल ने कहा कि बीसीसीआई वर्तमान में उम्र धोखाधड़ी को रोकने के लिए टीडब्ल्यू3 तकनीक का उपयोग करता है। इस तकनीक में खिलाड़ी की हड्डियों की परिपक्वता की जांच करने के लिए बाएं हाथ और कलाई का एक्स-रे किया जाता है। कलाई के स्कैन से खिलाड़ी की उम्र का अनुमान लगाया जाता है। उन्होंने कहा कि अगर कोई भारतीय क्रिकेटर अपनी उम्र के बारे में गलत जानकारी देता हुआ पाया जाता है, तो उस पर दो साल का प्रतिबंध लगाया जा सकता है। उन्होंने तर्क दिया कि सिर्फ एक वीडियो के आधार पर खिलाड़ियों के रवैये और अच्छे क्रिकेटर की बेहतरीन पारी को बल्लेबाजी के साथ नहीं जोड़ा जा सकता है। इसलिए आईएसी प्रमुख ने बीसीसीआई से इस संबंध में सही निर्णय लेने और वैभव के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करने की अपील की।

जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम को नया स्वरूप दिया जाएगा : राठौड़

जयपुर, 3 मई। खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में दर्शकों के बैठने के लिए अलग अलग ब्लॉक में सीटिंग व्यवस्था को बढ़ाया जाएगा। क्रिकेट देखने के साथ साथ दर्शकों को बेहतर सुविधाएं मिल सके इसके लिए आने वाले वर्षों में सीटिंग कैपेसिटी डबल करने का प्रयास करेंगे। हमने सवाई मानसिंह स्टेडियम के साउथ पवेलियन को रिनोवेट किया है। लगभग साढ़े 12 करोड़ रुपए की लागत से यह काम किया गया है। इससे वहां एक हजार लोगों के बैठने की सिटिंग कैपेसिटी भी डेवलप की गई है। जो काफी शानदार है। दो दशक पुरानी घास को भी बदल कर नई घास लगाई जाएगी। नाइट मैच के लिए भी अभी जो लाइट लगी है उसमें नई लाइट ओर लगाकर स्टेडियम को जगमग किया जाएगा। इसके साथ ही क्रिकेटर्स के लिए जो भी अत्याधुनिक सुविधाएं होनी चाहिए। जिससे इंडियन प्रीमियर लीग के अगले साल होने वाले मुकाबलों से पहले स्टेडियम का एक नया स्वरूप निकलकर सामने आएगा। राठौड़ ने कहा, इसके लिए हम कुछ पार्टनर्स की तलाश कर रहे हैं जिन्हें एक कंपटीशन के आधार पर स्टेडियम को डेवलप करने की जिम्मेदारी दी जाएगी। इसको लेकर जल्द ही प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

19वीं सब जूनियर राज्य स्तरीय (बालक/बालिका) वुशू प्रतियोगिता का शुभारंभ

जयपुर, 3 मई। राजस्थान वुशू संघ व बीकानेर वुशू संघ के तत्वावधान में दिनांक 02 से 05 मई 2025 तक डॉक्टर करणीसिंह स्टेडियम, बीकानेर में चल रही 19वी सब जुनियर राज्य स्तरीय (बालक/बालिका) वुशू प्रतियोगिता का आज शुभारम्भ हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि हीरानंद कटारिया, अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ व कार्यक्रम की अध्यक्षता अनिल बोड़ा, डिप्टी डीइओ फिजिकल विभाग ने की तथा समारोह के विशिष्ट अतिथि विजय सिंह शेखावत, कोषाध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ व राजेश कुमार टेलर कोच भारतीय वुशू टीम उपस्थित रहे। गणेश कुमार हर्ष, आयोजन सचिव ने समारोह के सभी अतिथियो का स्वागत किया।

आज प्रारम्भिक मुकाबलो के परिणाम इस प्रकार है -

शानशु (बालक) 39 किलोग्राम

1- हरिओम (अजमेर) ने गौरव (झुंझुनू) को 2-0 से हराया
2- अभिषेक (दौसा) नें निशांत (बीकानेर) को 2-1 से हराया
3- लवदीप (श्री गंगानगर) ने हर्षवर्धन (भीलवाडा) को 2-1 से हराया
4- शोर्य (कोटा) ने कृष्णा (पाली) को 2-0 से हराया

42 किलोग्राम

5- कनिष्क जालोर ने अक्षय बीकानेर को 2-0 से हराया
6- निशिकांत (हनुमानगढ़) ने नक्षत्रवीर सीकर को 2-0 से हराया
7- गुरजोत भीलवाडा ने धनन्जय ब्यावर को 2-0 से हराया
8 रोहित उदयपुर ने रुद्र कोटा को 2-0 से हराया

ताऊलू वर्ग ताईचीक्वान (बालक)

1. यशराज सिंह (जयपुर) को स्वर्ण पदक
2. हर्षित (श्रीगंगानगर) को रजत पदक
3. अंगद मीना (जयपुर) को कांस्य पदक

ताईचीक्वान (बालिका)

1. प्राशी माहवार (जयपुर) को स्वर्ण पदक
2. जसमीत कौर (जयपुर) को रजत पदक
3. राम दुलारी (जयपुर) को कांस्य पदक

नार्दन स्लैम 2025 स्क्वैश : पहले दिन खेले 148 मैच

राजस्थान के एक दर्जन खिलाड़ी क्वालीफायर के तीसरे दौर में

जयपुर, 3 मई। एसएमएस स्टेडियम स्थित राजस्थान स्क्वैश एकेडमी कोर्ट्स पर शुरू हुई नार्दन स्लैम 2025 स्क्वैश चैंपियनशिप के पहले दिन शनिवार को क्वालीफाइंग राउण्ड के अलग- अलग कैटेगरी के 148 मैच खेले गए। इस दौरान राजस्थान के करीब एक दर्जन खिलाड़ियों ने अपने मुकाबले जीत क्वालीफाइंग राउण्ड के तीसरे चक्र में प्रवेश कर लिया। इन खिलाड़ियों को अब मुख्य ड्रॉ में पहुंचने के लिए रविवार को आखिरी राउण्ड में जीत की दरकार होगी।

बॉयज अंडर-11 में राजस्थान के अद्रितवर्धन शर्मा ने अभ्युदय नाडियाल को 3-0 से, युवान वर्मा ने कियान जॉर्ज को 3-2 से हरा तीसरे राउण्ड में प्रवेश किया। अंडर-13 बॉयज में नैतिक बुन्देला ने कविन गुप्ता को 3-0 से, ओम ठाकुर ने सैराज भुटेकर को 3-0 से और समर देवरवाल ने देवांग सिंघल को 3-2 से शिकस्त दी। अंडर-15 बॉयज कैटेगरी में राजस्थान के फरीद अन्द्रावी ने आर्यन कपूर को 3-0 से पराजित किया। वहीं गर्ल्स अंडर-11 में कीरत देवपा ने सायरा तायल को 3-0 से और इनाया अन्द्रावी ने गार्वी चौधरी को 3-0 से हरा तीसरे दौर में जगह बनाई। इसी आयु वर्ग में गौरवी अजमेरा निर्धरा भकाल को 3-0 से, परुश्री जायसवाल ने अनवी नंदल को 3-0 से शिकस्त दी। इस बीच राजस्थान के बॉयज अंडर-11 में प्रथम चौधरी, रियान खण्डेलवाल, अमय महाजन, अभीर जैन, कबीर आर्या और अभय मिर्धा, अंडर-13 में चिन्मय, कृष्णम्मा गोयल, नैवेद्य जैन, अंडर-17 में ऋषभ जालोरी, ध्रुव सोनी, सम्यक शाह और ऋषभ अग्रवाल अपने मुकाबले हार बाहर हो गए। गर्ल्स अंडर-11 में लक्षाण्या राजावत, नविका सोनी, मायरा झालानी को भी हार का सामना करना पड़ा। शनिवार को मैचों के दौरान चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर और राज्यसभा सांसद चुन्नी लाल गरासिया ने मैच देखे और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। खींवसर खुद भी स्क्वैश के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रह चुके हैं।

आयुष के ऑल राउंड खेल, वरदान व लोकेश के अर्द्धशतकों से एमी जीती

जयपुर, 3 मई। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज नारायणा क्रिकेट ग्राउण्ड सिरसी ग्राम पर खेले गये पूल-ई के मैच में एमी क्रिकेट एकेडमी ने आयुष आमेरिया 33 रन व 10 रन पर 5 विकेट के ऑल राउण्ड प्रदर्शन तथा वरदान शर्मा 77 रन व लोकेश लालचन्दानी 57 रन के अद्धर्शतको की बदौलत नारायण स्पोर्टस एकेडमी को 38 रन से हराकर 2 अंक अर्जित किये।

टॉस जीतकर एमी क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए वरदान शर्मा 77 रन (46 गेंद 9 चौके 2 छक्के) लोकेश लालचन्दानी 57 रन (36 गेंद 4 चौके, 4 छक्के) आयुष आमेरिया 33 रन की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 182 रन बनाये। गेंदबाजी में नारायणा स्पोर्टस एकेडमी की ओर से साहिल सिंह 28 रन पर 3 विकेट कांजुल बगड़ा 24 रन 2 विकेट, मनीष गुर्जर 31 रन पर 1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहें।

जवाबी पारी में नारायणा स्पोर्टस एकेड़मी के सोम्य शर्मा 37 रन, यश खींचड़ 25 रन दीपक सोलंकी 19 रन, रोशन सारण 10 रन को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज एमी क्रिकेट एकेडमी के गेंदबाजों आयुष आमेरिया 32 ओवर में 10 रन देकर 5 विकेट, पृथ्वी नागरवाल 21 रन पर 2 विकेट, अयान खान 34 रन पर 2 विकेट तथा मनीष 16 रन 1 विकेट की गेंदबाजी के समक्ष नहीं टिक सके और पूरी टीम 18.2 ओवर में 144 रन बनाकर सिमट गयी। मैंन ऑफ दा मैंच आयुष आमेरिया 33 रन व 10 रन पर 5 विकेट एमी क्रिकेट एकेडमी रहें।

युद्ध हुआ तो चार दिन भी नहीं लड़ सकता पाकिस्तान

विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान के पास चार दिन का गोला बारुद भी नहीं है

नयी दिल्ली, 03 मई। आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को पैसा कमाने के लिए यूक्रेन और इजरायल को बड़ी मात्रा में गोला-बारूद बेचना महंगा पड़ रहा है और अब उसके खुद के पास चार दिन की लड़ाई लड़ने के लिए जरूरी गोला बारूद भी नहीं है।

विभिन्न रिपोर्टों तथा आंतरिक सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान ने यूक्रेन और इजरायल के साथ गोला बारूद बेचने के लिए जो सौदे किये, वे अब उसके गले की फांस बन गये हैं। रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि पाकिस्तान के गोला बारूद भंडार की स्थिति को देखकर यह कहना अतिशोयक्ति नहीं होगी कि लड़ाई की स्थिति में बिना गोला बारूद के चार दिन बाद उसके हथियार खिलौने बनकर रह जायेंगे।

रिपोर्टों में कहा गया है कि पाकिस्तान का गोला बारूद भंडार इतना कम हो गया है कि उसकी सेना किसी बड़े विरोधी के खिलाफ़ चार दिनों से ज़्यादा समय तक युद्ध का संचालन नहीं कर सकती। दरअसल 2022 में आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को यूक्रेन-रूस लड़ाई में एक अवसर दिखाई दिया और पाकिस्तान के आयुध कारखाने यूक्रेन के लिए प्रमुख आपूर्तिकर्ता बन गए, जो गुप्त मार्गों से लाखों राउंड तोपखाने के गोले, रॉकेट और छोटे हथियारों के गोला-बारूद की आपूर्ति करते थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि अकेले फरवरी और मार्च 2023 के बीच पाकिस्तान ने 42,000 122 मिमी बीएम -21 रॉकेट, 60,000 155 मिमी हॉवित्जर गोले और 130,000 122 मिमी रॉकेट भेजे, जिससे 36 करोड़ 40 लाख डॉलर की कमाई हुई। इसमें से 80 प्रतिशत लाभ कथित तौर पर रावलपिंडी में पाकिस्तानी सेना के जीएचक्यू में भेज दिया गया। वित्तीय वर्ष 2022-23 तक, इन हथियारों का निर्यात आसमान छूकर 41 करोड़ 50 लाख डॉलर हो गया। इससे पाकिस्तानी सेना का गोला बारूद का भंडार कम होना शुरू हो गया।

- **रिपोर्टों के अनुसार, आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान ने अपना गोला बारुद इज़रायल व यूक्रेन को बेचा था, और अब खुद उसके पास गोला बारुद नहीं बचा है।**

विश्लेषकों के अनुमान के अनुसार, वर्ष 2025 तक पाकिस्तान का गोला-बारूद भंडार केवल 96 घंटे, यानी चार दिन के उच्च-तीव्रता वाले संघर्ष को झेल सकता है।

साथ ही रिपोर्टों में कहा गया है कि पाकिस्तान उच्च मुद्रास्फीति, बढ़ते कर्ज और घटते विदेशी मुद्रा भंडार के गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। इस वित्तीय उथल-पुथल ने सेना की संचालन क्षमताओं को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। ईंधन की कमी के कारण पाकिस्तान की सेना को राशन में कटौती करने, सैन्य अभ्यास स्थगित करने और निर्धारित युद्ध अभ्यास रोकने के लिए मजबूर होना पड़ा है। पूर्व सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने इन सीमाओं को स्वीकार करते हुए कहा है कि पाकिस्तान के पास भारत के साथ लंबे समय तक संघर्ष करने के लिए गोला-बारूद और आर्थिक ताकत की कमी है। गोला-बारूद के भंडार में कमी और आर्थिक बाधाओं के कारण पाकिस्तान की सैन्य तैयारी में काफी कमी आई है। खुफिया रिपोर्टों से पता चलता है कि पाकिस्तान ने संभावित संघर्ष की आशंका में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास गोला-बारूद के डिपो बनाए हैं। हालांकि, मौजूदा कमी को देखते हुए इन उपायों से कितना फायदा होगा, यह बड़ा सवाल है। पाकिस्तान की अपनी सैन्य तैयारियों पर इन हथियारों के हस्तांतरण के प्रभाव ने चिंता बढ़ा दी है। गोला-बारूद की कमी के कारण पाकिस्तानी सैन्य नेतृत्व भी गंभीर रूप से चिंतित है और दो मई को कोर कमांडरों के सम्मेलन में कई अन्य बातों के अलावा इस मुद्दे पर भी चर्चा की गई।

राजस्थान बॉर्डर पर पाक रेंजर गिरफ्तार

गंगानगर, 03 मई। राजस्थान में अंतरराष्ट्रीय सीमा से बीएसएफ ने एक पाक रेंजर को पकड़ा है। यह घटनाक्रम जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के मद्देनजर दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच सीमा सुरक्षा बल के एक जवान को रेंजर्स की तरफ से पकड़े जाने के करीब 15 दिन बाद हुई है।

- **यह पाक रेंजर श्रीगंगानगर सीमा से भारत में घुसने की कोशिश कर रहा था, जिसे बीएसएफ ने गिरफ्तार कर लिया।**

बता दें कि पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। मामले में अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानी रेंजर को बीएसएफ के राजस्थान फ्रंटियर ने हिरासत में ले लिया है। वहीं, बीएसएफ जवान पूर्णम कुमार शॉ को रेंजर्स ने 23 अप्रैल को पंजाब में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर से पकड़ा था और भारतीय बल की तरफ से दर्ज कराए गए कड़े विरोध के बावजूद उन्होंने उसे सौंपने से इनकार कर दिया।

जानकारी के मुताबिक बीएसएफ इस पाकिस्तानी रेंजर से पूछताछ कर रही है कि वह किस मकसद से भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश कर रहा था।

गोवा के शिरगांव में भगदड़ से 7 की मौत, 50 घायल

हादसा श्री लैराई जात्रा के दौरान हुआ, जिसमें 30 से 40 हजार लोग शामिल थे

गोवा, 03 मई। गोवा के शिरगांव में श्री लैराई जात्रा (यात्रा) के दौरान शुक्रवार रात मची भगदड़ में 7 लोगों की मौत हो गई। शनिवार सुबह मिली जानकारी के अनुसार, हादसे में 50 से ज्यादा लोग घायल हैं, जिनमें 20 गंभीर हैं। राहत-बचाव कार्य जारी है। मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावना है।

शुक्रवार शाम को बड़ी संख्या में श्रद्धालु जात्रा में शामिल होने मंदिर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान एक दुकान के सामने बिजली के तार से करंट लगने के बाद कुछ लोग गिर गए। जिससे अफरा-तफरी हुई और भगदड़ मच गई। कहा जा रहा है कि क्राउड मैनेजमेंट के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने की वजह से हादसा हुआ। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं।

श्री लैराई जात्रा नॉर्थ गोवा के बिचोलिम तालुका के शिरगांव गांव में आयोजित होने वाला हिंदू धार्मिक उत्सव है। जात्रा हर साल अप्रैल या मई में होती है।

इसमें गोवा, महाराष्ट्र और कर्नाटक से हजारों श्रद्धालु आते हैं। इस वर्ष जात्रा 2 मई की शाम से 3 मई की सुबह तक आयोजित की गई थी, जिसके इसी दौरान हादसा हुआ।

- **यह एक वार्षिक कार्यक्रम है, बड़ी संख्या में श्रद्धालू जात्रा में शामिल होकर मंदिर जा रहे थे। यह यात्रा हर साल अप्रैल -मई में आयोजित होती है।**

गोवा पुलिस के मुताबिक महाराष्ट्र, कर्नाटक सहित कई राज्यों के 30 से 40 हजार लोग यात्रा में शामिल होने पहुंचे थे। शुक्रवार शाम भीड़ मंदिर की ओर जा रही थी, तभी एक ढलान पर कुछ लोग गिर पड़े। इसके बाद पीछे से आ रहे लोग भी एक-दूसरे पर गिरते चले गए। 40 से 50 लोग इस दौरान नीचे गिर गए। इसके बाद अफरा-तफरी होने से भगदड़ मच गई।

यात्रा के लिए एक हजार पुलिसकर्मियों की ही तैनाती हुई थी। वहीं, भीड़ की एक्टिविटी को ड्रोन की मदद से ट्रैक किया जा रहा था।

भगदड़ मामले में सरकार ने एक्शन लेते हुए डीएम, एसपी और डीएसपी समेत कई अधिकारियों का तबदला कर दिया है।

इस मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं, जिसके बाद सरकार ने कलेक्टर समेत कई अधिकारियों का तत्काल प्रभाव से तबादला कर दिया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर लिखा, गोवा के शिरगांव में भगदड़ के कारण हुई मौतों से दुखी हूं। अपने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति संवेदना, घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है।

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने घायलों का मुफ्त इलाज करने को कहा है। घटना पर गोवा कांग्रेस ने भी दुख जताया है।

पाकिस्तान पर और कड़े प्रतिबंध लगाए भारत ने

नई दिल्ली, 03 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पहलगाम आतंकवादी हमले के दोषियों को कड़ी सजा देने के संकल्प को दोहराये जाने के साथ साथ निरंतर कठोर निर्णयों से पाकिस्तान की नकेल कस रहे भारत ने शनिवार को भी पड़ोसी देश के खिलाफ़ कई दंडात्मक उपायों की घोषणा की, जिनमें पाकिस्तान के साथ डाक सेवाओं को निलंबित करना, उस देश से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से माल के आयात पर प्रतिबंध लगाना और पाकिस्तानी ध्वज वाले जहाजों के भारतीय बंदरगाहों में प्रवेश पर प्रतिबंध शामिल हैं।

ये कदम जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल के आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ़ भारत की जवाबी कार्रवाई के तहत उठाये गये हैं। इस हमले में इस्लामी बंदूकधारियों ने 26 लोगों की बेरहमी से गोली मारकर हत्या कर दी थी।

- **पाकिस्तान के साथ डाक सेवा पर प्रतिबंध।**
- **किसी भी किस्म के आयात पर रोक लगाई।**
- **पाकिस्तान के जहाजों का भारतीय बंदरगाहों में प्रवेश निषेध।**

इस बीच, संचार मंत्रालय के डाक विभाग ने एक अधिसूचना जारी कर कहा है कि भारत ने हवाई और सड़क मार्गों के माध्यम से पाकिस्तान से आने वाले सभी श्रेणियों के मेल और पार्सल के आदान-प्रदान को निलंबित करने का निर्णय लिया है। इससे पहले जहाजरानी महानिदेशालय ने मर्चेंट शिपिंग अधिनियम के तहत, एक निर्देश जारी कर पाकिस्तान के ध्वज वाले जहाजों को भारतीय बंदरगाहों में प्रवेश करने से प्रतिबंधित कर दिया और भारतीय ध्वज वाले जहाजों को पाकिस्तान के बंदरगाहों पर जाने से रोक दिया। ये प्रतिबंध तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने भी शुक्रवार को जारी एक अधिसूचना में, तत्काल प्रभाव से पाकिस्तान से आने या निर्यात किए जाने वाले सभी सामानों के आयात या पारगमन पर प्रतिबंध लगा दिया है।

पहलगाम हमले के बाद भारत ने अटारी चौकी को पहले ही बंद कर दिया है, जो दोनों देशों के बीच एकमात्र व्यापार मार्ग है। पाकिस्तान ने भी भारत के कदमों के जवाब में इसी तरह की कई घोषणाएं की हैं, जिससे दोनों देशों के बीच संबंधों में कड़वाहट आ गयी है।

नड्डा तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक नेताओं से मिले

मीटिंग में आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति और तैयारी पर चर्चा की गई

चेन्नई, 03 मई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केन्द्रीय मंत्री जे पी नड्डा ने तमिलनाडु में अपने सहयोगी दल अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) की तमिलनाडु इकाई की कोर कमेटी के सदस्यों के साथ बैठक की, जिसमें 2026 के विधानसभा चुनाव की रणनीति और तैयारी संबंधी कार्यों पर चर्चा और समीक्षा की गई।

बैठक में पार्टी नेताओं ने राज्य विधानसभा में भाजपा की संख्या बढ़ाने के लिए कड़ी मेहनत करने का वादा किया।

इसके लिए उन्होंने राज्य में एनडीए का नेतृत्व कर रही अन्नाद्रमुक और अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर काम करने का वादा किया। इन सहयोगियों के गठबंधन में शामिल होने और सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) को सत्ता से बेदखल होने की संभावना है।

- **भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने एक्स पर मीटिंग की जानकारी दी।**
- **नड्डा ने भाजपा कार्यकर्ताओं से अपील की कि घर-घर जाकर मोदी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दें।**

बाद में नड्डा ने एक्स पर लिखा, आज चेन्नई मे भाजपा तमिलनाडु की कोर कमेटी की बैठक की अध्यक्षता की।

उन्होंने लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तमिलनाडु के सर्वांगीण विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ हैं, जिसमें समृद्ध तमिल संस्कृति को संरक्षित करने और बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया है।

उन्होंने कहा, मोदी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता सक्रिय रूप से घर-घर जाकर अभियान चला रहा है, तथा विकसित भारत के विजन में योगदान दे रहा है।

नड्डा ने पार्टी पदाधिकारियों से जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को मजबूत करने और चुनावों की तैयारी शुरू करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने का भी आग्रह किया। चुनाव एक साल से भी कम समय में होने वाले हैं।

नवनिर्वाचित भाजपा राज्य इकाई के अध्यक्ष और विधायक दल के नेता नैनार नागेन्द्रन,जो अन्नाद्रमुक के पूर्व कद्दावर नेता हैं और दक्षिणी जिलों में काफी प्रभाव रखते हैं, भाजपा के तमिलनाडु प्रभारी पी सुधाकर रेड्डी, संयोजक एच राजा, राष्ट्रीय महिला मोर्चा की अध्यक्ष वनथी श्रीनिवासन, जो विधायक भी हैं, पूर्व राज्य अध्यक्ष सुश्री तमिलिसाई सुंदरराजन, पोन राधाकृष्णन और अन्य वरिष्ठ नेता इस अवसर पर मौजूद थे।

गौरतलब है कि भाजपा ने अन्नाद्रमुक के एनडीए से बाहर निकलने के दो साल बाद, 2026 के महत्वपूर्ण चुनावों के लिए इस पार्टी के साथ संबंधों को फिर से मजबूत किया है।

इसकी घोषणा भाजपा के मास्टर चुनाव रणनीतिकार और केन्द्रीय मंत्री अमित शाह ने अन्नाद्रमुक महासचिव और विपक्ष के नेता एडप्पादी के पलानीस्वामी से नई दिल्ली में मुलाकात के बाद की।

एक ही मुद्दे पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के तथ्य की जानकारी नहीं दी गई। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने कहा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी। ऐसे में उन्हें याचिका वापस लेने की अनुमति दी जाए।

मामले की सुनवाई करते हुए, अदालत ने याचिका वापस लेने के आधार पर उसे खारिज करते हुए शिक्षा सचिव को कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

राजनाथ सिंह नहीं जाएंगे रुस की विक्ट्री डे परेड में

नयी दिल्ली, 03 मई। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ उत्पन्न तनावपूर्ण स्थिति के मद्देनजर, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बजाय अब रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ आगामी नौ मई को रूस में 'विक्ट्री डे परेड' समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं।

रूस ने इस समारोह में हिस्सा लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आमंत्रित किया था लेकिन पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद बनी परिस्थितियों को देखते हुए भारत ने रूस को बताया था कि प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे और संभवत: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इसमें भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

- **पाकिस्तान के साथ तनाव के माहौल को देखते हुए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रुस की विक्ट्री डे परेड में जाना कैंसल कर दिया है। रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ रुस जा सकते हैं।**

रक्षा सूत्रों ने शनिवार को बताया कि भारत पाकिस्तान के बीच के ताजा हालात तथा गतिविधियों को देखते हुए, अब रक्षा मंत्री की रूस यात्रा को टाल दिया गया है और उनकी जगह रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ रूस के विक्ट्री डे परेड के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे।

उल्लेखनीय है कि 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद से भारत पाकिस्तान को हर स्तर पर घेरने में जुटा है और इसके लिए निरंतर कदम उठाये जा रहे हैं। भारत ने कहा है कि वह इस हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादियों और उनका समर्थन करने वालों तथा हमले की साजिश रचने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगा।

जातिगत जनगणना के निर्णय के लिए मायावती ने प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया

परंतु मायावती ने यह भी कहा कि जनता के दबाव में मोदी सरकार को झुकना पड़ा

लखनऊ, 03 मई। केन्द्र सरकार द्वारा जातिगत जनगणना कराने की बात कही गई है। इसे लेकर बसपा प्रमुख मायावती ने बयान दिया है। एक्स पर मायावती ने लिखा, "साल 1931 व आजादी के बाद पहली बार देश में जातीय जनगणना कराने के केन्द्र के निर्णय का श्रेय लेने में कांग्रेस यह भूल गयी कि दलित व ओबीसी समाज के करोड़ों लोगों को आरक्षण सहित उनके संवैधानिक हक से वंचित रखना उसके इतिहास का काला अध्याय है व इस कारण उसे सत्ता भी गंवानी पड़ी है। किन्तु सत्ता विहीन होने के बाद कांग्रेस नेतृत्व का खासकर दलित व ओबीसी समाज के प्रति नया उभरा प्रेम विश्वास से परे, इन वर्गों के वोट के स्वार्थ की खातिर छलावा की अवसरवादी राजनीति है। वैसे भी आरक्षण को निष्क्रिय बनाकर अन्तत: इसको खत्म करने की इनकी नापाक मंशा को कौन भुला सकता है?

- **मायावती ने कहा, भाजपा व कांग्रेस दोनों में, खुद को ओबीसी शोषितों का हितैषी बताने की होड़ लगी है पर दोनों एक ही थाली के चट्टे बट्टे हैं, वोटों की राजनीति करते हैं।**

मायावती ने लिखा, वैसे आरक्षण व संविधान के जनकल्याणकारी उद्देश्यों को फेल करने में भाजपा भी कांग्रेस से कम नहीं, बल्कि दोनों एक ही थाली के चट्टे-बट्टे हैं। किन्तु अब वोटों के स्वार्थ व सत्ता के मोह के कारण भाजपा को भी जातीय जनगणना की जन अकांक्षा के आगे झुकना पडा है, जिसका स्वागत है। साथ ही, संविधान निर्माता बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर को भारतरत्न से सम्मानित करने से लेकर धारा 340 के तहत, ओबीसी को आरक्षण देने जैसे अनेक मामलों में कांग्रेस व भाजपा का रवैया जातिवादी व द्वेषपूर्ण रहा है, किन्तु इनके वोट की राजनीति के खेल निराले हैं। लोग सावधान रहें।

मायावती ने अगले पोस्ट में कहा, काफी लम्बे समय तक ना-ना करने के बाद अब केन्द्र द्वारा राष्ट्रीय जनगणना के साथ जातीय जनगणना भी कराने के निर्णय का भाजपा व कांग्रेस आदि द्वारा श्रेय लेकर खुद को ओबीसी हितैषी सिद्ध करने की होड़, जबकि इनके बहुजन-विरोधी चरित्र के कारण ये समाज अभी भी पिछड़े, शोषित व वंचित। वैसे भी कांग्रेस एवं भाजपा आदि की अगर नीयत व नीति बहुजन समाज के प्रति पाक-साफ होती तो ओबीसी समाज देश के विकास में उचित भागीदार बन गया होता, जिससे इनके मसीहा परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर का 'आत्म-सम्मान व स्वाभिमान' का मिशन सफल होता हुआ ज़रूर दिखता।

साबरकांठा : जीप, बस व बाइक की भिड़ंत में 6 की मौत, 8 घायल

हिम्मतनगर (गुजरात), 03 मई। गुजरात के साबरकांठा जिले में शनिवार को एक जीप, राज्य परिवहन की बस और एक दोपहिया वाहन की भिड़ंत हो गई। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई और आठ लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।यह हादसा हिंगटिया गांव के पास एक राजमार्ग पर उस समय हुआ, जब जीप और बस में आमने-सामने की टक्कर हो गई और मोटरसाइकिल उसी समय दुर्घटनाग्रस्त जीप से टकरा गई।

महिला की हत्या...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परिवादी बृजेश मीना ने खो-नागोरियान पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके माता-पिता गोनेर रोड स्थित पावर हाउस में करीब चार महीने से रह रहे हैं। वह 27 अगस्त 2023 को अपनी मां से मिलकर जगतपुरा गया हुआ था। दोपहर करीब 2 बजे रमेश मीणा ने फोन कर बताया कि उसकी मां को गौतम जाटव नाम के व्यक्ति ने चाकू से कई जगह वार कर घायल कर दिया है।

उसकी मां को एसएमएस अस्पताल लेकर जा रहे हैं। अस्पताल में पांच दिन भर्ती रहने के बाद उसकी मौत हो गई। पुलिस ने रिपोर्ट पर कार्रवाई कर आरोपी की गिरफ्तारी की और अपराध में काम में लिए गए चाकू सहित अन्य सामान की बरामदगी कर आरोपी के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश किया।

कोर्ट में गवाहों ने बयानों में अभियुक्त की पहचान की और कहा कि भागन्ती देवी को चाकू मारने वाला गौतम ही था। वह जब महिला पर चाकू के कई वार कर भाग रहा था तो जनता ने उसे पकड़ लिया था और गेट से बांध दिया था। वहीं, एफएसएल रिपोर्ट में भी साबित हो गया कि अभियुक्त ने ही भागन्ती देवी की हत्या की थी।

बांग्लादेशियों को अवैध रुप से भारत लाने वाला शातिर गिरफ्तार

नई दिल्ली, 03 मई। देश भर में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में दिल्ली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। दिल्ली पुलिस ने बांग्लादेशियों को अवैध रूप से भारत में एंट्री करवाने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा 40 से अधिक अवैध बांग्लादेशियों को भी पकड़ा गया है। फिलहाल पुलिस इस शख्स से पूछताछ कर रही है। मामले की जांच की जा रही है। दरअसल, साउथ ईस्ट जिले की पुलिस ने यह कार्यवाही की है। यह मास्टरमाइंड करीब 10 साल से ज्यादा समय से बांग्लादेशियों को भारत में एंट्री कराने के काम को अंजाम दे रहा था। यह पैसा लेकर बांग्लादेश से लोगों को भारत में लाकर बसाता था।

पायलट पति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पायलट पति के पास आय के पर्याप्त स्त्रोत हैं, लेकिन प्रार्थिया के पास आय के साधन उसके पति की तुलना में बहुत कम हैं। ऐसे में पत्नी अपने ससुराल में जिस स्तर का जीवन गुजारती, वही जीवन स्तर उसे पति से अलग रहने पर भी रखना चाहिए। इसलिए दोनों के जीवन स्तर को देखते हुए प्रार्थिया व उसकी बेटी को भरण-पोषण की राशि दिलवाना उचित होगा।

मामले से जुड़े अधिवक्ता डीएस शेखावत ने बताया कि प्रार्थिया का विवाह 2 मई 2014 को हिन्दू रीति-रिवाज से हुआ था। इस दौरान उसकी बेटी का जन्म हुआ। बेटी उसके पास ही रह रही है। शादी के बाद से ही उसे ससुराल वाले दहेज के लिए प्रताड़ित करने लग गए। वे उसे शारीरिक व मानसिक तौर पर प्रताड़ित करने लगे। इसके चलते, उसने 15 नवंबर 2018 को पति व उसके घरवालों के खिलाफ दहेज प्रताड़ना की शिकायत दर्ज कराई। वहीं, घरेलू हिंसा का मामला भी विचाराधीन है। उसका पति इंडिगो एयरलाइंस में कैप्टन के पद पर है और उसे प्रति माह 6.50 लाख रुपए वेतन मिलता है। वहीं, अन्य संसाधनों से भी उसकी काफी आय होती है। इसलिए उसे अपने व बेटी के लिए 3 लाख रुपए भरण पोषण राशि दिलवाई जाए।

इसके जवाब में पति ने कहा कि उसने प्रार्थिया को प्रताड़ित नहीं किया है और पार्थिया पायलट है व उसकी आय हर महीने1.80लाख रुपए है। वह खुद का और बेटी का भरण-पोषण करने में सक्षम है। इसलिए प्रार्थना पत्र खारिज किया जाए। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनकर पति को पत्नी व बेटी को हर महीने 1.40 लाख रुपए भरण-पोषण भत्ता देने का निर्देश दिया।

प्रदेश के छोटे खान बजरी मालिकों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आई.ए.एस. अफसर राजीव स्वरूप को एस.ई.आई.ए.ए. का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उनकी नियुक्ति से पूर्व कुछ समय तक तो यह पद रिक्त पड़ा हुआ था।

जैसा कि विदित है, राजीव स्वरूप, गहलोत सरकार के दौरान हुए सचिन पायलट गुट व मंत्रिमंडल के कुछ विधायकों के फोन टैपिंग प्रकरण के दौरान गृह सचिव के पद पर कार्यरत थे, जिसके बाद उन्हें मुख्य सचिव के पद पर भी नियुक्त किया गया था, परंतु केन्द्र सरकार से एक्सटैंशन नहीं मिलने के कारण तीन महीने के भीतर उन्होंने मुख्य सचिव के पद से रिटायरमैंट लिया, जिसके कुछ समय बाद ही उन्हें एस.ई.आई.एस. का अध्यक्ष बना दिया गया।

खनन विभाग के सूत्रों के अनुसार राजीव स्वरूप की अध्यक्षता में एस.ई.आई.ए.ए. ने बजरी खनन करने की अनुमति प्राप्त करने हेतु दायर 16 हजार से भी अधिक आवेदनों में से केवल 4,500-5,000 आवेदनों को ही स्वीकृति दी। करीब दो-ढाई हजार आवेदनों को अस्वीकार किया और शेष आवेदनों पर कोई फैसला नहीं सुनाया, जिस वजह से बजरी खनन के उद्योग से जुड़े कई उद्योगपति आज भी प्रभावित हैं।

उल्लेखनीय है कि गहलोत सरकार के जाते ही वर्तमान सरकार ने एस.ई.आई.ए.ए. के पुनर्गठन की प्रक्रिया शुरु कर दी। परंतु सुप्रीम कोर्ट में एन.जी.टी. के आदेश के खिलाफ अपील भी दायर की गई और राजस्थान से बजरी खनन मालिकों की तरफ से आवेदन भी दायर किये गये कि एस.ई.आई.ए.ए. उनके आवेदनों की जाँच-पड़ताल करे बिना, उन्हें खारिज नहीं कर सकता।

सभी तथ्यों को सुनने के बाद, सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार 12 नवबंर को छोटे खान मालिकों को राहत दी थी और कहा था कि राजस्थान सरकार मार्च 2025 तक एस.ई.आई.ए.ए. के सभी सदस्यों को नियुक्त कर बचे हुए बजरी खनन आवेदनों पर फैसला सुनाए। परंतु सरकार ने अभी तक भी एस.ई.आई.ए.ए. के सभी सदस्यों को नियुक्त नहीं किया है। इस वजह से बजरी खनन करने के लिए दायर सभी आवेदनों पर फैसला नहीं लिया जा सकता है।

इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट ने एक मई को सुनवाई के बाद आदेश जारी किए और कहा कि एस.ई.आई.ए. आवेदनों पर कानूनी प्रक्रिया के अनुसार, "फैसला लेने के लिए दो महीनों का अतिरिक्त समय ले सकता है और एस.ई.आई.ए.ए. को अगली सुनवाई पर अपना जवाब भी प्रस्तुत करना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा कि जिन आवेदनों को एस.ई.आई.ए.ए. जाँच कर पहले ही बजरी खनन की अनुमति दे चुका है, उन पर किसी भी तरह की रोक न लगाई जाए, जिससे करीब 5000 छोटे खान व्यवसायियों को राहत मिली है।

तेजस्वी यादव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है उससे वंचित वर्गों और हाशिए पर रहे लोगों की मांगों की पुष्टि होती है।

यादव ने लिखा बिहार कास्ट सर्वे से पता लगा कि राज्य में 63 प्रतिशत ओबीसी एवं ईबीसी है। उम्मीद है ऐसे ही नतीजे राष्ट्रीय स्तर पर निकलेंगे।

हालिया वर्षों में जातिगत जनगणना की मांग ने काफी जोर पकड़ा था साथ ही भारत की जनसंख्या में सामाजिक आर्थिक लाभों के वितरण में पारदर्शिता की मांग भी उठ रही थी।

जातिगत जनगणना का समर्थन कर रहे लोगों को डर है कि क्या सरकार इसके नतीजों पर कार्यवाही करने की मंशा रखती है। यादव ने कहा जातिगत जनगणना सामाजिक न्याय की लम्बी यात्रा में मात्र पहला कदम है। उन्होंने कहा आरक्षण पर लगी सीमा पर भी पुनर्विचार किया जाना चाहिए।

'2016 की सर्जिकल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सकता है।

उनका तर्क है कि इन उपायों के जरिए भारत वैश्विक आलोचना और सीधे युद्ध को न्यौता दिए बिना ही, पाकिस्तान को भारी कीमत चुकाने पर मजबूत कर सकता है।

रिटायर्ड कर्नल व रक्षा विश्लेषक वी.एस. नायर के अनुसार, "हम एक दृष्टिकोण परिवर्तन देख रहे हैं। यह एक नई नीति बन रही है, जिसमें कठोर सैन्य शक्ति के साथ-साथ राजनीतिक संचालन के तकनीकी, कूटनीतिक और आर्थिक साधन शामिल हैं। यह पारंपरिक युद्ध के जाल में फंसे बिना सबक सिखाने का तरीका है।"

इसी बीच, कूटनीतिक सूत्रों के अनुसार, भारत ने प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय सहयोगियों से संपर्क कर उन्हें सीमा पार बढ़ रही भड़काने वाली गतिविधियों और पहलगाम हमले की गंभीरता के बारे में जानकारी देना शुरु कर दिया है। अधिकारियों का कहना है कि इसका उद्देश्य भारत के आत्मरक्षा के अधिकार को लेकर एक मजबूत वैश्विक समर्थन तैयार करना है।

ज़मीनी स्तर पर, नियंत्रण रेखा पर तैनात सैनिक "हाई अलर्ट" पर हैं। वहाँ पक्के बंकर, उन्नत निगरानी प्रणालियां और बेहतर गतिशीलता संसाधन तैनात किए गए हैं। ज़मीनी रिपोर्टों के अनुसार, सैनिकों का मनोबल ऊँचा है और वे किसी भी दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब देने को तैयार हैं।

हालांकि, संभावित कार्रवाई की समय सीमा अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन इतना निश्चित है कि भारतीय सैन्य तंत्र किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस समय सरकार की चुप्पी ही भविष्य की कार्यवाही को लेकर उत्सुकता को बढ़ा रही है।

जैसा कि एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने संक्षेप में कहा, "हम तैयार हैं। अगला कदम खुद बोलेगा।"

एनआईए ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आरोप पत्र दायर किया था।

इस बीच, अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले 2008 के आतंकवादी हमलों के मास्टरमाइंड राणा की अपील को खारिज कर दिया था। उसके बाद, राणा को भारतीय हिरासत में भेजने का रास्ता साफ हो गया था।

'राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600